ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

22 से 7 अक्टूबर तक 420 करोड़ रुपये की लागत से पुनः सामाजिक @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 13 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-252

राहुल गांधी ने म्यांमार से बनवाया था वोट चोरी का खाका

वोट चोरी का आइडिया भी चोरी का ही निकला

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गतिविधियां और उनकी राजनीति विदेशी शक्तियों की संलिप्तता, रहस्यमय यात्राओं और गुप्त मुलाकातों को लेकर हमेशा संदेहों में घिरी रहती है। हाल ही में केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर वोट-चोरी के गंभीर आरोप लगाने वाले राहुल गांधी की विदेशी शक्तियों से साठगांठ और म्यांमार से वोट-चोरी का पूरा मनगढ़ंत खाका तैयार कराने का खुलासा हुआ है।

यह स्पष्ट हुआ कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को बदनाम करने के लिए वोट चोरी की साजिश का प्रपंच रचा। इसके लिए राहुल गांधी जो दस्तावेज सामने लेकर आए, वे भी सवालों के घेरे में यह खुलासा हुआ कि राहुल गांधी ने 7 अगस्त 2025 को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जिन दस्तावेजों से वोट चोरी को साबित करने की कोशिश की थी, वह असल में म्यांमार में तैयार किया गया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस दस्तावेज को अपनी वेबसाइट पर भी साझा किया था, जिसे वोट चोरी प्रूफ नाम के टेक्स्ट से हाइपरलिंक किया गया था। गूगल ड्राइव के एक फोल्डर में कुल तीन पीडीएफ फाइलें मिलीं, जिसका नाम था, राहुल गांधी प्रेजेंटेशन-1। इन फाइलों में अंग्रेजी, हिंदी और कन्नड़ भाषा में वही दस्तावेज मौजूद थे, जिन्हें कांग्रेस नेता ने 7 अगस्त की अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखाया था। जब इन फाइलों का मेटाडाटा खंगाला गया तो इसकी पुष्टि हुई कि वह दस्तावेज तो भारत का है ही नहीं, वह तो

मेटाडाटा से उजागर हुई राहुल गांधी की विदेशी खुराफात

म्यांमार में बनाया गया। उल्लेखनीय है कि मेटाडाटा में किसी भी फाइल की पूरी जानकारी होती है। मेटाडाटा में लेखक का नाम, फाइल बनने की तारीख, समय और साइज जैसी जानकारियां होती हैं। इसकी मदद से किसी फाइल को इस्तेमाल करना, ढूंढ़ना और व्यवस्थित करना आसान हो जाता है। मेटाडाटा की जांच में पाया गया कि तीनों भाषाओं की पीडीएफ में उसके क्रिएट करने की जगह म्यांमार के साथ-साथ उसक तारीख और समय दर्ज है।

जांच में पाया गया कि राहुल गांधी की प्रेजेंटेशन के तीनों वर्जन म्यांमार स्टैंडर्ड टाइम (एमएमटी) में बनाए गए थे। इस खुलासे से कांग्रेस खेमे में हलचल मच गई है। आरोपों का जवाब देने के लिए कांग्रेस की आईटी सेल के ट्रोल और समर्थक सोशल मीडिया मंचों पर सक्रिय हो गए। कांग्रेस नेता और समर्थक वोट-चोरी के खुलासे को नकारने में लग गए। कुछ कांग्रेसी प्रवक्ता ने यह भी कह दिया कि टाइम जोन में गड़बड़ी किसी सॉफ्टवेयर कन्फिगरेशन की समस्या या फिर एडोबी बग के कारण हुई है। हालांकि तकनीकी जांच में कांग्रेस प्रवक्ता का यह तर्क बेमानी साबितहुआ। कांग्रेस के अलावा वामपंथी और प्रोपेगेंडा पत्रकारों और मीडिया ने भी इसके फैक्ट चेक का प्रहसन खेल कर इस खुलासे की लीपापोती करने की कोशिश की। लेकिन सारे प्रयास नाकाम साबित हुए। यह ध्यान देना जरूरी है कि राहुल गांधी का राजनीतिक गतिविधियां विदेशी शक्तियों की संदेहास्पद संलिप्तता को लेकर ▶10पर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिलाई उपराष्ट्रपति पद की शपथ

सीपी राधाकृष्णन बने देश के 15वें उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

सीपी राधाकृष्णन ने भारत के नए उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उन्हें उपराष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। मंगलवार को हुए चुनाव में राधाकृष्णन ने इंडी गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को हराकर जीत दर्ज की थी। 21 जुलाई को जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद 9 सितंबर को नए उपराष्ट्रपति के लिए चुनाव हुआ था। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम केंद्रीय मंत्री और सांसद मौजूद थे। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी भी शपथ ग्रहण समारोह में शरीक हुए।

इससे पहले उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया था। गुरुवार को राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी

समारोह में पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्रियों के साथ धनखड़ भी आए

गई थी। राष्ट्रपति मुर्मू ने राधाकृष्णन के इस्तीफे के बाद गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। देवव्रत फिलहाल दोनों राज्यों के राज्यपाल की जिम्मेदारी संभालेंगे।

देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए सीपी राधाकृष्णन की उपराष्ट्रपति पद की तक यात्रा असाधारण रही है। इस सफर की शुरुआत छात्र आंदोलन से हुई और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ाव के बाद इसका विस्तार राष्ट्रीय फलक तक हुआ। संघ से सक्रिय राजनीति में आए सीपी राधाकृष्णन ने भाजपा में संगठन में लंबे समय तक काम किया। 2004 से 2007 तक वह तमिलनाडु प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष रहे। इस दौरान 2007 में उन्होंने 93 दिनों में 19,000 किलोमीटर लंबी रथ यात्रा की। इसका मकसद देश की नदियों को जोड़ना, आतंकवाद का उन्मूलन, समान नागरिक संहिता लागू करना, अस्पृश्यता निवारण और मादक पदार्थों के खतरों से निपटना था। 2020 से 2022 तक वह केरल भाजपा के प्रभारी भी रहे। उन्हें संगठन और प्रशासन दोनों क्षेत्रों में मजबूत पकड़ वाला नेता माना जाता है। विनम्र और सुलभ नेता की छवि रखने वाले राधाकृष्णन को उनके समर्थक तमिलनाडु का मोदी कहकर पुकारते हैं।ओबीसी समुदाय कोंगु वेल्लार (गाउंडर) से आने वाले राधाकृष्णन की शादी सुमति से हुई है

राहुल गांधी के बिना बताए की जाने वाली विदेश यात्राओं से संकट

सीआरपीएफ ने प्रोटोकॉल उल्लंघन पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की बिना बताए की जाने वाली विदेश यात्राओं पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने गंभीर आपत्ति दर्ज की है। सीआरपीएफ का कहना है कि प्रोटोकॉल के उल्लंघन से सुरक्षा को लेकर गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है। सीआरपीएफ ने राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर नया अलर्ट जारी किया है। सीआरपीएफ ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को लिखे आपत्ति-पत्र कहा है कि राहुल गांधी बिना पूर्व जानकारी दिए विदेश चले जाते हैं, इससे तमाम प्रोटोकॉलिक दिक्कतें पेश आ रही हैं और यह उल्लंघन उनकी सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा भी साबित हो सकता है। सीआरपीएफ के पत्र की प्रतिलिपि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी भेजी गई है। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी को सीआरपीएफ द्वारा जेड प्लस सुरक्षा कवर दिया जाता है। इसके पहले भी राहुल गांधी की ऐसी हरकतों के बारे में सीआरपीएफ चेतावनी दे चुकी है।

113 बार जेड प्लस सिक्योरिटी प्रोटोकॉल तोड़ चुके हैं राहुल गांधी

सीआरपीएफ ने राहुल गांधी पर येलो-बुक प्रोटोकॉल तोड़ने की शिकायत दर्ज कराई है। राहुल गांधी अब तक 113 बार जेड प्लस सिक्योरिटी प्रोटोकॉल तोड़ चुके हैं। उल्लेखनीय है कि गृह मंत्रालय ने वीवीआईपी सुरक्षा के लिए एक खास गाइडलाइन बना रखी है जिसे येलो बुक कहा जाता है। इसमें स्पष्ट लिखा है कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को छोड़कर बाकी सभी बड़ी हस्तियों की सुरक्षा इन्हीं नियमों के आधार पर तय होगी। अब राहुल गांधी द्वारा येलो बुक प्रोटोकॉल तोड़ने की हरकतों ने सुरक्षाबल के समक्ष गंभीर समस्या खड़ी कर दी है। राहुल गांधी पिछले नौ महीनों में बिना जानकारी दिए छह बार विदेश यात्रा पर गए। इसमें इटली, वियतनाम, दुबई, कतर, लंदन और मलेशिया जैसे देशों की यात्राएं शामिल हैं।

सीआरपीएफ ने राहुल गांधी को अलग से पत्र भेजकर चेतावनी दी है कि इस तरह की चूक उनकी जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा को कमजोर कर सकती है और उन्हें गंभीर खतरा हो सकता है। सुरक्षा एजेंसी का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी पर प्रोटोकॉल तोड़ने के आरोप लगे हैं। जिन लोगों को जेड प्लस या जेड सुरक्षा दी गई है, उन्हें अपनी सभी गतिविधियों और यात्राओं की जानकारी पहले से सुरक्षा एजेंसियों को देनी होती है। ▶10पर

एसआईटी ने सीएम हिमंत बिस्व सरमा को सौंपी 96 पेज की रिपोर्ट

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के पाकिस्तान कनेक्शन की पुष्टि

गुवाहाटी, 12 सितंबर (एजेंसियां)। असम सरकार द्वारा गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के पाकिस्तान कनेक्शन की जांच के बाद अपनी 96 पेज की रिपोर्ट मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा को सौंप दी। मुख्यमंत्री ने सरमा ने कहा, अब राज्य सरकार एसआईटी की रिपोर्ट का विस्तार से अध्ययन करेगी। उन्होंने दावा किया कि गोगोई के परिवार के चार में से तीन लोग विदेशी नागरिकता रखते हैं। एसआईटी के सदस्यों मुन्ना प्रसाद गुप्ता, रोजी कलिता, प्रणबज्योति गोस्वामी और मैत्रेयी देका की मौजूदगी में रिपोर्ट मुख्यमंत्री सरमा को सौंपी गई।

असम के सीएम सरमा ने कहा कि असम कैबिनेट ने भारत विरोधी गतिविधियों की जांच के लिए एसआईटी बनाई थी। जांच में हैरान करने वाले तथ्य सामने आए हैं। उन्होंने कहा, 17 फरवरी

2025 को असम कैबिनेट ने एक पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख और उसके साथियों की भारत विरोधी कमजोर करने की बड़ी साजिश की ओर इशारा करते हैं। उन्होंने कहा कि जांच में यह भी पता चला कि पाकिस्तान के गृह

गौरव गोगोई परिवार के तीन सदस्य विदेशी नागरिक

गतिविधियों की जांच के लिए एसआईटी बनाई थी। इस गहन जांच के दौरान एसआईटी ने ऐसे चौंकाने वाले तथ्य उजागर किए हैं जो देश की संप्रभुता को मंत्रालय ने असम के एक सांसद की पड़ोसी देश की यात्रा में मदद की।

सीएम सरमा ने कहा, एसआईटी ने एक ब्रिटिश नागरिक की संलिप्तता भी पाई, जो भारतीय सांसद की विवाहिता हैं और वह अली तौकीर शेख की नापाक गतिविधियों में शामिल हैं। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि पाकिस्तान सरकार के गृह मंत्रालय ने असम के एक माननीय सांसद की उनके देश की यात्रा में मदद की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राज्य सरकार एसआईटी की रिपोर्ट का विस्तार से अध्ययन करेगी और इसे राज्य कैबिनेट के सामने रखेगी। कैबिनेट में चर्चा के बाद जांच में मिली जानकारी को सार्वजनिक किया जाएगा।

इस बीच, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने दावा किया कि सीएम सरमा के आरोप बनावटी कहानी पर आधारित हैं। उन्होंने कहा, वे सोचते हैं कि असम के लोग इतने मूर्ख हैं कि उनके बेतुके आरोपों पर विश्वास कर लेंगे। वह असम के लोगों की बुद्धि और समझ का सम्मान नहीं करते। ▶10पर

शनिवार को मणिपुर का विस्तृत दौरा करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

विकास के लिए मणिपुर को देंगे 8500 करोड़ की परियोजनाएं

इंफाल, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

मणिपुर में हिंसा के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के दौरे पर जा रहे हैं। शनिवार को प्रधानमंत्री सबसे पहले मिजोरम से चुराचांदपुर पहुंचेंगे और फिर इंफाल जाएंगे। वे चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। जबकि 1200 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी मणिपुर के विकास के लिए कुल 8500 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री सबसे पहले मिजोरम से चुराचांदपुर पहुंचेंगे और फिर इंफाल जाएंगे।

हिंसा में विस्थापित परिवारों से भी मिलेंगे प्रधानमंत्री मोदी

मणिपुर के मुख्य सचिव ने कहा कि मणिपुर के समावेशी, सतत और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। जबकि 1200 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की 13 सितंबर की मणिपुर यात्रा राज्य में शांति, सामान्य स्थिति और विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। पीएम मोदी चुराचांदपुर और इम्फाल में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे। ▶10पर

हिंसाग्रस्त नेपाल में अब शांति की उम्मीद

नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री बनीं सुशीला कार्की

राष्ट्रपति भवन में हुआ शपथ ग्रहण

काठमांडू, 12 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रहीं सुशीला कार्की नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री बन गई हैं। उन्हें राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति भवन शीतल निवास में शपथ दिलाई। हिंसाग्रस्त नेपाल में अब शांति स्थापना की उम्मीद बढ़ गई है। नेपाल में युवा पीढ़ी के हिंसक प्रदर्शनों के बाद उपजे राजनीतिक संकट के बीच शुक्रवार को पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार की कमान सौंप दी गई। ▶10पर

राहुल गांधी के प्रोपेगेंडा को मद्रास हाईकोर्ट से करारा झटका

2024 चुनावों में वोट-चोरी के कोई सबूत नहीं : हाईकोर्ट

चेन्नई, 12 सितंबर (एजेंसियां)।

मद्रास हाईकोर्ट के फैसले से कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस पार्टी की भारी किरकिरी हुई है। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने वोट-चोरी का जो प्रोपेगेंडा चलाया था, वह हाईकोर्ट में टिक नहीं सका। मद्रास हाईकोर्ट ने कांग्रेस के उस दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिसमें पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट में हेरफेर का आरोप लगाया था। इस मामले में दायर जनहित याचिका को हाईकोर्ट ने न सिर्फ खारिज किया, बल्कि याचिकाकर्ता पर 1 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

मद्रास हाईकोर्ट का यह फैसला कांग्रेस के वोट चोरी के झूठे प्रचार को बेनकाब करता है और भारत के चुनावी प्रक्रिया पर जनता के भरोसे को मजबूत करता है। यह मामला वकील वी. वेंकटा शिवकुमार ने दायर

हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर ठोका एक लाख का जुर्माना

किया था, जिसमें मांग की गई थी कि चुनाव आयोग को राहुल गांधी की ओर से 7 अगस्त 2025 को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन में उठाए गए आरोपों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने का आदेश दिया जाए।

राहुल गांधी ने इस प्रेजेंटेशन में दावा किया था कि 2024 के लोकसभा चुनावों में वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ हुई और इस बात को केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी 13 अगस्त 2025 की प्रेस कॉन्फ्रेंस में दो-हराया था। याचिका में मांग की गई थी कि चुनाव आयोग को वोटर लिस्ट का डेटा सार्वजनिक करना चाहिए और इस मामले की जांच की स्थिति बतानी चाहिए। लेकिन मद्रास हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनिंद्रा मोहन श्रीवास्तव और जस्टिस जी. अरुल मुरुगन की बेंच ने इस याचिका को पूरी तरह से गलत और बेबुनियाद करार दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि यह याचिका पूरी तरह से भ्रामक है और इसमें कोई ठोस सबूत या स्वतंत्र जांच का आधार नहीं है। हाईकोर्ट ने साफ कहा कि याचिका में सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप की बातें हैं, जो कुछ प्लेटफॉर्म्स पर कही गईं, लेकिन इनके पीछे कोई पुख्ता सबूत नहीं हैं। ▶10पर

नदी का स्वभाव है बहते रहना और मदद करते रहना: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि मनुष्य के स्वभाव को तीन रूपों में बांटा जा सकता है, दलदल, नदी और समंदर। दो भाई थे। छोटे भाई ने बड़े भाई के जन्मदिन पर एक बड़ी मोटर कार भेंट की। पड़ोसी उसे देखने लगे।

एक व्यक्ति बोला मुझे ऐसी कार मिले तो मजा आ जाए। दूसरा बोला मुझे ऐसा उदार भाई मिलता तो कितना अच्छा होता। तीसरा बोला काश मैं ऐसा भाई बन सकता। दलदल का स्वभाव है बिगड़ते रहना और गंदगी फैलाना। वैसे ही कुछ लोग अपने मन में दुर्भाव और स्वार्थ का दलदल बना लेते हैं। वे न केवल अपना जीवन खराब करते हैं बल्कि उनके संपर्क में आने वालों को भी दूषित कर देते हैं। उनका विचार हमेशा यही रहता है मुझे क्या मिलेगा। इसके विपरीत नदी का स्वभाव है बहते रहना और मदद करते रहना।

कुछ लोग नदी जैसे होते हैं, जो पाने से अधिक देने का विचार रखते हैं। वे भौतिक वस्तुओं से अधिक संबंधों को महत्व देते हैं, अपना जीवन सुधारते हैं और दूसरों का जीवन भी संवारने में सहायक होते हैं। वहीं समंदर का स्वभाव है सबको समाहित करना। समंदर नदियों का जल स्वीकार करता है और गंदगी को बाहर फेंक देता है। समंदर जैसे लोग सभी का स्वीकार करते हैं। वे अप्रतिम उदारता के धनी होते हैं और अपने भीतर की गंदगी को बाहर निकालना जानते हैं। साधारण, विशेष और असाधारण व्यक्तियों का दृष्टिकोण भी अलग होता है।

साधारण व्यक्ति को संपत्ति मिलती है तो वह मौज-मजा करने की सोचता है। विशेष व्यक्ति संपत्ति का सही उपयोग करने का विचार रखता है, जबकि असाधारण व्यक्ति संपत्ति का परोपकार में प्रयोग करता है। साधारण व्यक्ति के लिए संबंध केवल स्वार्थ का साधन होते हैं, विशेष व्यक्ति के लिए उनमें सद्भाव भी रहता है और असाधारण व्यक्ति के लिए संबंध स्व और पर दोनों के विकास का माध्यम बन जाते हैं। व्यक्तित्व की परीक्षा इसी से होती है कि संपत्ति, सामग्री और संबंधों के प्रति आपका दृष्टिकोण क्या है। साधारण व्यक्ति भी यदि अपना नजरिया बदले तो असाधारण बन सकता है। यदि आप समंदर जैसा महान व्यक्तित्व बनाना चाहते हैं तो तीन बातों को गांठ बांध लें संपत्ति चाहिए, लेकिन सद्बुद्धि गंवाकर नहीं, सामग्री चाहिए किंतु सद्गुण छोड़कर नहीं और संबंध चाहिए परंतु सत्य को भुलाकर नहीं। आपकी जीवन-मूल्य ही आपके व्यक्तित्व की ऊँचाई का वास्तविक मापदंड हैं। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ ट्रस्टी राजू भंडारी ने बताया कि बेंगलूरु से हिराबाग महिला मंडल, बेंगलूरु से श्री मुनिसुव्रत स्वामी महिला मंडल केन्टोन्मेन्ट, कोप्पल से महावीर कुमार परिवार सहित पधारकर दर्शन प्रवचन का लाभ लिया। राजेन्द्र महिला मंडल ने सेवा का लाभ लिया। शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की आरती का लाभ संगीता सुनील कुमार बाफना बेंगलूरु, मंगल दीपक आरती भंवरलाल पेराजमल जैन, गुरुदेव की आरती महावीर कुमार सखंलेचा कोप्पल ने लिया। सभी अतिथिगण का संघ की ओर से बहुमान किया गया।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय खेल महोत्सव का भव्य आगाज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु के तत्वावधान में प्रथम राष्ट्रीय खेल सुनील शर्मा चैम्पियन्स कप का शुक्रवार को शहर के कोरमंगला स्थित सेंट जॉन्स खेल मैदान में समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा, चंद्रा शर्मा एवं संतोष शर्मा द्वारा भगवान भास्कर के चित्र सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं पूजा-अर्चना के बाद खेल मशाल जलाकर शुभ वेला में शानदार आगाज हुआ।

कार्यक्रम में सभी टीमों एवं स्थानीय एन. सी.सी. कैडेट्स ने शानदार सलामी परेड का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के शुभारंभ में शांति के प्रतीक पांच सफेद कबूतर भारत माता एवं जय भास्कर के जयकारों के साथ उड़ाये गये। सुनील शर्मा राष्ट्रीय चैम्पियन्स कप में कुल सोलह टीमों के दो सौ पच्चीस खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। खेल मैदान में आयोजक सुनील शर्मा द्वारा प्रथम बॉल पर शॉट लगाकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। पहला मैच ग्रुप ए में बिहार ब्लास्टर व शाकद्वीपीय राइजिंग के बीच खेला गया जिसमें आठ विकेट से बीकानेर की टीम विजेता रही। दूसरा मैच चेन्नई और सेलम के बीच खेला गया जिसमें चेन्नई नौ विकेट से विजेता रही। तीसरा मैच बेंगलूरु और जोधपुर के बीच खेला गया जिसमें बेंगलूरु तीन विकेट से विजेता रही। चौथा मैच बिहार और सेलम के बीच खेला गया जिसमें बिहार दो विकेट से विजेता रही। ग्रुप सी में छत्रपति महाराष्ट्र और परशुराम वारियर्स के बीच खेला गया, जिसमें परशुराम वारियर्स आठ विकेट से विजेता रहा। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा चेन्नई, अशोक मथुरिया चेन्नई, आर.के. शर्मा बीकानेर, बसंत शर्मा पाली, पुष्करराज शर्मा पाली, कामिनी भोजक बीकानेर, दिलीप शर्मा रायपुर, राकेश अबोटी, मुकेश शर्मा जोधपुर, नटवर शर्मा अहमदाबाद, विकास शर्मा सेलम, प्रकाश मिश्रा पटना, प्रियंका निखिल शर्मा जोधपुर, राजेश शर्मा, अनिल शर्मा, प्रसन्न शर्मा, टी. राजेन्द्र शर्मा, जे.बाबूलाल, महेंद्र शर्मा, चेतन शर्मा, भूपेश कश्यप, वीरेंद्र शर्मा, अविनाश शर्मा, घनश्याम मथुरिया, जीतेन्द्र शर्मा, प्रकाश शर्मा बलुन्दा सहित देशभर से आये अनेक गणमान्य समाज बंधु उपस्थित थे।

गौशाला में सहयोग

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रीमद राजचंद्र आश्रम हंपी जिला बल्लारी संस्था द्वारा धनदेवी माताजी की जन्म शताब्दी निमित्ते पूरे साल पूरे भारत में प्रतिदिन जीवदया राशि एवं खाद्य सामग्री वितरित की जा रही है। उसी कड़ी में शुक्रवार को गदग के श्रीमद राजचंद्र आश्रम के भक्त गणों द्वारा श्री भगवान महावीर गौशाला में गौ माता को खाद्य सामग्री वितरित की गई एवं सहयोग राशि गौशाला के व्यवस्थापक को दी गई। इस कार्यक्रम में प्रकाश ओस्तवाल, रतन भंसाली, पवन ओस्तवाल, रमेश भंसाली, भरत ओस्तवाल, लीलाबाई संकलेचा, सविता संकलेचा, मंजू भंसाली, सपना ओस्तवाल, प्रिया भंसाली, विधि ओस्तवाल समेत कई भक्त उपस्थित थे।

हंपी आश्रम होसपेट से 12 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। आश्रम में दैनिक कार्यक्रम की कड़ी में पक्षाल पूजा सत्संग एवं भक्ति के कार्यक्रमों में भक्तों की उपस्थिति रहती है।

अपने कर्मों से कोई नहीं बच सकता: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि जिसका उदय होता है उसका अस्त भी होता है। जो पकता है वो गिरता है। असत्य जहां है वहां भय है। घड़ा जो फूटा है उससे पानी निकलता है। पांचवीं बात कर्मों का उदय होता है। जैसे अपना पैर अपना जूता पहचान लेता है। अपनी आंखे भी सभी को पहचान लेती हैं। किस के प्रति आदर है और किस के प्रति नफरत है वह आंखें पहचान लेती हैं। चोर भी दूसरे चोर को पहचान लेता है। वैसे ही कर्मों का खेल होता है। जिसने किया है उसको ही मिलेगा। मनुष्य का कर्म उसको कभी नहीं छोड़ेगा। जिसकी जो आदत पड़ जाती है वह कभी नहीं छुटती है। चोर अगर एक बार चोरी कर लेगा तो फिर वह करता ही रहता है। मनुष्य की आदत ही उसको अच्छा बुरा बनाती है। अगर मनुष्य की आदत धर्म आराधना में लगेगी तो उसका कल्याण हो जाएगा। लेकिन बुरे काम में आदत होना जीवन बेकार कर देता है। मनुष्य को जागने से अच्छा सचेत होना बहुत जरूरी है। मनुष्य को हमेशा अलर्ट रहना चाहिए। प्रकृति कभी एक चीज लेती है तो दूसरी चीज दे देती है। अगर कोई नेत्रहीन है तो उसको कुछ विशेष ही मिलता है। किसी की एक इंद्री कमजोर है तो दूसरी इंद्रियां मजबूत होती हैं। शुभ कर्म का उदय जब होता है तो दुश्मन भी शीश झुकाते हैं। शुभ कर्मों का उदय होने पर घृणा करने वाला भी पूजने लगता है। शुभ कर्मों की महिमा बहुत प्यारी होती है। शुभ कर्मों का उदय होते ही मामला ही बदल जाता है। कर्म कब खिल जाए उसका कुछ पता नहीं चलता है। कर्मों के हिसाब से राजा रंक और रंक राजा बन जाता है। इसलिए कहते हैं कि किए हुए कर्मों का भुगतान करना ही होगा। मनुष्य का कर्म हर वक्त उसका अनुसरण कर रहा है। कर्म किसी को भी नहीं छोड़ता है। जैसे बच्चा मां की ओर दौड़ता है। वैसे ही कर्म हमारी ओर दौड़ते हैं। जो जैसा करेगा उसको वैसा ही भोगना पड़ेगा। इसलिए मनुष्य को पाप छोड़ कर अच्छे कर्म करने चाहिए। इस मौके पर गौतमचंद मरलेचा, महेंद्र कुमार सकलेचा और रविंद्र जैन की उपस्थिति रही। सभा में संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया। संचालन करते हुए महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने बताया कि रविवारीय प्रवचन मध्यान्ह 2 बजे से होगा।

जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह की चौथी बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वयं जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह की चौथी टेन्योर मीटिंग जीतो बेंगलूरु नॉर्थ कार्यालय में उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित की गई। इस अवसर पर जेएलडब्ल्यू की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ एवं जे.बी.एन. की संयोजिका तनुजा मेहता सहित कमेटी सदस्य मोना आंचलिया, सारिका जैन एवं समस्त कार्यकारिणी टीम विशेष रूप से उपस्थित रही। बैठक की शुरुआत मंगलमय नवकार मंत्र से की गई, जिससे पूरे वातावरण में सकारात्मकता का संचार हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में जे.एल.डब्ल्यू. की मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने अपने प्रेरणादायी संबोधन से सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने हमेशा मुस्कुराते रहो विषय पर जीवन के हर पल मुस्कुराते हुए जीने का संदेश दिया। उनके अनुसार मुस्कान सबसे मजबूत वक्र है, जो हर कठिनाई को सरल बना देती है। उन्होंने अपना जीवन मंत्र साझा किया। हमेशा मुस्कुराते रहो और अधूरा कार्य कभी मत छोड़ो। साथ ही उन्होंने सफलता का अपना एबीसीडी सूत्र प्रस्तुत किया। ए- स्नेह (प्रशंसा), बी- स्वयं पर विश्वास, सी- आत्मविश्वास और डी रिश्तों में गहराई के बारे में बताया।

इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने व्यापारिक उद्यम नेकी मार्ट-के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि हर महिला को अपनी पहचान बनाने और आर्थिक स्वतंत्रता पाने का अधिकार है। इसी सोच के साथ लॉन्च हुआ है नेकी मार्ट। एक डिजिटल मार्केटप्लेस, जो खास तौर पर महिला उद्यमियों के लिए बनाया गया है। इसका उद्देश्य गृहिणियों और प्रतिभाशाली महिलाओं को ऐसा मंच देना, जहाँ वे अपने हुनर को सफल ऑनलाइन बिजनेस में बदल सकें। बैठक में रेफरल टीम की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय रही, जिसमें मीना जैन (रेफरल हेड), लीला पितलिया (रेफरल लीड) और सीए सुखदेवी जैन (रेफरल सचिव) का योगदान सराहा गया। सभी सदस्यों ने मंच पर आकर 60-सेकंड पिच के माध्यम से अपने व्यवसाय का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत डोर प्राइज में सर्वश्रेष्ठ परिधान का सम्मान मोक्षा सोलंकी को, सर्वश्रेष्ठ 30 सेकेंड पिच का पुरस्कार शीतल झावेरी तथा सर्वाधिक व्यवसाय का पुरस्कार सुमन रांका को प्रदान किया गया।

लक्ष्मी बगान ने जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी एग्जिबिशन के सफल होने का श्रेय पूरी टीम को दिया एवं कहा कि इस तरह के विशाल आयोजनों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने से व्यक्तिगत विकास के साथ साथ आत्मबल भी बढ़ता है।

राजाजीनगर संघ की त्रिदिवसीय गुरु दर्शन यात्रा संपन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के तत्वावधान तथा साध्वी श्री निर्मला जी की सदप्रेरणा से आयोजित त्रिदिवसीय गुरु दर्शन यात्रा संघ (पुणे, पनवेल, सूरत) का समापन अत्यंत मंगलमय वातावरण में हुआ। यात्रा के दौरान मंत्री नेमीचंद दलाल ने संघ की विविध गतिविधियों का विवरण आचार्य भगवन के समक्ष प्रस्तुत किया। यात्रा के तृतीय एवं अंतिम दिवस सूरत में चातुर्मासार्थ विराजमान श्रमण संघीय आचार्य भगवन, चतुर्थ पट्टधर ध्यानयोगी डॉ. शिवमुनिजी एवं कामरेज में चातुर्मासार्थ विराजमान उप प्रवर्तक द्वय विनयमुनि वागीश एवं गौतममुनि गुणाकर तथा पांडेसरा में विराजित साध्वी उमरावकंवर जी के दर्शन, प्रवचन, वंदन एवं मांगलिक का लाभ सभी यात्रियों ने ग्रहण किया। आचार्य भगवन एवं समस्त संत-सतीवृन्द ने राजाजीनगर संघ के सेवा-भाव और

सक्रियता की प्रशंसा करते हुए अनुमोदना की। इस यात्रा में राजाजीनगर श्रीसंघ के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्यगण की गरिमामयी उपस्थिति रही। अध्यक्ष प्रकाशचन्द चाणोदिया, मंत्री नेमीचंद दलाल, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्नकुमार भलगट, युवा अध्यक्ष धीरजकुमार नाहर, निवर्तमान अध्यक्ष जंबु कुमार दुग्गड, पूर्व अध्यक्ष पारसमल लोढा, मिश्रीमल कटारिया, महावीरचंद धोका, ज्ञानचंद लोढा, किशोरकुमार दलाल, महावीरचंद डोसी, जेवंतराज मुणोत, संपतराज चाणोदिया, शीतलकुमार लुणावत, आनंदकुमार नाहर के साथ त्रिशला महिला मंडल की उपाध्यक्ष अमृता भलगट, मंत्री रेखा पोखरना, रत्नीबाई मेहता तथा त्रिशला बहु मंडल एवं ब्राह्मी कन्या मंडल की अध्यक्ष नेहा लूणावत व अनेक सदस्य भी यात्रा में सम्मिलित रहे।

यात्रा की सफलता में सभी श्रावक-श्राविकाओं की श्रद्धामयी उपस्थिती एवं सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

संघ परिवार की ओर से सभी के प्रति हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया गया।

हुब्बल्ली-रामेश्वरम साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल की अवधि में विस्तार

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेलवे बोर्ड ने ट्रेन संख्या 07355/07356 एसएसएस हुब्बल्ली-रामेश्वरम-एसएसएस हुब्बल्ली साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल की अवधि में विस्तार को मंजूरी दे दी है। जिसका समापन रामेश्वरम के बजाय रामनाथपुरम में होगा। यह निर्णय रामेश्वरम में परिचालन संबंधी बाधाओं के कारण लिया गया है।

यह ट्रेन मौजूदा संरचना, समय और ठहराव के साथ चलती रहेगी। ट्रेन संख्या 07355 एसएसएस हुब्बल्ली-रामेश्वरम साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल, जिसे पहले 27 सितंबर तक चलने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब 4 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक चार फेरों के लिए विस्तारित की जाएगी, जिसका गंतव्य रामनाथपुरम तक सीमित रहेगा। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 07356 रामेश्वरम - एसएसएस हुब्बल्ली साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल, जो पहले 28 सितंबर तक अधिसूचित थी, अब 5 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक चार फेरों के लिए चलेगी, जो रामेश्वरम के बजाय रामनाथपुरम से चलेगी।

आबकारी विभाग ने जब्त 2.794 किलोग्राम गांजा किया नष्ट

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

आबकारी विभाग ने गुरुवार को पदुबिद्री के नंदिकुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित मेसर्स आयुष एनवायरटेक प्राइवेट लिमिटेड की जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन इकाई में नौ अलग-अलग मामलों में जब्त 2.794 किलोग्राम गांजा नष्ट किया। यह निपटान औषधि निपटान समिति की उपस्थिति में किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस प्रक्रिया से पर्यावरण को कोई नुकसान न हो। मेंगलूरु संभाग के संयुक्त आबकारी आयुक्त बालकृष्ण सी.एच., उडुपी की उप आबकारी आयुक्त बिंदुश्री पी., मेंगलूरु के उप आबकारी आयुक्त टी.एम. श्रीनिवास, उडुपी के आबकारी अधीक्षक अशोक एच. और मेसर्स आयुष एनवायरटेक प्राइवेट लिमिटेड के विपणन प्रबंधक सतीश नायक उपस्थित थे।

22 से 7 अक्टूबर तक 420 करोड़ रुपये की लागत से पुनः सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण कराया जाएगा : सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बहुचर्चित सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण इस महीने की 22 से 7 तारीख तक किया जा रहा है और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सभी से सर्वेक्षण में भाग लेने और जानकारी देने की अपील की है। गृह मंत्रालय कृष्णा में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण, जिसे जाति जनगणना माना जाता है, के बारे में विस्तृत जानकारी दी। राज्य में 2 करोड़ घर हैं और जनसंख्या 7 करोड़ है। सभी घरों का सर्वेक्षण करने के लिए दशहरा अवकाश के दौरान 1.75 लाख शिक्षकों की सेवाएँ ली जा रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक शिक्षक को 120 से 150 घरों का सर्वेक्षण करने की जिम्मेदारी दी गई है। शिक्षकों और आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय पर 375 करोड़ रुपये खर्च किए जाएँगे और राज्य सरकार ने पहले चरण में 420 करोड़ रुपये जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर और धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। कांताराजू आयोग द्वारा पहले किए गए 15-दिवसीय सर्वेक्षण पर 165 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। रिपोर्ट को अस्वीकार कर दिया गया है क्योंकि यह 10 साल पुरानी है और इसकी समय सीमा समाप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि पिछड़ा वर्ग के लिए स्थायी आयोग द्वारा जारी पुनर्सर्वेक्षण में वैज्ञानिक तरीके अपनाए गए हैं। दिसंबर तक सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। हर घर को बिजली कनेक्शन के साथ एक आरआर नंबर दिया गया है। जियो-टैग किए गए लोगों द्वारा तैयार किए गए विशिष्ट घरेलू पहचान (यूएचआईडी) स्टिकर मीटर रीडर द्वारा प्रत्येक घर में आरआर नंबर के आधार पर चिपकाए जाते हैं। इसके बाद, आशा कार्यकर्ता सर्वेक्षणकर्ताओं के जाने से तीन दिन पहले प्रत्येक घर का दौरा करती हैं और उन्हें सर्वेक्षण के दौरान भरे जाने वाले प्रश्नावलियाँ देती हैं। इससे शिक्षित लोगों को उन प्रपत्रों को पढ़ने और सर्वेक्षणकर्ताओं को उत्तर देने के लिए तैयार रहने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ये कदम इसलिए उठाए जा रहे हैं ताकि कोई भी सर्वेक्षण से बच न पाए। इससे पहले, कांताराजू आयोग ने 54 प्रश्न पूछे थे। उन्होंने बताया कि वर्तमान सर्वेक्षण में 60 प्रश्न पूछे जा रहे हैं। जिन लोगों को सर्वेक्षण में अपनी जाति बताने में शर्म आती है, उनके लिए वैकल्पिक तरीके भी हैं।

उन्होंने बताया कि आयोग की वेबसाइट पर या पिछड़ा वर्ग स्थायी आयोग द्वारा स्थापित हेल्पलाइन नंबर 8050770004 पर कॉल करके जानकारी दी जा सकती है। जिन लोगों ने धर्म परिवर्तन किया है, उन्हें अपना धर्म बताना होगा। सर्वेक्षण में केवल उनके वर्तमान धर्म को ही शामिल किया जाएगा।

शिक्षकों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि जो लोग अपनी जाति बताने में हिचकिचाते हैं, उन्हें शांतिपूर्वक समझा सकें और जानकारी प्राप्त कर सकें। प्रत्येक परिवार का आधार कार्ड और राशन कार्ड मोबाइल नंबर से लिंक किया जाएगा। यदि मोबाइल नंबर नहीं है, तो अन्य उपाय किए जाएँगे। यूएचआईडी नंबर न होने पर भी, शिक्षकों को ऐसे परिवार की पहचान करने और सर्वेक्षण करने की अनुमति होगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए 100 रुपये अतिरिक्त मानदेय के रूप में दिए जाएँगे। केंद्र सरकार ने जनगणना के साथ-साथ जाति जनगणना कराने का भी निर्णय लिया है। यदि अभी जाति बताने में हिचकिचाहट है, तो केंद्र सरकार को सर्वेक्षण के दौरान यह बताना होगा। केंद्र सरकार जनगणना तो करती है, लेकिन सामाजिक-शैक्षणिक जानकारी एकत्र नहीं करती। मुख्यमंत्री ने असमानता को दूर करने और सामाजिक न्याय बनाए रखने के लिए सर्वेक्षण को जरूरी बताया।

लिंगायत और वीरशैव लिख सकते हैं कि वे किस धर्म से हैं। हम सामाजिक और शैक्षणिक जानकारी एकत्र करने के लिए सर्वेक्षण कर रहे हैं। यह धर्म का निर्धारण करने के लिए नहीं है, बल्कि असमानता 78 वर्षों से मौजूद है। उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण अंबेडकर की इच्छा के अनुसार स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को लागू करने के लिए किया जा रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पिछड़ा वर्ग विकास मंत्री शिवराज, पिछड़ा वर्ग स्थायी आयोग के अध्यक्ष मधुसूदन और आयोग के अधिकारी मौजूद थे।

भड़काऊ भाषण के लिए बसनगौड़ा पाटिल के खिलाफ एफआईआर

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।
पुलिस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा से निष्कासित नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ कर्नाटक के मद्दुर दौरे के दौरान भड़काऊ भाषण देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। यतनाल उत्तरी कर्नाटक के विजयपुरा से विधायक हैं। पुलिस ने बताया कि यतनाल के खिलाफ धर्म के आधार पर समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने से संबंधित बीएनएस की धारा 196 (1), धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने से संबंधित बीएनएस की धारा 299 और सार्वजनिक उपद्रव फैलाने वाले बयानों से संबंधित बीएनएस की धारा 353 (2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। मांड्या जिले के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी ने कहा कि मद्दुर पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर की शिकायत के आधार पर निष्कासित भाजपा नेता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

यतनाल ने 7 सितंबर को गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर पथराव की घटना के सिलसिले में गुरुवार को मद्दुर में एक सभा को संबोधित किया था। यतनाल के खिलाफ स्वतः संज्ञान मामला भाजपा एमएलसी सी. टी. रवि के खिलाफ दर्ज इसी तरह की एक प्राथमिकी के बाद दर्ज किया गया है।

बेंगलूरु में स्कूली बच्चों को ले जा रही बस बालागेरे-पनाथुर रोड पर गड्ढे में पहिया फंसने से पलट गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर में शुक्रवार सुबह लगभग 20 बच्चों को ले जा रही एक स्कूल बस बालागेरे-पनाथुर रोड पर एक गड्ढे में गिर गई। बच्चों को आपातकालीन निकास द्वार से निकाला गया। यातायात पुलिस, राहगीरों और एक अन्य बस चालक द्वारा सुरक्षित स्थान पर ले जाने से पहले, वे जल-जमाव और कीचड़ भरी सड़क के किनारे फँस गए। स्थानीय निवासियों ने बताया कि बारिश के पानी से भरे एक गहरे गड्ढे में एक पहिया धँस जाने के बाद बस पलट गई। बच्चों को एक-एक करके बाहर निकाला गया और कीचड़ भरे रास्ते पर तब तक इंतजार कराया गया जब तक यातायात पुलिस, राहगीरों और एक अन्य बस के चालक ने उनकी मदद के लिए रुककर उन्हें नहीं रोका। फिर कुछ बच्चों को दूसरी बस में बिठाया गया, जबकि अन्य को निवासियों ने स्कूल पहुँचाया। निवासियों ने बताया कि उन्होंने सड़क पर गड्ढों, अधूरे नालों और बाढ़ की बार-बार शिकायत दर्ज कराई थी। उनके अनुसार, इस साल की शुरुआत में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा सड़क का निरीक्षण करने के बाद भी, कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। सड़क के किनारे खोदी गई नालियाँ अधूरी हैं, और राजकालुवे (तूफानी जल निकासी) की ओर पानी का उचित निकास नहीं है। हर बारिश के बाद फिर से गड्ढे हो जाते हैं और इन जगहों पर पानी जमा हो जाता है। यह पता लगाना असंभव है कि यह सिर्फ एक गड्ढा है या कोई गहरी खाई। जब भी हम नगर निगम के अधिकारियों से सवाल करते हैं या सुझाव देते हैं, तो वे जोर देकर कहते हैं कि उन्हें अपना काम करना आता है। नम्मा बालगेरे के एक अन्य निवासी और सदस्य सुदीप ने बताया कि इलाके में नालियों की मरम्मत का काम लगभग 10 दिन पहले शुरू हुआ था। दो दिन पहले, बिना किसी स्पष्ट पूर्व सूचना के, सड़क को अचानक वन-वे कर दिया गया। उन्होंने कहा बस चालक को लगा कि सड़क पर पानी जमा हो गया है, लेकिन पानी के नीचे एक गहरा गड्ढा छिपा हुआ था। चार पहिया वाहन रोज फिसलते हैं और दोपहिया वाहन सवार लोग यहाँ सुरक्षित रूप से यात्रा नहीं कर सकते। घटना के बाद अभिभावकों ने संबंधित स्कूलों को पत्र लिखकर मामले को गंभीरता से लेने का अनुरोध किया। अभिभावकों ने स्कूलों से भी अनुरोध किया कि वे इस मुद्दे को नगर निगम अधिकारियों के समक्ष उठाएँ ताकि बच्चों के लिए सड़क को सुरक्षित बनाने के लिए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

कांग्रेस ने गड्ढों से हुई मौतों के खिलाफ मेंगलूरु में प्रदर्शन किया

एनएचएआई और भाजपा पर निशाना साधा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राष्ट्रीय राजमार्ग पर गड्ढों से जुड़ी दुर्घटनाओं में हुई कई मौतों के बाद, जिला कांग्रेस ने शुक्रवार को नानथूर सर्कल पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनए-चएआई) और भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान, कांग्रेस नेताओं ने दुर्घटनाओं के पीड़ितों के प्रतीक के रूप में एक डमी शव लेकर पंपवेल स्थित एनएचएआई कार्यालय तक मार्च किया, जहाँ उन्होंने कार्यालय का घेराव करने का प्रयास किया। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। एमएलसी इवान डिसूजा ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए कहा एनएचएआई और भाजपा की लापरवाही के कारण, दुर्घटनाओं में 120 लोगों की जान चली गई है।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार जनता को सुरक्षित और उचित सड़कें उपलब्ध कराने में बुरी तरह विफल रही है। उन्होंने आगे कहा कि एनएचएआई के खिलाफ चार मामले दर्ज किए गए हैं, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। एनएचएआई, विधायक और सांसद के खिलाफ 120 मामले दर्ज होने चाहिए - प्रत्येक जान गंवाने पर एक।

हाल ही में हुई एक मौत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा सड़कों पर पैचवर्क माधवी की मौत के बाद ही शुरू हुआ। अगर यह पहले किया गया होता, तो कुछ जानें बच सकती थीं। उन्होंने प्रत्येक मृतक के लिए एक करोड़ रुपये के मुआवजे की भी माँग की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरीश कुमार, पार्टी नेता जे आर लोबो, मिथुन राय, पद्मराज, शशिधर हेगड़े, भास्कर मोइली, एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष सुहान अल्वा और अन्य लोग विरोध प्रदर्शन में मौजूद थे।

कट्टरपंथियों द्वारा पथराव मामला: मद्दुर पुलिस स्टेशन इंस्पेक्टर निलंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मद्दुर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर शिवकुमार को कर्तव्यहीनता के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। रविवार रात मद्दुर शहर के चेन्नेगौदान डोड्डी में स्थापित गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस जब राम रहीम नगर मस्जिद के सामने से गुजर रहा था, तब उपद्रवियों ने लाइटें बंद कर दीं और पथराव किया। इस झड़प के बाद निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। अगले दिन, हिंदू समर्थक संगठनों द्वारा इस घटना के विरोध में हजारों लोग इकट्ठा हो गए। स्थिति बेकाबू होती देख पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। छह-सात लोग घायल हो गए। मंगलवार को भाजपा और जेडीएस नेताओं और हजारों लोगों ने सामूहिक गणेश प्रतिमा विसर्जन में भाग लिया। मद्दुर की घटना को गंभीरता से लेते हुए सरकार ने अब इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया है। इस बीच, सरकार ने मांड्या जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक थिमय्या का भी तबादला कर दिया है।

क्या ईसाई समुदाय में कई जातियाँ हैं: एन. रविकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद में विपक्षी दल के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार ने मांग की कि सरकार तुरंत स्पष्टीकरण दे कि क्या ईसाई समुदाय में कई जातियाँ हैं? भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि 22 सितंबर से 7 अक्टूबर तक सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक पिछड़ेपन का एक और सर्वेक्षण किया जाएगा। क्या कुरुबा ईसाई, लिंगायत ईसाई, मराठा ईसाई, बलिजा ईसाई, मदारा ईसाई, वोक्कालिगा ईसाई, बंजारा ईसाई, बोवी ईसाई जैसी जातियाँ हैं? उन्होंने कहा कि इस तरह 47 नई जातियाँ बनाई गई हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि शायद ईसाइयों को भी नहीं पता कि 47 नई जातियाँ हैं। क्या सरकार ने नई जातियाँ बनाने और ईसाई धर्म अपनाने का फैसला किया है और एक अधिसूचना जारी की है? उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने यह भी नहीं कहा कि वे इस पर हार मान लेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस पर स्पष्टीकरण देने की माँग की। यह सरकार हिंदू धर्म और हिंदू समाज को विभाजित करने का काम कर रही है। इस पर तुरंत स्पष्टीकरण दिया जाना चाहिए। उन्होंने आपत्ति जताई कि यह हिंदू समाज को फिर से विभाजित करने की साजिश है। सरकार शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सेंट मैरी करने पर विचार कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सेंट मैरी किया गया, तो भाजपा पूरे राज्य में एक बड़ा संघर्ष छेड़ देगी। उन्होंने बताया कि शिवाजी एक महान आत्मा थे जिन्होंने हमारे देश में हिंदू धर्म की रक्षा के लिए एक महान युद्ध लड़ा था। उन्होंने मांग की कि नाम बदलने का नाटक तुरंत बंद किया जाए। यह सरकार अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की पराकाष्ठा पर जा रही है। एक ओर, इस नाम को बदलने की कोशिश की गई है। दूसरी ओर, मुस्लिम कॉलोनियों के लिए 398 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने इसे जारी कर दिया है। इसमें कोई आपत्ति नहीं है। हालाँकि, बेंगलूरु में गड्ढों के कारण वाहन नहीं चल पा रहे हैं। जब बारिश होती है, तो दोपहिया वाहन और ऑटो नहीं चल पाते। उन्होंने सवाल किया कि वे इन सड़कों के लिए क्या देंगे। राज्य की सभी सड़कें बारिश से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उन्होंने शिकायत की कि इस सरकार ने एक किलोमीटर भी सड़क नहीं बनाई है। उन्होंने पूछा कि वे इन सड़कों के निर्माण के लिए पैसा कब देंगे। एक मुस्लिम महिला को शादी के लिए 50 हजार दी जा रही है। क्या हिंदुओं में कोई गरीब नहीं है? मुसलमानों को सिविल कॉन्ट्रैक्ट में 4 प्रतिशत आरक्षण दिया जाता है। आवासीय परियोजनाओं में 15 प्रतिशत आरक्षण - इस तरह मुस्लिम तुष्टिकरण हुआ है। 1500 एकड़ वक्फ भूमि पर कब्जा कर लिया गया है। राज्य में वक्फ भूमि में वृद्धि हुई है। मंदिरों और किसानों की भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित किया गया है।

अगले चार-पांच दिनों तक आंतरिक भागों में बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण-पश्चिम मानसून फिर से सक्रिय हो गया है और अगले चार-पांच दिनों तक आंतरिक भागों में अच्छी बारिश होने का अनुमान है। पिछले दो दिनों में कमजोर मानसून में सुधार हुआ है और आंतरिक भागों में कई जगहों पर बारिश हुई है। बंगाल की खाड़ी में बने दबाव के क्षेत्र और मेलई चक्रवात के प्रभाव से राज्य के दक्षिणी आंतरिक और कल्याण कर्नाटक जिलों में कई जगहों पर बारिश हुई है। कर्नाटक प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के अनुसार, बीदर जिले में गुरुवार को व्यापक वर्षा हुई। रायचूर, बल्लारी और विजयपुरा जिलों में मध्यम से व्यापक वर्षा हुई। सबसे ज्यादा 77.5 मिमी वर्षा मानवी तालुक के तोरंदिन्नी ग्राम पंचायत क्षेत्र में दर्ज की गई। कोप्पल, कलबुर्गी और यादगीर जिलों में छिटपुट बारिश हुई, जबकि दक्षिण कन्नड़, बेलगावी, चिक्कबल्लापुर, कोलार, बागलकोट, बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, मांड्या, विजयनगर, हासन और चिक्कमगलूरु जिलों में कुछ ही स्थानों पर बारिश हुई। शेष मौसम शुष्क रहा और बहुत कम बारिश हुई। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, राज्य में 18 सितंबर तक बारिश में वृद्धि होगी। मौसम विभाग के बेंगलूरु क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक सी.एस. पाटिल ने बताया कि 14 सितंबर तक उत्तरी कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक जिलों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान है। तटीय, मलनाड और दक्षिणी आंतरिक जिलों में छिटपुट मध्यम बारिश होगी। उन्होंने कहा कि शनिवार से तीन दिनों तक तटीय और तटीय जिलों में व्यापक बारिश होगी। ओडिशा और आंध्र प्रदेश के तट पर बंगाल की खाड़ी में एक अवदाब और एक चक्रवाती परिसंचरण के बनने के कारण, राज्य के दक्षिणी और पूर्वी जिलों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कई स्थानों पर बारिश की संभावना है। उन्होंने बताया कि बेंगलूरु के आसपास के जिलों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और शाम और रात में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हिंदू विरोधी कांग्रेस सरकार 3 महीने में गिर जाएगी: यतनाल

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा से निष्कासित विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने भविष्यवाणी की है कि हिंदुओं की धार्मिक प्रथाओं में बाधा डालने वाली सिद्धरामैया सरकार अगले 3 महीनों में गिर जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कई राष्ट्र-विरोधी गतिविधियाँ हो रही हैं, जिनमें गणपति विसर्जन और अन्य अवसरों पर मस्जिदों से पथराव, कई जगहों पर पाकिस्तानी झंडे फहराना और पाकिस्तान समर्थक नारे लगाना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अगर हिंदू विरोधी रुख नहीं बदला गया, तो सिद्धरामैया 2028 से पहले सत्ता खो देंगे। जब मांड्या जिले के मद्दुर में गणेशोत्सव के दौरान पथराव की घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए थे, तब भाजपा

नेताओं और कार्यकर्ताओं ने वहां आने की मांग की थी। तदनुसार, मैं वहाँ गया। उन्होंने कहा कि वह चामुंडी हिल्स जाएँगे और ईश्वर से प्रार्थना करेंगे कि राज्य की भ्रष्ट सरकार हटे और समझौते की राजनीति खत्म हो। गणेश विसर्जन के दौरान पथराव को पनाह देने वाली अवैध मस्जिदों को ढहाने के लिए वह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को पत्र लिखेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में हिंसक संघर्ष शुरू किया जाएगा। अगर यही रवैया रहा तो राज्य में नेपाल जैसी क्रांति आ जाएगी। राज्य में मस्जिदों की जाँच होनी चाहिए। पथराव से पहले मस्जिदों में पत्थर जमा किए गए थे। उन्होंने कहा कि इसकी अनुमति देने के मामले की जाँच होनी चाहिए और मस्जिदों की जाँच होनी चाहिए। कांग्रेस सरकार ऐसे व्यवहार कर रही है जैसे उसे सिर्फ मुसलमानों ने वोट दिया हो। वह हिंदू विरोधी रुख अपना रही है। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया, जो बानू मुश्ताक को दशहरा के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करते हैं, उन्हें देवी चामुंडी का श्राप लगेगा। राज्य में भ्रष्टाचार व्याप्त है। हजारों करोड़ रुपये लूटे गए हैं। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति निगमों का पैसा लूटा गया है। भाजपा नेताओं ने भ्रष्ट सरकार से हाथ मिला लिया है। येदियुरप्पा पर खुद भ्रष्टाचार के कई मामले हैं। इसलिए, सभी भ्रष्ट लोग मिलकर लूटपाट कर रहे हैं। आने वाले दिनों में हमारी पार्टी की सरकार बनेगी। हम भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देंगे। हम हिंदुत्व की रक्षा और विकास के लिए शासन करेंगे। पूज्य पिता-पुत्र को छोड़कर, बाकी सभी भाजपा नेता मेरे संपर्क में हैं। येदियुरप्पा ने अमित शाह के सामने बैठकर उन्हें ब्लैकमेल किया था और कहा था कि अगर यतनाल को नहीं निकाला गया, तो मैं पार्टी छोड़ दूँगा। इसके लिए मुझे भाजपा से निष्कासित किया गया है। उन्होंने कहा कि पता चला है कि अमित शाह ने खुद इस कार्रवाई को गलत बताते हुए खेद व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार मुक्त और पारिवारिक राजनीति के खिलाफ हैं। ये दोनों ही राज्य भाजपा में मौजूद हैं। अगर आने वाले दिनों में यह ठीक नहीं हुआ, तो हम 2028 तक एक नई पार्टी बनाएंगे और चुनाव लड़ेंगे। हमारी पार्टी सत्ता में आएगी।

मेंगलूरु शहर पुलिस ने उत्कृष्ट सेवा के लिए 172 कर्मियों को किया सम्मानित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आपराधिक मामलों को सुलझाने और विभिन्न क्षेत्रों में अपने कर्तव्यों का पालन करने में अनुकरणीय सेवा और दक्षता के सम्मान में, मेंगलूरु शहर पुलिस ने शुक्रवार को जिला परेड ग्राउंड में आयोजित एक समारोह में अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया।

पुलिस आयुक्त ने 32 पुलिस अधिकारियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए और 121 कर्मचारियों को प्रमाण पत्र के साथ नकद पुरस्कार प्रदान किए। इसके अलावा, शहर में कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने में उनके योगदान के लिए विशेष कार्य बल के 19 कर्मियों को सम्मानित किया गया। कुल 32 अधिकारियों और 140 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। पिछले तीन महीनों के दौरान, पुलिस ने लंबे समय से लंबित मामलों को सुलझाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। मुल्की थाना क्षेत्र में, 27 वर्षों से अनसुलझे एक सांप्रदायिक दंगे के मामले में शामिल दो आरोपियों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त, कई वर्षों से लंबित गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) वाले 52 फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। संपत्ति चोरी के 39 मामलों का समाधान किया गया और लगभग 1.05 करोड़ रुपये मूल्य की चोरी की गई संपत्ति बरामद की गई। मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान में, नशा तस्करों के विरुद्ध 37 मामले दर्ज किए गए और 73 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। कड़ी कार्रवाई की गई और 46 तस्कर न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस ने नशा करने वालों के विरुद्ध 89 मामले दर्ज किए और 127 व्यक्तियों को हिरासत में लिया, जिनसे तस्करों के बारे में और जानकारी प्राप्त हुई। सोशल मीडिया पर निगरानी बढ़ा दी गई है और अभद्र भाषा, गलत सूचना या भड़काऊ सामग्री फैलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। अब तक 22 व्यक्तियों के विरुद्ध मामले दर्ज किए गए हैं। जाँच अधिकारियों और उनकी टीमों की उच्च-गुणवत्तापूर्ण जाँच के लिए भी सराहना की गई, जिससे अदालतों को अपराधियों को अधिकतम सजा दिलाने में मदद मिली।

विंडसर मैनर ब्रिज पर कार में लगी आग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मध्य बेंगलूरु में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के आधिकारिक आवास से लगभग 200 मीटर दूर विंडसर मैनर ब्रिज पर एक कार चालक ने अपनी कार के इंजन से धुआँ निकलते देखा, जिससे एक बड़ी आग लगने की घटना टल गई। 2009 में पंजीकृत पेट्रोल कार, मुख्य सड़क से कुछ ही दूर, विंडसर मैनर ब्रिज पर आग की लपटों में घिर गई। जंक्शन पर तैनात पुलिसकर्मियों ने आग देखी और तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचित किया, जिसने एक दमकल गाड़ी भेजी। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि उन्हें सुबह लगभग 11.21 बजे सूचना मिली और उन्होंने 11.50 बजे तक आग पर काबू पा लिया। हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि चालक की सूझबूझ

से न केवल एक दुर्घटना टल गई, बल्कि व्यस्त मार्ग पर यातायात की अव्यवस्था भी नहीं हुई। ड्राइवर, वेंकटेश, अपने नियोक्ता, सचिन को दक्षिण-पूर्वी बेंगलूरु के कोरमंगला से उत्तरी बेंगलूरु के गंगानगर स्थित उप-पंजीयक कार्यालय ले जा रहा था, तभी यह घटना घटी। अधिकारी ने बताया सुबह करीब 11.21 बजे जब वे विंडसर मैनर सिग्नल के पास पहुँचे, तो वेंकटेश ने बोनट से धुआँ उठता देखा। मुख्य सड़क पर आगे बढ़ने के बजाय, उसने जल्दी से कार को पुल पर चढ़ा दिया, जहाँ कोई यातायात नहीं चल रहा था।

अधिकारी के अनुसार, वेंकटेश ने मालिक को सूचित किया। दोनों तुरंत गाड़ी से बाहर निकल आए। जब उसने धुएँ का स्रोत देखने के लिए बोनट खोला, तो कार अचानक आग की लपटों में घिर गई। अधिकारी ने कहा अगर उसने धुएँ पर ध्यान नहीं दिया होता, तो व्यस्त यातायात के दौरान सड़क के बीचों-बीच कार में आग लग सकती थी। इससे भी बदतर, आस-पास के वाहनों में भी आग लग सकती थी। पुलिस को संदेह है कि मामूली शॉर्ट सर्किट से आग लगी होगी, हालाँकि कोई निर्णायक सबूत नहीं मिला है। आग लगने की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है तथा जांच चल रही है।

अपराधियों के साथ पहचान होने पर कड़ी कार्रवाई होगी: सीमांत कुमार सिंह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने चेतावनी दी है कि अपराधियों के साथ पहचाने जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तनीसांद्रा स्थित सीएआर परेड ग्राउंड में आयोजित मासिक परेड की सलामी लेने के बाद उन्होंने कहा कि अगर आप अपराधियों के साथ शामिल होते हैं, तो इससे समाज में गलत संदेश जाएगा। ऐसे कर्मियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। आप पुलिस विभाग में शामिल हुए हैं और आपको एक टीम के रूप में अच्छी तरह से काम करना चाहिए। उन्होंने कर्मियों को सलाह दी कि बंदोबस्त के दौरान, आपको सबसे पहले अपनी सुरक्षा करनी चाहिए और फिर लाठी लेकर ड्यूटी पर लगना चाहिए। हाल ही में, मैंने देखा है कि बंदोबस्त में किसी ने भी लाठी नहीं ली है। अगर आप अन्याय

के खिलाफ खड़े होंगे तो यह काम नहीं करेगा। हर स्तर पर कानून-व्यवस्था बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को बंदोबस्त ड्यूटी पर जाने वाले कर्मियों की जाँच करनी चाहिए और उन्हें वापस भेजना चाहिए। जब आप ड्यूटी पर जाते हैं, तो सिर्फ वर्दी पहनना ही काफी नहीं है, सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वालों को हथियार लेकर जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब केएसआरपी की टुकड़ी शहर में आती है, तब भी आपके पास लाठी होना अनिवार्य है। पुलिस विभाग को सरकार के गृह विभाग से सुविधाएँ मिल रही हैं और उनका उचित उपयोग किया जाना चाहिए। इसी प्रकार, उन्होंने कहा कि आपको समाज की सेवा का माध्यम बनना चाहिए। आपको अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन, दोनों का प्रबंधन करना चाहिए। आपको अपने परिवार के साथ त्यौहार मनाने चाहिए, ड्यूटी के दौरान निष्ठापूर्वक सेवा करनी चाहिए और बेंगलूरु शहर का नाम रोशन करना चाहिए। पुलिस कर्मियों के लिए स्वास्थ्य जाँच अभियान शुरू किया गया है। सभी कर्मियों को जाँच करवानी चाहिए और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। यदि यह कार्यक्रम सफल रहा, तो यह अभियान तीन महीने बाद फिर से चलाया जाएगा। प्रत्येक शुक्रवार को परेड में भाग लेना अनिवार्य है। परेड अनुशासन लाती है। परेड ग्राउंड पहुँचते ही आपको प्रशिक्षण के दौरान सिखाई गई बातों को याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांस्टेबल स्तर से लेकर अधिकारी स्तर तक, सभी को परेड में भाग लेना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि हर मंगलवार और शुक्रवार को विभाग के नियमों के अनुसार जितने भी कर्मचारी हों, वे हथियार अभ्यास और लाठी अभ्यास करें। इससे पहले, आयुक्त ने अच्छी परेड करने वाले कांस्टेबलों और अधिकारियों की सराहना की।

सांसद चौटा ने 28 करोड़ रुपये के एनएच उन्नयन की समीक्षा की

सुरक्षा, अवैध दुकानों और ठेकेदारों की देरी पर ध्यान केंद्रित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने बताया कि सूरथकल-बी सी रोड खंड पर चल रहे रखरखाव कार्य के संबंध में विधायक, एनए-चएआई अधिकारियों और इंजीनियरों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक हुई। यह खंड वर्तमान में कई बुनियादी ढाँचे और सुरक्षा संबंधी मुद्दों से जूझ रहा है। इस परियोजना के लिए 28 करोड़ रुपये की निविदा को अंतिम रूप दे दिया गया है। 33 किलोमीटर लंबे इस खंड का उन्नयन किया जाना है और हमें विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीप-ीआर) तैयार करने के लिए केंद्र सरकार से मंजूरी मिल गई है।

डीपीआर के लिए पुलिस विभाग, नगर निगम और एनएचएआई के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता होगी। इसमें सर्विस रोड, जंक्शन सुधार, ब्लैक स्पॉट और प्रस्तावित 35 किलोमीटर लंबी बाईपास सड़क भी शामिल होगी, जिसके लिए एक एजेंसी पहले ही नियुक्त की जा चुकी है। उन्होंने सड़क किनारे पार्किंग का प्रबंधन करने और सुचारू यातायात के लिए राजमार्ग पर प्रवेश और निकास बिंदुओं को सुव्यवस्थित करने की तत्काल आवश्यकता पर भी बल दिया। पडिल-बीसी रोड खंड का रखरखाव ब्रह्मराकोटलू टोल प्लाजा से प्राप्त टोल संग्रह से किया जा रहा है, जबकि पडिल-सूरथकल खंड का रखरखाव सूरथकल टोल गेट से प्राप्त राजस्व से किया जा रहा है। बैठक में उपस्थित एक इंजीनियर ने आश्वासन दिया कि सूरथकल-ब्रह्मराकोटलू सड़क पर पैचवर्क एक सप्ताह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। सांसद चौटा और विधायक वेदव्यास कामथ ने एनएचएआई अधिकारियों और पुलिस विभाग को राजमार्ग के किनारे स्थित अनधिकृत छोटी दुकानों को हटाने का भी निर्देश दिया, और प्रस्तावित कार्रवाई को पहले के टाइगर ऑपरेशन जैसा बताया। एनएमपीटी के पास अवैध ट्रक पार्किंग की लगातार बढ़ती समस्या पर ध्यान देते हुए, चौटा ने सख्त प्रवर्तन का आह्वान किया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, एसीपी (यातायात) नजमा फारूकी ने बताया कि उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ पहले ही 200 से ज्यादा मामले दर्ज किए जा चुके हैं।

इस बीच, उत्तरी यातायात पुलिस स्टेशन के निरीक्षक शिवकुमार ने होसाबेट्टू-कुलई डिवाइडर पर सुरक्षा रेलिंग की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, जहाँ बैरियर की कमी के कारण 13 लोगों की मौत हो चुकी है। कुलूर ब्रिज परियोजना का काम संभाल रहे ठेकेदार को देरी और वित्तीय चिंताओं के चलते नोटिस जारी किया गया है। 59 करोड़ रुपये के परियोजना बजट में से 22 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं, लेकिन प्रगति कथित तौर पर धीमी रही है। केपीटी परियोजना के ठेकेदार ने समस्याओं का हवाला देते हुए काम वापस ले लिया है, जबकि नंथूर परियोजना पर काम कर रहे ठेकेदार को सर्विस रोड पूरा करने के लिए 15 अक्टूबर तक की सख्त समय सीमा दी गई है।

श्रीरंगपटना दशहरा लोगो जारी किया गया

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्रीरंगपटना दशहरा 25 से 28 सितंबर तक धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर कृषि एवं जिला प्रभारी मंत्री एन. चालुवरायस्वामी ने दशहरा प्रतीक चिन्ह (लोगो) का विमोचन किया।

जिला कलेक्टर कार्यालय में प्रतीक चिन्ह (लोगो) का विमोचन करने के बाद बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि इस वर्ष श्रीरंगपटना दशहरा कार्यक्रम का उद्घाटन प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक और अभिनेता टी.एस. नागभरण करेंगे। इस बार विभिन्न कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाएगा।

तैयारियाँ पहले से ही की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि उद्घाटन 25 सितंबर को और समापन समारोह 28 सितंबर को होगा। इस अवसर पर श्रीरंगपटना के विधायक रमेश बाबू बंदीसिद्धे गौड़ा, मांड्या के विधायक पी. रविकुमार, जिला कलेक्टर डॉ. कुमार, जिला पंचायत की मुख्य कार्यकारी अधिकारी के.आर. नंदिनी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर बी.सी. शिवानंदमूर्ति और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विधान परिषद में शपथ ग्रहण समारोह में चार नव मनोनीत सदस्यों का स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान सौधा के बैंक्वेट हॉल में आयोजित एक औपचारिक समारोह में, कर्नाटक विधान परिषद के चार नव मनोनीत सदस्यों ने शपथ ली। पद की शपथ लेने वाले सदस्यों में डॉ. आरती कृष्णा, रमेश बाबू, एफ. एच. जक्कप्पनवर और शिवकुमार के. शामिल थे।

विधान परिषद के सभापति बसवराज होराट्टी ने शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया,

उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, कानून मंत्री एच. के. पाटिल, पशुपालन मंत्री वेंकटेश, लघु सिंचाई और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री एन. एस. बोस-राजू और आवास मंत्री जमीर अहमद खान सहित कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस समारोह में कर्नाटक विधानमंडल के ऊपरी सदन में मनोनीत सदस्यों का आधिकारिक रूप से प्रवेश हुआ, जिसमें राज्य सरकार के सभी नेता उपस्थित थे।

मालपे तट पर नाव पलटने से मछुआरा डूबा

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के मालपे लाइटहाउस के पास एक दुखद घटना घटी, जब एक मछली पकड़ने वाली नाव तेज लहरों के कारण पलट गई, जिससे स्थानीय मछुआरे रामा खारवी, जो सस्ताना कोडिताले के निवासी थे, की मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार, खारवी, जो इस दुर्भाग्यपूर्ण नाव के मालिक थे, पिछले 25-30 वर्षों से अकेले ही मालपे बंदरगाह से मछली पकड़ने के लिए निकलते थे। हमेशा की तरह, वह बुधवार सुबह समुद्र में निकले। हालाँकि, जब वह दोपहर तक घर नहीं लौटे, तो उनके बेटे ने उनसे संपर्क

करने की कोशिश की। कोई जवाब न मिलने पर, परिवार ने रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ देर रात तक खोजबीन की, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। गुरुवार शाम को उनका शव मालपे लाइटहाउस के पास मिला। ऐसा संदेह है कि तेज धाराओं में उनकी नाव पलट गई, और सुरक्षित तैरकर न निकल पाने के कारण, वे डूब गए। नाव, इंजन, जाल और अन्य उपकरण पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे भारी नुकसान हुआ।

14 सितंबर से फिर शुरू होगी मां वैष्णो देवी की यात्रा

जम्मू, 12 सितंबर (ब्यूरो)। लगभग 20 दिन बंद रहने के बाद माता वैष्णो देवी की यात्रा 14 सितम्बर रविवार से फिर से शुरू होने वाली है। जम्मू कश्मीर को शेष देश से मिलाने वाला रेल मार्ग अभी तक बंद था और पंजाब के रास्ते आने वालों को 25 से 30 किमी अतिरिक्त सफर करना पड़ रहा है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि भारी बारिश और ट्रैक की सुरक्षा के लिहाज से यात्रा को कुछ समय के लिए स्थगित किया गया था। मरम्मत कार्य अब लगभग पूरा हो चुका है और यदि मौसम सहयोग करता है, तो श्रद्धालु 14 सितंबर से फिर से माता के दर्शन कर सकेंगे।

बोर्ड ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे यात्रा शुरू करने से पहले आधिकारिक वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से मौसम और ट्रैक की स्थिति की जानकारी जरूर लें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके। श्राइन बोर्ड के अनुसार, तीर्थयात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा के दौरान वैध पहचान पत्र साथ रखें। इसके साथ ही निर्धारित मार्गों का पालन करें और जमीनी कर्मचारियों के साथ सहयोग करें। यात्रा के समय आरएफआईडी-आधारित ट्रैकिंग कार्ड पहनना भी अनिवार्य होगा।

जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा आज (शुक्रवार) लगातार 18 वें दिन स्थगित है। 26 अगस्त को कटड़ा की त्रिकुटा पहाड़ियों में अर्द्धकुंवारी में बादल फटने से बड़ा हादसा हुआ था। भूस्खलन में 34 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी और 20 अन्य घायल हो गए थे। यात्रा को उसी दिन अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया था। भूस्खलन के बाद अब गुफा मंदिर के रास्ते पर अधिकांश मरम्मत कार्य पूरा हो चुका है। जम्मू कश्मीर के लिए पिछला कुछ सप्ताह काफी कठिन रहा है। यहां हुई बारिश ने कई घरों को तबाह कर दिए और कई जिंदगियां छीन ली।

18 दिनों से वैष्णो देवी यात्रा स्थगित रहने की वजह से कटड़ा बेस कैंप पूरी तरह सुनसान है। हालांकि कुछ लोग दर्शनी ड्योढ़ी (मंदिर के रास्ते का मुख्य प्रवेश द्वार) पर पूजा-अर्चना करते रहे हैं। हालांकि यात्रा स्थगित होने के बाद भी मंदिर खुला रहा। पुजारी रोज प्रार्थना और अनुष्ठान कर रहे हैं। पिछले 18 दिनों से भवन परिसर के साथ ही सभी धार्मिक स्थलों आदि पर साफ-सफाई के साथ ही रंग-रोगन का काम चल रहा है। संभावना व्यक्त की जा रही थी कि मां वैष्णो देवी की यात्रा जल्द शुरू हो सकती है। विशेष कर मां वैष्णो देवी के पारंपरिक मार्ग पर अर्धकुंवारी मंदिर क्षेत्र में जगह-जगह हुए भूस्खलन को लेकर आया मलबा आदि हटाया जा चुका है परंतु बुनियादी ढांचे को दुरुस्त करने को लेकर काम लगातार जारी है। इसकी समीक्षा निरंतर श्राइन बोर्ड द्वारा की जा रही थी।

आखिरकार जम्मू कश्मीर में नहीं रह पाया पाकिस्तानी काजी परिवार

जम्मू, 12 सितंबर (ब्यूरो)। वर्ष 1988 में पाकिस्तान से जम्मू कश्मीर आने वाला काजी परिवार अपना 35 साल पुराना केस हार गया है। इस केस के माध्यम से वह जम्मू कश्मीर में फिर से रहने का अधिकार प्राप्त करना चाहता था। जम्मू कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने इस पाकिस्तानी दंपती की 35 साल पुरानी याचिका खारिज कर दी है, जिसमें उन्होंने भारत से अपने निर्वासन को रोकने की मांग की थी।

इस दंपति ने 1986 में रावलपिंडी में विवाह किया था और 1988 में अपने नाबालिग बेटे के साथ पाकिस्तानी पासपोर्ट पर भारत में प्रवेश किया था। न्यायमूर्ति सिंधु शर्मा ने 80 वर्षीय मोहम्मद खलील काजी और उनकी पत्नी आरिफा काजी की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं ने अपनी इच्छा से काम किया है और एक विदेशी देश की नागरिकता हासिल की है। दोनों ही जुलाई 1988 से समाप्त हो चुके आवासीय परमिट पर श्रीनगर में रह रहे हैं। दंपति ने 1989 में उनके विरुद्ध जारी किए गए निर्वासन आदेश को रद्द करने तथा भारतीय नागरिकता की बहाली के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाकर्ताओं ने जम्मू कश्मीर के स्थायी निवासी होने और श्रीनगर में जन्म लेने का दावा करते हुए कहा कि 1947 के विभाजन से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण उन्होंने अनैच्छिक रूप से पाकिस्तानी नागरिकता प्राप्त कर ली थी और उन्होंने मानवीय और संवैधानिक आधार पर राहत मांगी थी।

याचिकाकर्ताओं के वकील ने तर्क दिया था कि निर्वासन उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, खासकर भारत में उनके लंबे प्रवास और जम्मू कश्मीर के निवासी होने के उनके मूल दर्जे को देखते हुए। लेकिन अदालत इससे सहमत नहीं हुई। न्यायमूर्ति शर्मा ने फैसला सुनाते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं ने इस बात का कोई दस्तावेजी सबूत पेश नहीं किया है कि उन्होंने नागरिकता अधिनियम या नियमों के तहत नागरिकता के लिए आवेदन किया था। न्यायालय ने निर्वासन आदेश पर लंबे समय से लगी रोक को हटाते हुए याचिका को बिना किसी योग्यता के खारिज कर दिया।

काजी परिवार की यह कहानी 1945 में शुरू हुई जब मोहम्मद खलील काजी का जन्म श्रीनगर में हुआ। 1948 के युद्ध के बाद, बचपन में ही वे पाकिस्तान में फंस गए थे, जिसके बाद उन्हें अंततः पाकिस्तानी नागरिकता मिल गई। फिर 1962 में उनकी चचेरी बहन आरिफा काजी का जन्म श्रीनगर में हुआ और बाद में उनके पास भारतीय पासपोर्ट आ गया। दोनों ने 1986 में रावलपिंडी में शादी कर ली। जुलाई 1988 में, यह दंपति अपने नाबालिग बेटे के साथ पाकिस्तानी पासपोर्ट पर भारत में दाखिल हुए और उन्हें अल्पकालिक आवासीय परमिट प्रदान किया गया। कई बार विस्तार के बाद, सितम्बर 1989 में निर्वासन आदेश द्वारा उनके प्रवास को कम कर दिया गया। हालांकि, उच्च न्यायालय ने अप्रैल 1990 में निर्वासन पर रोक लगाकर उन्हें अंतरिम राहत प्रदान की। कानूनी मामला 35 वर्षों तक चलता रहा, जब तक कि उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज नहीं कर दी और निर्वासन आदेश की वैधता को बरकरार नहीं रखा।

कश्मीर का सेब अब नहीं फंसेगा रास्ते में बड़गाम से दिल्ली के लिए दो पार्सल वैन शुरू

श्रीनगर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के सेब उत्पादकों की एक बड़ी चिंता उस वक्त दूर हो गई, जब मालगाड़ी 23 मीट्रिक टन सेब लेकर वीरवार को नई दिल्ली के लिए रवाना हुई। इसका नियमित संचालन समय सारिणी के अनुसार 13 सितंबर से होगा।

नई दिल्ली से मालगाड़ी 13 को और बडगाम से 15 को रवाना होगी। रेलवे ने बाढ़ से प्रभावित सेब की फसल की ढुलाई के लिए जम्मू से दिल्ली तक दो पार्सल वैन चलाने का फैसला लिया है। इससे अन्य उत्पादों का परिवहन भी संभव होगा।

जम्मू रेलवे मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य मंडल प्रबंधक उचित सिंघल ने बताया कि भारतीय रेल के विभिन्न मंडलों और रेलखंडों के अंतर्गत संयुक्त पार्सल उत्पाद-रेपिड कार्गो ट्रेन की सुविधाएं प्रदान की जा रही है। रेलवे बोर्ड ने 20 अगस्त को बडगाम और दिल्ली के बीच चलने वाली आठ वैगन की मालगाड़ी को मंजूरी दी थी।

यह कश्मीर के बडगाम रेलवे स्टेशन से दिल्ली के आदर्श नगर रेलवे स्टेशन पर दैनिक आधार पर चलेगी। प्रदेश में मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग लंबे समय तक बंद रहने से कश्मीर में बागवानी क्षेत्र को नुकसान हुआ है।

इन्हीं चिंताओं को समझते हुए रेलवे ने सेबों के परिवहन के लिए दो पार्सल (एलवीपीएच कोच) ट्रेनें उपलब्ध कराई हैं। वीरवार को दो पार्सल वैन में फलों की लोडिंग भी की गई। एक पार्सल ट्रेन में 160 टन तक सामान जा सकता है। रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि अगर मांग की जाती है तो भारतीय रेलवे अतिरिक्त वाहन पार्सल उपलब्ध कराने के लिए तैयार है।

रेलवे ने एक और ऐतिहासिक पहल करते हुए उसके फल कार्गो एग्रीगेटर्स ने 13 सितंबर के लिए अनंतनाग में 6 वैगनों का ऑर्डर दर्ज कर लिया है। यह ट्रेन शनिवार को 6 बीसीएन वैगनों में 300 टन सेब लेकर अनंतनाग से दिल्ली के लिए रवाना होगी।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पार्सल वैन शुरू करने के लिए केंद्र का आभार व्यक्त किया है। सिन्हा ने कहा कि इस कदम से सेब उत्पादकों को बड़ी राहत मिलेगी।

जेसीआई शाहिबाग का सिल्वर जुबली समारोह एक शाम 25 साल के नाम उत्साहपूर्वक संपन्न

अहमदाबाद, 12 सितंबर (एजेंसियां)। जेसीआई शाहिबाग ने अपने 25वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में एक शाम 25 साल के नाम शीर्षक से स्नेहमिलन समारोह का आयोजन शाहीबाग स्थित आर.के. बैंक्वेट हॉल में किया। कार्यक्रम में संस्था के सभी पूर्व अध्यक्षों और सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

संस्था के पूर्व अध्यक्ष मुकेश आर. चौपड़ा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम की शुरुआत जेसीआई गान से हुई, जिसे विमल बागरेचा ने प्रस्तुत किया। मंच पर जेसीआई अध्यक्ष आकाश मेहता, संस्थापक अध्यक्ष अशोक बाफना, तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष अल्केश बागरेचा, बेंगलुरु से विशेष रूप से पधारे पूर्व अध्यक्ष चंपालाल दांतेवाड़िया, कोषाध्यक्ष सुमित श्रीश्रीमाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अध्यक्ष आकाश मेहता ने स्वागत भाषण में संस्था की 25 वर्षीय यात्रा का स्मरण करते हुए संस्थापक और पूर्व अध्यक्षों के योगदान की सराहना की। इस अवसर पर स्मृति-चिन्ह प्रदान कर अशोक बाफना, चंपालाल दांतेवाड़िया, जयंतीभाई बाफना, राजेश सालेचा, राणमल तातेड, दिनेश श्रीश्रीमाल, तपसी चोपड़ा, दिलीप गुलेच्छा, जितेन्द्र जीरावला, अरविन्द लुंकड़, मनीष मेहता, मुकेश चोपड़ा, अंकित बोहरा, नरेश हुंडिया और अल्केश बागरेचा का विशेष सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में आगामी बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट की घोषणा भी की गई, जिसकी जानकारी पूर्व अध्यक्ष अंकित बोहरा ने साझा की। सभी पूर्व अध्यक्षों ने जेसीआई से जुड़ने के बाद अपने अनुभव साझा किए और बताया कि संस्था ने उन्हें आत्मविश्वास, वक्तृत्व कला, समय प्रबंधन और व्यावसायिक संबंधों के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जेसीआई एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है जो युवाओं को नेतृत्व, संवाद कौशल, आत्म-विकास और मंच संचालन जैसे विषयों पर प्रशिक्षण देकर उन्हें सशक्त बनाती है।

समारोह के अंत में सचिव सीए अनिल जीवावत ने सभी उपस्थितों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पाकिस्तानी गोलाबारी, बाढ़ और आतंकवाद पीड़ित परिवारों को मिलेंगे मुफ्त घर : एलजी मनोज सिन्हा

श्रीनगर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी गोलाबारी, बाढ़ और आतंक पीड़ितों को चिंता करने की जरूरत नहीं। उन्हें तीन बेडरूम वाला स्मार्ट हाउस दिया जाएगा। इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए जम्मू व कश्मीर के मंडलायुक्तों और हाई रेंज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी (एचआरडीएस इंडिया) के बीच वीरवार को राजभवन में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की मौजूदगी में एक करार हुआ है। एचआरडीएस इंडिया पूरे प्रदेश में तीन बेडरूम वाले 1500 स्मार्ट हाउस बनाएगी।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की पहल पर समझौता ज्ञापन पर दोनों पक्षों ने हस्ताक्षर किए। एलजी कहा कि घरों का निर्माण केवल ढांचा खड़ा करने से कहीं अधिक है।

ये स्मार्ट हाउस प्रभावित परिवारों के सपनों को साकार करने, एक नई शुरुआत करने और उनके जीवन में एक नया अध्याय जोड़ने की पहल है। मानवीय क्षति इतनी गहरी और विनाशकारी है कि उसका आकलन नहीं किया जा सकता लेकिन यह पहल निश्चित रूप से उनके दुखों को कम करेगी।

समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान एलजी के प्रधान सचिव डॉ. मंदीप के भंडारी, एचआरडीएस इंडिया के संस्थापक सचिव अजी कृष्णन, प्रशासक सरिता पी मेनन, कॉर्पोरेट प्रायोजन निदेशक स्वराज कुमार और एचआरडीएस इंडिया के ग्लोबल इनिशिएटिव्स के अध्यक्ष संजीव भटनागर मौजूद रहे।

इस पहल के तहत एचआरडीएस इंडिया और जम्मू और कश्मीर के मंडलायुक्त रमेश कुमार और अंशुल गर्ग आतंकवाद पीड़ित उन परिवारों की भी पहचान करेंगे जिनके घर आतंकवादियों ने नष्ट कर दिए थे। एचआरडीएस इंडिया के प्रशिक्षित स्वयंसेवक लाभार्थियों से संबंधित नई सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रसारित करने के लिए मासिक रूप से प्रत्येक लाभार्थी परिवार के पास पहुंचा करेंगे।

परिवार के सभी सदस्यों को 15 साल का जीवन बीमा कवरेज देने के अलावा एचआरडीएस इंडिया हर घर के लिए मासिक स्वास्थ्य जांच और डिजिटल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। इसके अलावा बीएसए-नएल के सहयोग से शिक्षा, संचार और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने के लिए सभी लाभार्थी परिवारों को मुफ्त इंटरनेट सुविधा प्रदान करेगा।

एचआरडीएस इंडिया हर पांच साल में प्रत्येक लाभार्थी के घर की मुफ्त में रंगाई-पुताई भी करेगी। स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और निवारक देखभाल पर मुफ्त जागरूकता सत्र आयोजित करेंगे।

पीओके में रह रहे दो आतंकियों की बारामुला में संपत्ति जब्त

श्रीनगर , 12 सितंबर (एजेंसियां)। बारामुला पुलिस ने यूएपीए के तहत पीओके में रह रहे दो आतंकियों की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई विशेष न्यायालय, जिला एवं सत्र न्यायाधीश बारामुला के आदेश के अनुपालन में की गई।

पीओके में रह रहे मोहम्मद मकबूल शेख निवासी तंत्रायपोरा पलहल्लन की 3 कनाल 15 मरला भूमि और मोहम्मद रफीक तंत्राय निवासी तंत्रायपोरा पलहल्लन की 4 कनाल 17 मरला भूमि जब्त की गई है। यह कार्रवाई पुलिस स्टेशन पट्टन में दर्ज मामले एफआईआर के तहत की गई।

कुर्की की प्रक्रिया सीआरपीसी की धारा 88 के तहत राजस्व विभाग के सहयोग से पूरी की गई। संपत्तियों की पहचान और सीमांकन के साथ-साथ घोषणा पत्र और सार्वजनिक अधिसूचना सहित सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं।

वहीं पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी और गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए बडगाम जिले के हुमहामा क्षेत्र में पुलिस ने एक कुख्यात ड्रग तस्कर की अचल संपत्ति को कुर्क किया है।

पहलगाम आतंकी हमला

आतंकियों के पनाहगारों का नहीं होगा पॉलीग्राफ-नार्को टेस्ट, अदालत ने किया इनकार

जम्मू , 12 सितंबर (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के आतंकियों के पनाहगारों का अदालत ने पॉलीग्राफ एवं नार्को टेस्ट कराने से इन्कार कर दिया है। एनआईए की विशेष अदालत ने एनआईए की टेस्ट कराने की याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कहा है कि ये वैज्ञानिक तकनीकें आत्म-दोषसिद्धि के अधिकार का उल्लंघन करेंगी।

एनआईए ने अदालत को सूचित किया था कि आरोपियों ने अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए दोनों परीक्षणों के लिए अपनी सहमति दे दी है। हालांकि समन किए गए बशीर अहमद और परवेज अहमद ने एनआईए के दावे का खंडन किया।

अदालत ने कहा कि ऐसे वैज्ञानिक परीक्षणों के लिए अभियुक्तों की सहमति एक न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज की जानी चाहिए और झूठ पकड़ने वाले परीक्षण की वास्तविक रिकॉर्डिंग एक स्वतंत्र एजेंसी जैसे अस्पताल द्वारा वकीलों के समक्ष की जानी चाहिए।

इन दोनों को 26 जून को आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वीरवार को मामले पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि दोनों आरोपियों को पेश किया गया। दोनों आरोपियों ने खुली अदालत में कहा है कि वे पॉलीग्राफ या नार्को टेस्ट कराने के इच्छुक नहीं हैं।

ये आदेश 29 अगस्त का है। जिसका विवरण अभी सामने आया है। उप-कानूनी सहायता बचाव पक्ष के वकील ने एनआईए के इस दावे का भी खंडन किया कि दोनों ने स्वेच्छा से परीक्षणों के लिए सहमति दी थी।

एनआईए की याचिका को खारिज करने की मांग की। क्योंकि कैदियों की हिरासत में मौजूद अभियुक्तों का कोई स्वैच्छिक सहमति बयान एजेंसी द्वारा नहीं लिया गया था।

एनआईए के अनुसार गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों ने पहलगाम शहर के ऊपरी इलाकों में सुरम्य बैसरन घाटी में पर्यटकों को निशाना बनाकर किए गए हमले से पहले हिल पार्क में एक मौसमी ढोक में तीन सशस्त्र आतंकवादियों को जानबूझकर पनाह दी थी।

आतंकियों को भोजन, आश्रय और रसद सहायता प्रदान की थी। जिन्होंने 22 अप्रैल की दोपहर पर्यटकों की धार्मिक पहचान के आधार पर चुन-चुनकर मार डाला। यह अब तक के सबसे भीषण आतंकी हमलों में से एक बन गया।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने पत्नी के साथ किए रामलला के दर्शन

सीएम योगी ने पीएम का स्वागत किया और विदाई तक साथ रहे

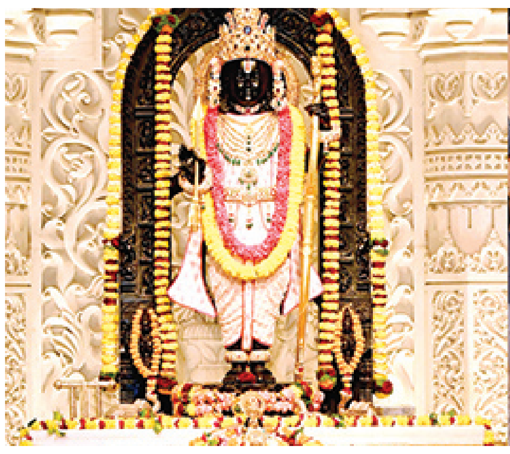

अयोध्या, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चंद्र रामगुलाम आज अपने परिवार और अपनी कैबिनेट के साथ अयोध्या पहुंचे। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर पारंपरिक शैली में उनका रेड-कार्पेट स्वागत किया गया।

इसके बाद वो रामलला के दरबार पहुंचे और दर्शन-पूजन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर मौजूद थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चंद्र रामगुलाम अयोध्या एयरपोर्ट से रामलला के दरबार पहुंचे।

जहां उन्होंने पत्नी श्रीमती वीणा रामगुलाम के साथ रामलला की आरती उतारी और दर्शन-पूजन किए। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ उनके साथ मौजूद रहे। डॉ. गुलाम दूसरे विदेशी पीएम हैं, जो अयोध्या आकर रामलला का पूजन कर रहे हैं। राम मंदिर में प्रधानमंत्री करीब डेढ़ घंटे रुके। इस दौरान उन्होंने सपरिवार रामलला और राजाराम का पूजन किया। उन्होंने मंदिर निर्माण कार्य का अवलोकन किया और और राम जन्मभूमि परिसर स्थित जटायु और अंगद टीले पर पहुंचकर शिव का जलाभिषेक भी किया। मॉरीशस के प्रधानमंत्री अयोध्या भ्रमण के बाद दोपहर एक बजे देहरादून के लिए रवाना हो गए।

अभिनेत्री दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर पर फायरिंग

गोल्डी बरार गैंग ने ली जिम्मेदारी, जांच में जुटी पुलिस

बरेली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर के बाहर आज तड़के अंधाधुंध फायरिंग हुई। बाइक सवार हमलावरों ने फायरिंग की जो सीसीटीवी फुटेज में रिकॉर्ड हो गया है। बाइक सवार दोनों अपराधी फायरिंग करने के बाद भाग निकले। मामले में रोहित गोदारा गोल्डी बरार के ने फायरिंग की जिम्मेदारी ली है। घटना के दौरान दिशा पाटनी के रिटायर्ड सीओ पिता और रिटायर मेजर बहन समेत तीन लोग घर के अंदर सो रहे थे। एसएसपी ने इस मामले में एसपी सिटी के नेतृत्व में पांच टीम गठित की हैं।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि शुक्रवार तड़के चार बजे पुलिस लाइन परिसर से सटे इलाके में रहने वाले रिटायर्ड सीओ जगदीश चंद्र पाटनी की ओर से पुलिस को सूचना मिली कि उनके दरवाजे पर फायर करके कुछ लोग भागे हैं। पुलिस पहुंची तो देखा कि घर की दीवार में फायर लगा है। एसएसपी ने खुद परिवार से मिलकर जानकारी जुटाई और सुरक्षा का आश्वासन दिया। सीसी फुटेज में बाइक सवार दो लड़के भागते हुए दिखे, इनमें आगे बैठा युवक हेलमेट लगाए था।

एसएसपी ने बताया कि एसपी सिटी व एसपी क्राइम के नेतृत्व में पांच टीम गठित की हैं, इनमें सर्विलांस व एसओजी भी शामिल हैं। घटना के वक्त घर के अंदर जगदीश पाटनी, उनकी पत्नी व बेटी रिटायर्ड मेजर खुशबू पाटनी थे जो सो रहे थे। परिवार की सुरक्षा के लिहाज से पुलिसबल लगा दिया गया है। टीमों को आरोपी ट्रेस करने की जिम्मेदारी दी गई है। गोल्डी बरार के गुर्गे रोहित ने सोशल मीडिया के जरिए इस घटना की जिम्मेदारी दी। उसने लिखा, मैं वीरेंद्र चारण, महेंद्र सारण (डेलाणा), भाइयों आज ये जो खुशबू पाटनी/दिशा पाटनी (बॉलीवुड एक्ट्रेस) के घर पर (विला नंबर 40, सिविल लाइंस बरेली, यूपी) में फायरिंग हुई है, ये हमने करवाई है। इसने हमारे पूज्य संत (प्रेमानंद जी महाराज और अनिरुद्धाचार्य जी महाराज) का अपमान किया था।

बीस वर्षों से चल रहा है आरक्षण घोटाला, करोड़ों की लूट

मेडिकल प्रवेश परीक्षा में अवैधानिक आरक्षण-नीति

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पिछले बीस वर्षों से मेडिकल प्रवेश परीक्षा में अवैधानिक आरक्षण नीति से सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को धोखा दिया जा रहा है। न्यायालय को डीजीएमई की भ्रामक दलील देकर न्याय से रोका ही नहीं जा रहा बल्कि इसकी आड़ में आर्थिक भ्रष्टाचार किया जा रहा है। नमो सेना इंडिया के महासचिव एवं अखिल भारतीय सनातन परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. संजय पाठक ने यह जानकारी दी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस मामले में हस्तक्षेप करने तथा इस असंवैधानिक प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की है।

डॉ. पाठक ने बताया कि वर्ष 2006 से चला आ रहा आरक्षण घोटाला डीजीएमई की भ्रामक दलीलों ने न्याय से वंचित है। हर साल सैकड़ों सामान्य वर्ग के विद्यार्थी इसका अभिशाप झेलने तथा अपने हक पाने से वंचित है। उत्तर प्रदेश की मेडिकल प्रवेश प्रक्रिया में लगभग एक दशक से जारी अवैधानिक आरक्षण नीति ने आखिरकार न्यायपालिका को हस्तक्षेप करने पर मजबूर कर दिया है। लेकिन डीजीएमई की भ्रामक दलीलों ने अदालत को गुमराह कर इस साल भी सामान्य वर्ग के दर्जनों

योग्य विद्यार्थियों के साथ अन्याय करवा दिया।उनके अनुसार आरक्षण को लेकर कानून स्पष्ट है। उत्तर प्रदेश शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश हेतु आरक्षण अधिनियम, 2006 के अनुसार आरक्षण की सीमा एसी 21 प्रतिशत,एसटी 2 प्रतिशत और ओबीसी 27 प्रतिशत यानि आरक्षण कुल 50 प्रतिशत और शेष 50 प्रतिशत सीटें सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए खुली रहनी चाहिए। इसको दरकिनार कर मनमानी और आर्थिक लूट के लिए 2010 से 2015 के बीच राज्य सरकार ने अम्बेडकर नगर, कन्नौज, जालौन और सहारनपुर में चार नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए। चूंकि ये कॉलेज स्पेशल कम्पोनेंट प्लान से आंशिक रूप से वित्तपोषित थे। इस पर सरकार ने आदेश जारी कर दिया कि इनमें 70 प्रतिशत सीटें एससी एसटी 15 प्रतिशत ओबीसी को और मात्र 15 प्रतिशत सामान्य वर्ग को मिलेंगी। इससे आरक्षण की सीमा 79 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो न केवल अधिनियम 2006 बल्कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की संवैधानिक सीमा का भी उल्लंघन था। उदाहरण के तौर पर इन चार कॉलेजों में कुल 340 राज्य-कोटा सीटें थीं। इनमें से सामान्य वर्ग के लिए केवल 28 सीटें छोड़ी गईं, जबकि अधिनियम के अनुसार कम से कम 170 सीटें सामान्य वर्ग को मिलनी चाहिए थीं। यानी हर साल लगभग 140 सीटें सामान्य वर्ग से छीनकर गलत तरीके से एसटीएससी को दी गईं। पिछले 10 वर्षों में इसका खामियाजा हजार से अधिक मेधावी विद्यार्थियों पर पड़ा। यही नहीं, ओबीसी को भी 27 प्रतिशत के बजाय केवल 15 प्रतिशतदिया गया, जिससे हर साल लगभग 30 सीटें ओबीसी वर्ग से छिनती रहीं।

इसका खुलासा तब हुआ जब नीट एवं यूजी 2025 में 523 अंक लाने वाली छात्रा सबराह अहमद ने इस अवैध व्यवस्था को चुनौती दी। 25 अगस्त को एकल पीठ ने राज्य सरकार के सभी आदेशों को अवैध घोषित करते हुए कहा कि डीजीएमई ने कानून की गलत व्याख्या कर आरक्षण सीमा का उल्लंघन किया है।जब मामला अपील में गया, तो डीजीएमई ने अदालत को बताया कि पहला राउंड पूरा हो चुका है। लगभग सभी सीटें भर गई हैं। अब प्रक्रिया दोबारा करने से राज्यभर में अफरा-तफरी मच जाएगी। इस पर श्री पाठक ने बताया कि लेकिन सच यह है कि केवल पहला राउंड हुआ था। दूसरा और तीसरा राउंड अभी लंबित थे। अगर पहला राउंड फिर से किया जाता, तो आरक्षण से अधिक दाखिला पाए हुए एसी छात्रों को अन्य कॉलेजों में समायोजित किया जा सकता था और कम से कम 90 सामान्य और ओबीसी विद्यार्थियों को इस साल उनका हक मिलता। यही नही खंडपीठ की व्यवस्था खंडपीठ ने माना कि आरक्षण सीमा का उल्लंघन हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी ने सहकारिता विभाग के कार्यों की समीक्षा की

यूपी में खुलेगा सहकारी महाविद्यालय

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री ने सहयोग का दिया आश्वासन

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक में सहकारिता विभाग के कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सहकारिता क्षेत्र में अध्ययन, अध्यापन और शोध को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सहकारी महाविद्यालय की स्थापना के निर्देश दिए। केंद्रीय राज्य मंत्री ने इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में एम-पैक्स सदस्यता महाभियान पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहकार से समृद्धि मंत्र को आत्मसात करते हुए 12 सितंबर से 12 अक्टूबर 2025 तक आयोजित सदस्यता महाअभियान से हर किसान और हर ग्रामीण परिवार को प्राथमिकता के साथ सहकारिता से जोड़ा जाए। वर्ष 2023 में आयोजित प्रथम सदस्यता महाअभियान में 30 लाख से अधिक नए सदस्य जुड़े थे, जिनमें 17.33 लाख किसान, 3.92 लाख अकुशल श्रमिक, 1.56 लाख कुशल श्रमिक, 2.20 लाख पशुपालक और 6,411 मत्स्यपालक शामिल थे। इस महाअभियान से सहकारिता क्षेत्र में 70 करोड़ रुपए का अंशदान प्राप्त हुआ था। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि द्वितीय सदस्यता महाअभियान को और व्यापक बनाया जाए तथा गांव-गांव में कैम्प, ऑनलाइन/ऑफलाइन पंजीकरण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की उपलब्धियां अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय हैं और प्रधानमंत्री जी के विजन को साकार करने में उत्तर प्रदेश अग्रणी भूमिका निभा रहा है। बैठक में सहकारी बैंकिंग सुधारों की समीक्षा करते हुए अवगत कराया गया कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2017-18 से वर्ष 2024-25 तक 16 बंद जिला सहकारी बैंकों को 306.92 करोड़ रुपए की सहायता से पुनर्जीवित किया गया है। इन बैंकों का एनपीए वर्ष 2017 में 800 करोड़ रुपए से घटकर मार्च 2025 में 278 करोड़ रुपए रह गया। मार्च, 2025 तक 1,000 करोड़ रुपए का ऋण व्यवसाय दर्ज हुआ और सभी बैंक लाभ में आ गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान और जमाकर्ताओं का विश्वास ही सहकारिता की असली पूंजी है। इसे हर हाल में सुरक्षित रखा जाए। सहकारिता भारतीय ग्रामीण समाज की प्राचीन परम्परा है। समाज को एकजुट रखने में सहकारिता की बड़ी भूमिका है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सहकारिता क्षेत्र में नए इतिहास रच रहा है।

अन्न भंडारण योजना की प्रगति पर चर्चा के दौरान बताया गया कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने प्रदेश के 35 जनपदों में 96 स्थलों की पहचान की है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 15 नवंबर तक वित्तीय समापन प्रक्रिया पूरी कर जनवरी 2026 से निर्माण कार्य प्रारम्भ कर अप्रैल 2026 तक पूरा कर लिया जाए। गोदाम निर्माण किसानों की समृद्धि का आधार है, इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

इस अवसर पर एम-पैक्स के गठन और कार्यप्रणाली पर भी विस्तार से समीक्षा की गई। अवगत कराया गया कि वर्ष 2024-25 में 266 एम-पैक्स के सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 457 नये एम-पैक्स गठित हो चुके हैं। सितम्बर, 2025 में 1,088 ग्राम पंचायतों में इनके गठन की प्रक्रिया चल रही है। एम-पैक्स को उर्वरक वितरण हेतु 10 लाख रुपए तक ब्याज-मुक्त ऋण सीमा दी गई है, जिससे अब तक 5,400 करोड़ रुपए का टर्नओवर और 120 करोड़ रुपए की मार्जिन मनी प्राप्त हुई है। इसी प्रकार, 757 नवगठित एम-पैक्स के उन्नयन के लिए राज्य सरकार 01 लाख रुपए मार्जिन मनी तथा 01 लाख रुपए आधारभूत अवसंरचना विकास के लिए उपलब्ध करा रही है।

डिजिटल भुगतान व्यवस्था के तहत 6,101 सोसाइटी में क्यूआर/यूपीआई आधारित प्रणाली लागू हो चुकी है। साथ ही, व्यवसाय विविधीकरण को बढ़ावा देते हुए 5,170 एम-पैक्स में सीएससी सेवाएं, 6,443 एम-पैक्स को प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र तथा 161 एम-पैक्स में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। बैठक में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह, मत्स्य मंत्री संजय निषाद, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जेपीएस राठौर, भारत सरकार के सहकारिता सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी, प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार, प्रमुख सचिव पशुधन एवं दुग्ध विकास तथा मत्स्य पालन अमित कुमार घोष, प्रमुख सचिव सहकारिता सौरभ बाबू, सचिव मुख्यमंत्री अमित सिंह सहित भारत सरकार एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विद्युत कंपनियों के लिए हुई साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला

विद्युत कंपनियों के लिए जरूरी है साइबर खतरों से सुरक्षा

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर क्षेत्र की विभिन्न विद्युत कंपनियों के पेशेवरों के लिए साइबर सुरक्षा जागरूकता पर एक क्षेत्रीय सम्मेलन और कार्यशाला 12 सितंबर को लखनऊ में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन विद्युत मंत्रालय की कंप्यूटर सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया टीम पावर और एनटीपीसी लिमिटेड के सहयोग से किया गया।यह कार्यक्रम साइबर खतरों के खिलाफ जागरूकता और लचीलापन बढ़ाने के मंत्रालय के प्रयासों का हिस्सा था। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मूकश्मीर, लद्दाख, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एनएचपीसी, टीएचडीसी, एसजेवीएनएल, पीएफसी, एसईसीआई, आरईसी सहित अन्य केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों और निजी क्षेत्र से वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ और 150 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

प्रतिनिधियों ने विद्युत क्षेत्र में बढ़ती साइबर सुरक्षा चुनौतियों पर विचारविमर्श किया और साइबर हमलों का पता लगाने, उन्हें रोकने और कम करने में एआई जैसी

उन्नत तकनीकों की भूमिका पर चर्चा की। कार्यशाला में साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने और पूरे विद्युत क्षेत्र में तैयारी बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इस तरह की पहल के महत्व को उजागर करते हुए, एलकेएस राठौर, निदेशक (साइबर सुरक्षा), सीएसआईआरटी-पावर, विद्युत मंत्रालय ने विद्युत क्षेत्र में साइबर सुरक्षा की रणनीतिक महत्ता पर बात की और मजबूत सुरक्षा तंत्र सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न कदमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने सहयोग, प्रशिक्षण और तकनीक-आधारित समाधान की आवश्यकता पर बल दिया ताकि जटिल साइबर हमलों का मुकाबला किया जा सके।

नरेंद्र भूषण, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत, उत्तर प्रदेश सरकार एवं अध्यक्ष, यूपीनेडा ने राज्य की ऊर्जा अवसंरचना को साइबर खतरों से सुरक्षित बनाने की प्रतिबद्धता पर बात की और विद्युत मंत्रालय द्वारा साइबर सुरक्षा क्षेत्र में अपनाए गए दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने साइबर खतरों का मुकाबला करने के लिए रचनात्मक सोच की आवश्यकता पर बल दिया और भारत के युवा, ऊर्जावान दिमागों के साथ मिलकर नवाचारी समाधान विकसित करने का आह्वान किया।

डॉ. आशीष कुमार गोयल, आईएस, अध्यक्ष, यूपीपीसीएल ने बताया कि कैसे सक्रिय शासन और नीति आधारित हस्तक्षेप साइबर सुरक्षा के लिए तकनीक अपनाने में मदद कर सकते हैं। भारतीय विद्युत क्षेत्र पर लक्षित और बढ़ती दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों का हवाला देते हुए उन्होंने महत्वपूर्ण क्षेत्र की सुरक्षा के लिए प्रयास बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यूपीपीसीएल की साइबर तैयारियों और इस दिशा में हो रहे सक्रिय प्रयासों पर भी चर्चा की। श्रीमती ऋषिका शरण, सदस्य सचिव, एनआरपीसी ने विद्युत क्षेत्र में साइबर सुरक्षा की गंभीरता पर जोर दिया और घटना प्रतिक्रिया तंत्र को बेहतर बनाने के लिए क्षेत्रीय इकाइयों के बीच निरंतर समन्वय की आवश्यकता को रेखांकित किया। गौतम देव, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (उत्तर), एनटीपीसी ने साइबर सुरक्षा तैयारी और परिचालन सुरक्षा की भूमिका पर प्रकाश डाला, जिससे महत्व-पूर्ण अवसंरचना की रक्षा की जा सके।

उन्होंने आज की आपस में जुड़ी और डिजिटल ऊर्जा दुनिया पर बात करते हुए कहा कि साइबर सुरक्षा वैकल्पिक नहीं है बल्कि यह अनिवार्य है। अपने प्रस्तुतीकरण में एके पटेल, जीएम (आईटी) एवं सीआईएसओ, एनटीपीसी ने एनटीपीसी के साइबर रक्षा ढांचे और घटना प्रतिक्रिया रणनीतियों का अवलोकन प्रस्तुत किया और सभी विद्युत कंपनियों से उन्नत साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल अपनाने का आग्रह किया।

संपादकीय

राधाकृष्णन से उम्मीदें

इसमें दो राय नहीं कि भारत के पंद्रहवें उपराष्ट्रपति के रूप में सीपी राधाकृष्णन का चुनाव विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की संवैधानिक यात्रा में निरंतरता और परिवर्तन, दोनों का ही प्रतीक है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग के उम्मीदवार के के रूप में उन्होंने विपक्ष के साझा उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के बड़े अंतर से हराया। यह जीत राजग सरकार की विधायी शक्ति और संगठनात्मक अनुशासन को भी रेखांकित करती है। निस्संदेह, भाजपा के लिये, सीपी राधाकृष्णन का चयन एक रणनीतिक कदम ही है। तमिलनाडु के एक अनुभवी नेता, जिनकी आरएसएस में गहरी जड़ें रही हैं, ने पार्टी में महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी भूमिकाएं भी निभाई हैं। वे पार्टी से दो बार लोकसभा के लिये सांसद चुने गए। राज्यपाल पद से उन्हें उपराष्ट्रपति पद के लिये पदोन्नत करके, एनडीए ने न केवल उनकी निष्ठा और अनुभव को पुरस्कार दिया है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में एक दक्षिण भारत के चेहरे को प्रतिष्ठा देकर अपने दूरगामी इरादों को भी जाहिर कर दिया है। जिसका एक सिरा भाजपा के दक्षिण भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने के रूप में पार्टी की एक व्यापक महत्वाकांक्षा से भी जुड़ता है। उस महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र में जहां उसे पारंपरिक रूप से चुनावी पैठ बनाने के लिए अब भी संघर्ष करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि सीपी राधाकृष्णन को राजग के उपराष्ट्रपति पद के लिये उम्मीदवार बनाने के निर्णय ने सबको चौंकाया था। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह निर्णय उनकी राजनीतिक स्मृति की विरासत को भी दर्शाता है। पार्टी के उन नेताओं का सम्मान करना, जिनकी पार्टी के कठिन वर्षों के दौरान की दृढ़ता ने आज की मजबूत भाजपा के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं उनका चुना जाना विपक्ष के राजग का सशक्त विकल्प बनाने के संघर्ष को भी उजागर करता है। उप राष्ट्रपति पद के चुनाव में हार का अंतर न केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ताकत को दर्शाता है बल्कि वहीं दूसरी ओर विपक्ष की फूट और क्रॉस-वोटिंग को भी दर्शाता है। बहरहाल, सीपी राधाकृष्णन का उप राष्ट्रपति पद के लिये चुना जाना विपक्ष के लिये एक सबक जैसा भी है। जो उसे याद दिलाता है कि प्रतीकात्मक मुकाबले एक सुसंगत रणनीति का विकल्प नहीं हो सकते। निर्विवाद रूप से उपराष्ट्रपति का पद केवल औपचारिक व्यक्ति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वे सांविधानिक पद सोपान में दूसरे सबसे ऊंचे पद पर तो आसीन होते ही हैं, राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उनकी जिम्मेदारियां भी महत्वपूर्ण होती हैं। राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उन्हें उच्च सदन में अकसर होने वाले हंगामेदार वाद-विवादों का भी शालीनतापूर्वक निपटारा करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि उनके नेतृत्व में राज्यसभा की कार्यवाही अधिक समावेशी हो सकेगी और सदन में जन सरोकारों से जुड़ा अधिक कार्य हो सकेगा। उनके लिये चुनौती होगी कि वे अपनी वैचारिक संबद्धता के बावजूद, सदन की कार्यवाही के संचालन में निष्पक्षता और न्यायसंगतता का प्रदर्शन करें। यह निर्विवाद सत्य है कि संसद की विश्वसनीयता अध्यक्ष की दलीय सीमाओं से परे सम्मान अर्जित करने की क्षमता पर निर्भर करती है। ऐसे समय में जब संसदीय कार्यप्रणाली सार्वजनिक विमर्श के दायरे में है, अगर राधाकृष्णन दलगत दबावों से ऊपर उठ सकते हैं, विधायी बहस को मजबूत कर सकते हैं और राज्यसभा की गरिमा का संवर्धन करते हैं, तो उनकी विरासत दलीय निष्ठा से कहीं आगे प्रतिष्ठा हासिल करेगी। यह भी एक हकीकत है कि राधाकृष्णन ऐसे वक्त में यह पद संभालेंगे जब सरकार और विपक्ष के बीच असहमति की खाई ज्यादा गहरी नजर आती है। यही असहमति सर्वसम्मत चुनाव पर एक राय नहीं बना पायी है। आने वाले समय में उन्हें पक्ष और विपक्ष को साथ लेकर विधायी कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। निस्संदेह, उनकी भूमिका गरिमामय संसदीय परंपराओं को अक्षुण्ण बनाये रखने में भी होगी। जिसके लिये उन्हें राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से मुक्त नजर भी आना होगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं की कसौटी पर खरे उतरेंगे।

सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग के उम्मीदवार के के रूप में उन्होंने विपक्ष के साझा उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के बड़े अंतर से हराया। यह जीत राजग सरकार की विधायी शक्ति और संगठनात्मक अनुशासन को भी रेखांकित करती है। निस्संदेह, भाजपा के लिये, सीपी राधाकृष्णन का चयन एक रणनीतिक कदम ही है। तमिलनाडु के एक अनुभवी नेता, जिनकी आरएसएस में गहरी जड़ें रही हैं, ने पार्टी में महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी भूमिकाएं भी निभाई हैं। वे पार्टी से दो बार लोकसभा के लिये सांसद चुने गए। राज्यपाल पद से उन्हें उपराष्ट्रपति पद के लिये पदोन्नत करके, एनडीए ने न केवल उनकी निष्ठा और अनुभव को पुरस्कार दिया है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में एक दक्षिण भारत के चेहरे को प्रतिष्ठा देकर अपने दूरगामी इरादों को भी जाहिर कर दिया है। जिसका एक सिरा भाजपा के दक्षिण भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने के रूप में पार्टी की एक व्यापक महत्वाकांक्षा से भी जुड़ता है। उस महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र में जहां उसे पारंपरिक रूप से चुनावी पैठ बनाने के लिए अब भी संघर्ष करना पड़ता है।

कुछ अलग

आपदा में 'अवसर'

हाल ही में हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश, भूस्खलन और बर्फबारी जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने राज्य के कई हिस्सों को प्रभावित किया है। लेकिन दुर्भाग्यवश, जहां एक ओर आम जनता इस संकट से जूझ रही है, वहीं दूसरी ओर कुछ वन माफिया और असामाजिक तत्व इस आपदा को 'अवसर' के रूप में देख रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, ज्वालामुखी क्षेत्र में हाल ही में सरकारी जंगलों से बड़ी मात्रा में खैर (कीमती लकड़ी) की अवैध कटाई की गई, जिसे वन विभाग ने जब्त भी किया है। यह केवल एक उदाहरण नहीं है, बल्कि हिमाचल के कई हिस्सों में वन संपदा की लूट वर्षों से एक संगठित और संरक्षित नेटवर्क के तहत चल रही है। ऐसी गतिविधियां बिना राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक मिलीभगत के संभव ही नहीं। सवाल यह उठता है कि जो विभाग पर्यावरण की रक्षा के लिए बनाए गए हैं, वही यदि मौन दर्शक बन जाएं या भागीदार बन जाएं, तो आम जनता न्याय की उम्मीद किससे करे? वन माफिया की तरह ही खनन माफिया भी हिमाचल में तेजी से पैर पसार रहा है, खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों में। यहां रेत-बजरी और अन्य खनिजों का अवैध खनन दिन-रात चलता है। ट्रकों की आवाजाही, नदी-नालों का अंधाधुंध दोहन और पहाड़ों का कटाव- यह सब 'घोषित-अघोषित मिलीभगत' का ही परिणाम है। आशंका जताई जा रही है कि इसमें कुछ राजनीतिज्ञों और उच्च अधिकारियों की संलिप्तता हो सकती है, जो माफिया को संरक्षण प्रदान करते हैं। वन और खनन माफिया बिना राजनीतिक शह और पुलिस-प्रशासन की चुप्पी के कभी भी नहीं फल-फूल सकते।

प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग की गई और वो भी पूरी हो गई लेकिन आंदोलन फिर भी नहीं रुका

नेपाल में क्या और क्यों हो रहा है

राजेश कुमार पासी

पहले श्रीलंका, फिर बांग्लादेश और अब नेपाल ने एक क्रांति हो रही है। कहने को यह क्रांति है लेकिन यह जनता का गुस्सा है जो छात्रों के माध्यम से सड़कों पर उतर आया है। नेपाल में इस आंदोलन को जेन जी आंदोलन का नाम दिया गया है क्योंकि इसमें ज्यादातर 18 से 30 साल तक के युवा शामिल हैं। इस आंदोलन का कोई नेता नहीं है तो इसका मतलब है कि कोई पीछे से इसे संचालित कर रहा है। शांतिपूर्ण तरीके से शुरू किया गया आंदोलन हिंसक रूप ले चुका है। इसे सत्ता परिवर्तन करने वाला आंदोलन बताया जा रहा है क्योंकि नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने इस्तीफा दे दिया है। देखा जाए तो अब ये आंदोलन अराजकता का रूप ले चुका है। नेपाल सरकार ने फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब सहित 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके विरोध में यह आंदोलन शुरू किया गया। इसके बाद इस आंदोलन में भ्रष्टाचार और बेरोजगारी का मुद्दा भी जुड़ गया। आंदोलन के हिंसक होने का कारण पुलिस फायरिंग में 24 युवाओं की मौत होना है क्योंकि इसके बाद ही पूरे देश में हिंसा भड़क गई। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का इस्तीफा होने के बाद भी युवाओं का गुस्सा शांत नहीं हुआ है। सवाल यह है कि सोशल मीडिया पर बैन हटा दिया गया तो आंदोलन खत्म हो जाना चाहिए था। फिर प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग की गई और वो भी पूरी हो गई लेकिन आंदोलन फिर भी नहीं रुका। इसके विपरीत यह आंदोलन और भयानक रूप ले चुका है। भीड़ ने राष्ट्रपति निवास, संसद भवन, सुप्रीम कोर्ट सहित कितने ही वर्तमान और पूर्व मंत्रियों के घर फूंक दिए हैं। प्रधानमंत्री ओली का निजी घर भी फूंक दिया गया है। इसके अलावा बड़े-बड़े होटल जलाए जा रहे हैं और अन्य सरकारी भवनों को भी आग लगाई जा रही है। सेना सड़को पर उतर आई है और छात्रों से मीटिंग करने की बात कही जा रही है। नेपाल के डिप्टी पीएम व वित्त मंत्री को जनता ने सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा है। पूर्व पीएम और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा को उनके घर से निकालकर पीटा गया और उनकी पत्नी को भी बुरी तरह से पीटा गया है। नेपाली कांग्रेस के पार्टी मुख्यालय को भी आग लगा दी गई है क्योंकि यह पार्टी ओली का समर्थन कर रही थी। यह आंदोलन व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर चलाया जा रहा है जबकि इसमें अपराधी तत्व शामिल हो गए हैं। वो इस आंदोलन की अराजकता का फायदा उठा रहे हैं जिसके कारण लगभग 13000 कैदी जेल से भाग गए हैं। भगवान शिव के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर पर भी हमला किया गया है जबकि इस आंदोलन से मंदिर का कोई लेना-देना नहीं है। नेपाल गए हुए भारतीयों पर हमला किया जा रहा है जबकि भारतीयों का इस आंदोलन से कोई मतलब नहीं है। हो सकता है कि इस आंदोलन को शुरू करने में किसी विदेशी ताकत का हाथ न रहा हो लेकिन अब जरूर इसमें विदेशी ताकते शामिल हो गई हैं। जिन समस्याओं को लेकर यह आंदोलन किया गया है, वो एशिया और अफ्रीका के ज्यादातर देशों में व्याप्त हैं इसलिए इसे स्वयं स्फूर्त आंदोलन कहना सही नहीं लगता है हालांकि इसे हिंसक रूप देने में सरकार का बड़ा योगदान है। जब युवा शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे थे तो पुलिस को गोली चलाने की क्या जरूरत थी। चीन के साथ रहते-रहते नेपाली सरकार यह भूल चुकी है कि नेपाल और चीन में बड़ा अंतर है। चीन में सड़क पर सत्ता परिवर्तन नहीं होता लेकिन नेपाल में सड़क पर सत्ता परिवर्तन का इतिहास है। आंदोलन के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को ही निशाना बनाया गया है इसलिए सवाल उठता है कि लोकतंत्र कैसे बचेगा हालांकि विशेषज्ञ कह रहे हैं कि नेपाल में लोकतंत्र को कोई खतरा नहीं है। यह तब कहा जा रहा है, जब नेपाल की जनता लोकतंत्र से बुरी तरह निराश हो गई है। बेशक सत्ता संभालने के लिए कई नाम सामने आ रहे हैं लेकिन सवाल यह है कि क्या इनमें से कोई भी नेपाल की जनता की उम्मीदों को पूरा कर सकेगा। बांग्लादेश की हालत हम सभी देख रहे हैं, जिन परेशानियों से तंग आकर वहां सत्ता परिवर्तन किया गया था, वो परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। बांग्लादेश में एक अमेरिकी समर्थक नेता शासन कर रहा है जिसके लिए उसे बांग्लादेश की जनता ने नहीं चुना है। अब नेपाल में भी ऐसा हो सकता है कि एक ऐसा नेता सत्ता संभाले जिसका जनता में कोई आधार ही न हो। जिस तरह से नेपाल में सरकारी और निजी संपत्तियों को जलाया गया है, उससे पता चलता है कि यह आंदोलन देशहित से अलग चला गया है। इस आंदोलन का मुख्य मुद्दा भ्रष्टाचार है क्योंकि अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए ही सरकार ने सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाया था। जनता की शिकायतों को दूर करने की जगह उनसे भागने का रास्ता सरकार ने निकाला था लेकिन वही उसे भारी पड़ गया। नेपालियों ने इसे अपनी अभिव्यक्ति की आजादी और सम्पर्क करने पर हमला माना। हमें याद रखना चाहिए कि नेपाल में 90 प्रतिशत से ज्यादा इंटरनेट उपयोगकर्ता समाचार, भुगतान, पर्यटन, प्रचार और व्यापार के लिए इन सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर निर्भर हैं। इससे नेपाल के लोगों को क्या परेशानी होने वाली थी, समझा जा सकता है। 2008 में लोकतंत्र को लागू करने के लिए नेपाल में राजतंत्र को खत्म कर दिया गया लेकिन 17 सालों में नेपाल में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। सवाल यह है कि लोकतंत्र ने नेपाल की जनता को क्या दिया है। विडंबना है कि इन 17 सालों में नेपाल की जनता की समस्याओं का कोई समाधान नहीं किया गया है। नेपाल में विकास की जगह बदहाली आ रही है जिसके कारण महंगाई और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। जब उद्योग नेपाल छोड़कर जा रहे हों तो युवाओं को नौकरियां कहां से मिलेंगी। सरकारी नौकरियों में सिफारिश और पैसा चल रहा है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि जब से नेपाल में लोकतंत्र आया है, तब से नेपाल में तीन राजनीतिक दल आपस में मिलकर सत्ता की मलाई चाट रहे हैं। नेपाली कांग्रेस, यूनीफाइड मार्क्सवादी पार्टी और माओवादी पार्टी तीनों मिलकर सत्ता चला रहे हैं। शेर बहादुर देउबा, प्रचंड और ओली बदल-बदल कर नेपाल के प्रधानमंत्री बन रहे हैं। ऐसा लगता है कि इनके बीच यह सहमति बन गई है कि किसी दूसरे को सत्ता में नहीं आने देना है। सबसे बड़ी समस्या इन पार्टियों की यह है कि ये नेपाल को चीन और अमेरिका के एजेंडे पर चलाने की कोशिश करती रही हैं। उनकी कोशिश नेपाल को भारत से दूर करने की भी रही है और इन्होंने सीमा विवाद खड़ा करके भारत को नेपाल की जनता की नजरों में दुश्मन बनाने की कोशिश की है। भारत नेपाल की बड़ी मदद कर सकता था लेकिन वहां सरकार ऐसा नहीं सोचती हैं। राजीव गांधी ने 1989 में नेपाल की नाकाबंदी करके जो जहर भारत-नेपाल के रिश्तों में डाला था, अभी तक उसका असर गया नहीं है। नेपाल में वामपंथी विचारधारा की सरकारों के कारण भारत इस जहर को कम करने में सफल नहीं हो पाया है। वामपंथी सरकार ने सनातन धर्म पर चलने वाले देश को सेकुलर बनाने की कोशिश में देश की पहचान को खतरे में डाल दिया है। दूसरी तरफ अमेरिका के एनजीओ वहां धर्म परिवर्तन के नाम पर डेमोग्राफी बदलने की कोशिश कर रहे हैं। नेपाल की जनता लोकतंत्र से परेशान होकर राजा की तरफ देख रही है। राजा ज्ञानेन्द्र शाह अपनी ताकत को पहचान रहे हैं इसलिए अभी इस संघर्ष से दूर हैं। नेपाल की सत्ता संभालने के लिए जिन लोगों के नाम सामने आ रहे हैं, उनमें एक नाम राजा ज्ञानेन्द्र शाह का भी है। लोकतंत्र से निराश हिंदू राष्ट्रवादी संगठनों ने उन्हें प्रतीक बनाकर राजतंत्र की वापसी की मांग तेज कर दी है। भारत के लिए नेपाल का संकट बड़ी चिंता का विषय है लेकिन भारत पड़ोसी देशों के अंदरूनी मामलों में दखल देने से दूर रहा है। नेपाल के मामले में भारत को कुछ तो करना होगा क्योंकि नेपाल के साथ हमारा खुला बार्डर है। वहां फैल रही अराजकता हमारे लिए बड़ा खतरा बन सकती है। नेपाल में स्थिरता लाने के लिए भारत को नेपाल की मदद करनी होगी। बेशक वहां जनता लोकतंत्र से निराश है लेकिन लोकतंत्र की बहाली के अलावा कोई और बेहतर रास्ता नहीं है। भारत के आसपास मौजूद अशांत देश हमारे लिए बड़ा खतरा हैं और नेपाल सबसे बड़ा खतरा बन गया है। भारत को बड़ी शरणार्थी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। नेपाल के साथ लगते राज्यों में कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

नेपाल में इस आंदोलन को जेन जी आंदोलन का नाम दिया गया है क्योंकि इसमें ज्यादातर 18 से 30 साल तक के युवा शामिल हैं। इस आंदोलन का कोई नेता नहीं है तो इसका मतलब है कि कोई पीछे से इसे संचालित कर रहा है। शांतिपूर्ण तरीके से शुरू किया गया आंदोलन हिंसक रूप ले चुका है। इसे सत्ता परिवर्तन करने वाला आंदोलन बताया जा रहा है क्योंकि नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने इस्तीफा दे दिया है। देखा जाए तो अब ये आंदोलन अराजकता का रूप ले चुका है। नेपाल सरकार ने फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब सहित 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके विरोध में यह आंदोलन शुरू किया गया। इसके बाद इस आंदोलन में भ्रष्टाचार और बेरोजगारी का मुद्दा भी जुड़ गया। आंदोलन के हिंसक होने का कारण पुलिस फायरिंग में 24 युवाओं की मौत होना है क्योंकि इसके बाद ही पूरे देश में हिंसा भड़क गई।

देश दुनिया से

आरएसएस के सौ वर्ष

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी यात्रा के सौ साल पूरे कर लिए हैं। संघ की स्थापना महाराष्ट्र के एक डाक्टर (चिकित्सक) केशव राव बलिराम हेडगेवार (1889-1940) ने की थी। जिस वक्त डा. हेडगेवार ने संघ की स्थापना की उस समय उनकी उम्र 35 साल थी। हेडगेवार परिवार मूलतः महाराष्ट्र का नहीं था बल्कि विन्ध्याचल के पार दक्षिण क्षेत्र से ताल्लुक रखता था। पूर्वज कभी महाराष्ट्र में आकर बस गए थे। जिन दिनों हेडगेवार का जन्म हुआ, उससे कुछ वर्ष पहले हिंदुस्तान आजादी की पहली लड़ाई (1857) हार चुका था। इसके साथ ही मुगल सत्ता का अंतिम शासक बहादुरशाह जफर भी सत्ताविहीन होकर जलावतन हो चुका था। मुगल सत्ता तो खत्म हुई लेकिन लाल किले पर भारतीय ध्वज के स्थान पर यूनियन जैक आ गया था। एक गुलामी के बाद दूसरी गुलामी पुख्ता हो गई थी। यह गुलामी पहली गुलामी से भी बदतर होने वाली थी। जिस वक्त मुगल गुलामी की शुरुआत हुई थी, उस वक्त भी हिंदुस्तान अलग अलग रियासतों में बंटा होने के कारण गुलाम हुआ था। पोरस जब सिकन्दर का मुकाबला कर रहा था, तो आसपास के राजा तमाशा देख लहे थे। मुगलों ने भारत की राष्ट्रीयता को खंडित कर यहां की संस्कृति का अरबीकरण-तुर्कीकरण करने का प्रयास किया था। गुरु नानक देव जी ने तब भी चेतावनी दी थी, यह मत समझो कि हमला तो एक राजा पर हुआ है, दूसरा बच जाएगा। उन्होंने तब भी हिन्दुस्तान की अवधारणा को चिन्हित करते हुए स्पष्ट किया था, मुगल किसी एक राजा को नहीं बल्कि पूरे हिन्दुस्तान को डराने का प्रयास करेंगे। हिन्दुस्तान की इस एकात्म अवधारणा को आत्मसात करने के लिए गुरु नानकदेव जी ने पूरे पच्चीस साल देश के कोने कोने से साक्षात्कार किया था। गुरु नानक देव जी ने देश की इस गुलामी के दो ऐसे कारण गिनाए थे, जिसकी ओर आज तक किसी का ध्यान नहीं गया था। उनका कहना था, इस गुलामी का एक बड़ा कारण था कि क्षत्रियों ने अपना धर्म छोड़ दिया है और उन्होंने अपनी भाषा छोड़ कर 'मलेच्छ' भाषा ग्रहण कर ली है। यह बहुत महत्वपूर्ण बात थी। धर्म छोडऩे का अर्थ यह नहीं था कि पूजा-पाठ करना बंद कर दिया था। पूजा-पाठ का धर्म से कुछ लेना देना नहीं है। धर्म का अर्थ कत्तव्य होता है। क्षत्रिय का धर्म देश की रक्षा करना है। उनमें से कुछ ने अपना यह धर्म छोड़ कर हमलावर के साथ ही मिल जाना शुरू कर दिया। भाषा राष्ट्र की आत्मा होती है। गुरु नानक देव जी ने ऊंच-नीच, भेदभाव, छूतछात की खाईओं से बाहर निकलने के लिए देशवासियों को प्रेरित किया था। देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसे प्रयास हुए ही। इन्हीं प्रयासों का परिणाम था कि मुगलों के तीन सौ साल के शासन में देश निरंतर इन विदेशी मुगल शासकों से जूझता रहा। लेकिन दुर्भाग्य से मुगल शासन के अंत के बाद देश में 'स्वराज' स्थापित नहीं हुआ, बल्कि देश ब्रिटिश साम्राज्यवादियों के शिकंजे में फंस गया। ये गोरे अंग्रेज मुगलों से भी कहीं ज्यादा शातिर और अमानवीय थे। अब देश को इनसे लडऩा था। गुरु नानक देव जी ने भाषा को लेकर जो संकेत किया था, वह और गहरा हो गया था। अंग्रेज भाषा की महत्ता को मुगलों से कहीं ज्यादा समझते थे। वे जानते थे कि भारत राष्ट्र की अवधारणा को सोख लेना है तो भारतीय भाषाओं को समाप्त करो। यदि यह संभव नहीं है तो अपनी मलेच्छ भाषा के माध्यम से उनके मस्तिष्क और चिंतन पर नियंत्रण स्थापित करो। देश और शासन की सत्ता इस प्रकार के नियंत्रित 'रोबोटों' के हाथ में दो। 1857 के तुरंत बाद 1885 में कांग्रेस की स्थापना हुई थी। 1902 में बंगाल में अनुशीलन समिति का गठन हुआ। 1905 में मुस्लिम लीग गठित हो गई थी। 1913 में गदर पार्टी की गतिविधियां शुरू हुईं। 1915 में हिंदू महासभा अस्तित्व में आई। लेकिन इन्हीं दिनों महाराष्ट्र में एक और व्यक्ति की चर्चा होने लगी थी। वे थे भीमराव रामजी अंबेडकर (1891-1956)। अंबेडकर महार समाज से थे और 1912 में मुंबई विश्वविद्यालय से बीए पास कर वे रियासती वजीफा पर अमेरिका में एमए के लिए वहां चले गए थे। राष्ट्रीय प्रश्नों पर अंबेडकर भी स्कूल के दिनों से ही जूझने लगे थे, लेकिन अमेरिका से आने के बाद उनकी धार तीखी हो गई थी। उनके इर्द-गिर्द भी एक संगठन निर्मित होने लगा था। इसी कालखंड तक आते-आते भारत में कम्युनिस्ट कार्यकर्ता भी सक्रिय होने लगे थे। दिसंबर 1925 में उन्होंने एकत्रित होकर कानपुर में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया का गठन कर लिया था। 1925 में ही दशहरे के अवसर पर डा. हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गठन किया था। भूगोल के लोग नागपुर को भारत का केन्द्र भी मानते हैं। नागपुर नाग समाज का केन्द्र भी माना जाता है। लेकिन संघ स्थापना से पूर्व डा. हेडगेवार कांग्रेस व अनुशीलन समिति संगठनों की यात्रा कर आए थे। इस प्रकार 1925 तक आते-आते देश भर में कुल मिला कर अनेक संगठन देश को अंग्रेजों से मुक्त करवाने के लिए संघर्षशील थे। लेकिन हिन्दुस्तान की मुक्ति का मूल मंत्र था हिन्दुस्तान की मूल अवधारणा को, उस पर छा गई काई को हटा कर पुनः स्थापित करना। बाकी संगठन भारत की अवधारणा पर जमी काई को, जो अंग्रेज तेजी से बिछा रहे थे, हटाने की चिंता नहीं कर रहे थे। बल्कि उसी काई को ही भारत स्वीकार करने को तैयार थे। डा. हेडगेवार उस काई को हटाने के प्रयास में जुटे। ऊंच-नीच की बीमारी के कारण कमजोर हो गई भारत की रक्त धमनियों को सशक्त करने के लिए ऊंच-नीच की कमियों को समाप्त करने के लिए व्यावहारिक पद्धति को क्रियाशील करने में लगे। यही काम अपने तरीके से डा. अंबेडकर कर रहे थे। हैरानी की बात है कि कांग्रेस ने दोनों को ही ब्रिटिश एजेंट कहना शुरू कर दिया। आज सौ साल बाद जब हम लेखा-जोखा करते हैं तो भारत की ही अवधारणा को नकारने वाली कम्युनिस्ट पार्टियां देश में से लुप्त होने के कगार पर पहुंच गई हैं। अंग्रेजों द्वारा स्थापित की गई भारत की कृत्रिम अवधारणा को अब तक ढोते हांफ रही कांग्रेस देशी-विदेशी तमाम प्रकार की ताकतों के सहयोग के बाद भी अवसान की ओर है। संघ की भारतीय अवधारणा आज केन्द्र बिन्दु में है। बाबा साहिब अंबेडकर को भारत रत्न देकर, कांग्रेस के तमाम षड्यंत्रों का उत्तर दे दिया है। यह संयोग ही कहा जाए या नियति कि डा. हेडगेवार ने जिस नव प्रयोग की शुरुआत नागपुर से की, उसी प्रयोग के दूसरे चरण की शुरुआत डा. अंबेडकर ने 1956 में तथागत बुद्ध के वचनों का स्मरण करके की। यही भारत की अवधारणा की निरंतरता है। सौ साल की यात्रा का पुण्य स्मरण। भारत हमेशा तरक्की की राह पर आगे बढ़ता रहे, उसकी एकता हमेशा कायम रहे, यही कामना ईश्वर से है।

आप का नजरिया

पठानिया अब अकेला नहीं

अकेला लड़ता रहा पठानिया आज भी अपने मुकाम के लिए लड़ रहा है। वजीर राम सिंह पठानिया को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा दिए जाने की हर वजह के बावजूद, अगर आजादी के 78 सालों बाद भी यह गौरव हासिल नहीं, तो यह हमारी रगों का कसूर है कि हमने आजादी के रंग को नहीं पहचाना। खैर, इस दफा हिमाचल विधानसभा में ऐसे प्रस्ताव को सभी सदस्यों ने एक सुर देते हुए मंजूर नहीं किया, बल्कि इसके पक्ष में इतिहास में हिमाचल बुलंद भी हुआ। विधायक भवानी सिंह पठानिया द्वारा लाए गए प्रस्ताव में हिमाचल का शौर्य, प्रदेश का बलिदान, राज्य का गौरव तथा इतिहास खड़ा हुआ, तो सदन की प्राथमिकताओं का मुहूर्त बदल गया। हमने इन्हीं कालमों में अनेक बार इस योद्धा को शत्-शत् नमन करते हुए लिखा है कि भारत में स्वतंत्रता का पहला बिगुल वजीर राम सिंह ने बजाया था। मंगल पांडे को 1857 के स्वतंत्रता विद्रोह से जोड़ा जाता है, लेकिन शहादत के परचम तले आजादी के पहले तूफानों में से एक वजीर राम सिंह पठानिया ने इसे एक दशक पूर्व ही आहूत कर दिया था। आश्चर्य यह कि आजादी का यह हिमाचली अध्याय पूरी तरह खुलता नहीं रहा। यह इसलिए भी हिमाचल अपने नायकों और नायकत्व को पहचानने में आज भी फिसड्डी है। विश्वविद्यालय बढ़ गए, लेकिन शोध में हिमाचलियत है ही नहीं। कालेजों और शिक्षण संस्थानों के नाम पर राजनेता चस्पां होने लगे हैं। स्कूलों और कालेजों के वार्षिक समारोहों में क्या कभी बहादुर सैनिकों को बुलाया जाता है। कवि सम्मेलनों में भाषा और संस्कृति विभाग या अकादमी की फर्ज अदायगी ने कभी सोचा कि शहीदों की याद में इतिहास के दो-चार पन्ने ही पढ़ लिए जाएं। क्या हिमाचल के 'राजतिलक' का सारा अर्थ राजनीति ने समेट लिया। हिमाचल में आजादी का इतिहास सिरमौर, शिमला, कुल्लू-मंडी, हमीरपुर-बिलासपुर से ऊना-कांगड़ा होता हुआ हर छोर तक चमकता है। शौर्य की हर गाथा और लोक संस्कृति के हर सफे पर कुर्बानियों के कई लम्हे यादों से गुजरते हैं, लेकिन हमने सरोकारों का कारवां बदल दिया। आज भी विश्व के कई कोने और भारत के सिख व डोगरा इतिहास के कारनामों में जनरल जोरावर सिंह का नायकत्व प्रमाणित है। वह चीन के साथ समझौतों की बागडोर में महाराजा रणजीत सिंह के साम्राज्य का विस्तार लिखते हैं। डोगरा सल्तनत की छलांगों में वह तिब्बत के छोर तक पहुंच जाते हैं। आश्चर्य यह कि इस वीर सपूत के पार्थिव अवशेषों की समाधि शत्रु देश की पूजा स्थली बन गई, लेकिन हम आज तक एक स्मृति संस्थान नहीं बना सके। धर्मशाला के शहीद स्मारक में जोरावर सिंह की एक प्रतिमा स्थापित करते हुए विधायक सुधीर शर्मा ने जरूर यह एहसास कराया कि जब राष्ट्रगान की धुनें गूंजें तो राष्ट्र की आंखों में हिमाचल के नायक भी श्रद्धा के साथ रहें। हिमाचल के धर्मशाला से ही कैप्टन राम सिंह ने ही राष्ट्रगान की धुन बनाई थी, लेकिन इस शोहरत का मुकाम हम तो स्थापित नहीं कर पाए। पूर्व विधायक पं. सुशील रत्न ने राज्य स्वतंत्रता सेनानी स्मारक की स्थापना धर्मशाला के दाड़ी में की, लेकिन लकीरों में बंटी सियासत ने ऐसे संकल्प का भी बंटाधार कर दिया। हिमाचल के स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर भवानी सिंह पठानिया ने एक बड़े शून्य को तोड़ा है, जिसके लिए उन्हें साधुवाद, लेकिन इतिहास को खंगालने के लिए शिक्षा विभाग को भी सार्थक प्रयास करने चाहिएं ताकि हम अपने 'हीरो' को जानने के लिए मूक-बधिर ही न बने रहें। हिमाचली नायकों को सामाजिक रूप से कई संस्थाएं अपने दायित्व की परिधि में जिंदा रखे हुए हैं, लेकिन इस एहसास को राष्ट्र की पहचान में स्थापित करने के लिए एक मुहिम की जरूरत है। आज तक राजनीति ने ट्राइबल होने के दर्जे तक का महिममंडन तो किया, लेकिन स्वतंत्र होने के दस्तूर में, हिमाचली सपूतों को उनके परिप्रेक्ष्य में कभी देखा ही नहीं।

वजीर राम सिंह पठानिया को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा दिए जाने की हर वजह के बावजूद, अगर आजादी के 78 सालों बाद भी यह गौरव हासिल नहीं, तो यह हमारी रगों का कसूर है कि हमने आजादी के रंग को नहीं पहचाना। खैर, इस दफा हिमाचल विधानसभा में ऐसे प्रस्ताव को सभी सदस्यों ने एक सुर देते हुए मंजूर नहीं किया, बल्कि इसके पक्ष में इतिहास में हिमाचल बुलंद भी हुआ। विधायक भवानी सिंह पठानिया द्वारा लाए गए प्रस्ताव में हिमाचल का शौर्य, प्रदेश का बलिदान, राज्य का गौरव तथा इतिहास खड़ा हुआ, तो सदन की प्राथमिकताओं का मुहूर्त बदल गया। हमने इन्हीं कालमों में अनेक बार इस योद्धा को शत्-शत् नमन करते हुए लिखा है कि भारत में स्वतंत्रता का पहला बिगुल वजीर राम सिंह ने बजाया था। मंगल पांडे को 1857 के स्वतंत्रता विद्रोह से जोड़ा जाता है, लेकिन शहादत के परचम तले आजादी के पहले तूफानों में से एक वजीर राम सिंह पठानिया ने इसे एक दशक पूर्व ही आहूत कर दिया था। आश्चर्य यह कि आजादी का यह हिमाचली अध्याय पूरी तरह खुलता नहीं रहा। यह इसलिए भी हिमाचल अपने नायकों और नायकत्व को पहचानने में आज भी फिसड्डी है। विश्वविद्यालय बढ़ गए, लेकिन शोध में हिमाचलियत है ही नहीं। कालेजों और शिक्षण संस्थानों के नाम पर राजनेता चस्पां होने लगे हैं। स्कूलों और कालेजों के वार्षिक समारोहों में क्या कभी बहादुर सैनिकों को बुलाया जाता है। कवि सम्मेलनों में भाषा और संस्कृति विभाग या अकादमी की फर्ज अदायगी ने कभी सोचा कि शहीदों की याद में इतिहास के दो-चार पन्ने ही पढ़ लिए जाएं। क्या हिमाचल के 'राजतिलक' का सारा अर्थ राजनीति ने समेट लिया।

दृष्टि कोण

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन पर वजीफा दो

विज्ञान ने बहुत उन्नति कर स्वास्थ्य क्षेत्र में जहां काफी सुधार किया है, वहीं पर खिलाडियों के उपकरणों व प्ले फील्ड में भी काफी सुधार हुआ है। यही कारण है कि पिछले बनाए गए कीर्तिमान आसानी से हर वर्ष टूटते रहते हैं। पहले जब खेल प्रतियोगिता होती थी तो आयोजक प्रतिभागियों को खाना व रहना देते थे। यात्रा किराया व दैनिक भत्ता सरकार खेल संघ दे देती थी, मगर अब यह सब खिलाडी को वहन करना पड़ता है। रेल में सीट आरक्षित करवाना भी बड़ी जंग जीतने से कम नहीं है। खिलाड़ी कम थके, इसलिए हवाई यात्रा भी करना जरूरी हो जाता है। खिलाडियों के प्रयोग में होने वाले जूते व किट बहुत महंगी आती हैं। एक प्रतियोगिता का खर्चा पचास हजार रुपए तक पहुंच जाता है। सामान्य परिवार का बच्चा कैसे राष्ट्रीय स्तर पर खेल कर पाएगा, कभी सोचा है? खेलों को राज्य सूची का विषय बना रखा है। केन्द्र व राज्य अपनी-अपनी सुविधा अनुसार जब चाहें, पला झाड़ लेता है। खिलाड़ी प्रदेश व देश के लिए गौरव लाता है, तो फिर सरकारें प्रतिभाशाली खिलाडियों को सीधा वजीफा क्यों नहीं देती हैं। एथलेटिक्स, कुश्ती, मुक्केबाजी व अन्य कई खेल हैं जिनमें हिमाचल के स्टार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बहुत बढिया प्रदर्शन कर रहे हैं, मगर खेल जारी रखने के लिए उन्हें काफी धन की जरूरत होती है। इसलिए अधिकतर खिलाडियों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। मानव शरीर ईश्वर द्वारा बनाई गई बहुत ही अद्भुत मशीन है। इसे चलाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमे एटीपी से लेकर सीपीए लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल तक पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम एक उम्र तक विकास होता है। ओलंपिक खेलों में विभिन्न

खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। सौ मीटर की दौड़ का अद्भुत रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्पिरिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा जाता है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है, वहीं पर बहुत अधिक स्पीड, इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को असानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पड़ता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्पिरिंटर पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्पिरिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिक हैं, मगर गेहूं, दूध व उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है। यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय-समय पर अच्छे स्पिरिंटर मिलते रहते हैं और जिस किशोर खिलाड़ी में स्पिरिंट जितनी अधिक होगी, वह उतना ही अच्छा किसी भी खेल का खिलाड़ी बनेगा। प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ही एकमात्र धाविका है जो हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर में पदक विजेता है। एशिया व ओलंपिक खेलों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंचने वाली इस धाविका के दो दशक बाद अब मनीषा तथा प्रिया ठाकुर से उम्मीद है। आज फिर राज्य में कुश्ती व मुक्केबाजी सहित विभिन्न खेलों के खिलाड़ी हैं जिन्हें वजीफे की बहुत अधिक 2026 के लिए जरूरत है। इनके पास नौकरी नहीं है। सामान्य परिवारों से इनका संबंध है और जो हिमाचल से पलायन कर गए हैं, उन्हें भी हिमाचल सरकार सम्मानजनक नौकरी दे तथा इन सभी एथलीटों को 2026 राष्ट्रमंडल व एशियाई खेलों तक वजीफा भी दे। इस स्तर पर अपना अभ्यास जारी रखने के लिए महीने में पचास हजार रुपए से अधिक चाहिए होते हैं। जो नौकरी में हैं, वो तो बहुत कठिनाई से अपने वेतन से प्रशिक्षण कार्यक्रम का खर्चा उठा लेते हैं, लेकिन अन्य जिनके पास संसाधन नहीं हैं, वे कैसे खर्चा वहन कर पाएंगे, यह हिमाचल सरकार को सोचना होगा।

अमेरिका ने ग्रीस से ऊर्जा सहयोग बढ़ाने का दिया संकेत, रूस पर दबाव बनाने की रणनीति

एथेंस,12 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी आंतरिक मंत्री डग बर्गम ने गुरुवार को एथेंस दौरे के दौरान कहा कि अमेरिका ग्रीस के साथ ऊर्जा संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। ट्रंप प्रशासन का लक्ष्य यूरोप की रूस पर ऊर्जा निर्भरता को और कम करना है।

बर्गम इस सप्ताह यूरोप में ऊर्जा आपूर्ति समझौतों को आगे बढ़ाने में जुटे हैं। बुधार को ग्रीस ने घोषणा की थी कि तेल कंपनी शेवरॉन समेत एक कंसोर्टियम ने उसके समुद्री क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की खोज के लिए बोली लगाई है।

ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यिरियाकोस मिट्सोटाकिस से मुलाकात में बर्गम ने कहा, अमेरिका का मकसद अपने मित्रों और सहयोगियों को ऊर्जा उपलब्ध कराना है ताकि उन्हें हमारे विरोधियों से खरीदने की जरूरत न पड़े। अमेरिका पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि रूसी गैस को अमेरिकी गैस से प्रतिस्थापित किया जाए।

यूरोपीय संघ ने समुद्री मार्ग से रूसी कच्चे तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाकर 90 प्रतिशत आयात घटा दिया है। हालांकि हंगरी और स्लोवाकिया अब भी पाइपलाइन से आयात कर रहे हैं। 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले से पहले यूरोप अपनी 45 प्रतिशत गैस रूस से लेता था, जो अब घटकर लगभग 13 प्रतिशत रह गया है।

बर्गम ने रेविथुसा स्थित एलएनजी टर्मिनल का दौरा किया, जहां नियमित रूप से अमेरिकी गैस की खेपें पहुंच रही हैं। ग्रीस ने इस साल की पहली छमाही में अमेरिका से एलएनजी आयात 95 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है।

उधर, क्रेते के दक्षिण में स्थित समुद्री क्षेत्रों में खोज की अमेरिकी रुचि को ग्रीस अपनी संप्रभुता के समर्थन के रूप में देख रहा है। प्रधानमंत्री मिट्सोटाकिस ने कहा, आपका दौरा ठीक उस समय हो रहा है जब शेवरॉन ने क्रेते के दक्षिणी इलाकों में खोज के लिए रुचि जताई है, जो हमारे संप्रभु अधिकारों की पुष्टि करता है।

न्यूज ब्रीफ

इजराइली हमले के बाद अमेरिका से रिश्ते मजबूत करने को कतर पीएम का वॉशिंगटन दौरा

वॉशिंगटन। कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद अब्दुलरहमान अल थानी शुक्रवार को वॉशिंगटन पहुंचेंगे, जहां वे शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब इजराइल ने हाल ही में दोहा में हमास नेताओं को निशाना बनाया था। इजराइली चैनल 12 की रिपोर्ट के अनुसार, अल थानी की मुलाकात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से तय है। संभावना है कि वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी मुलाकात कर सकते हैं। इस दौरे को ऐसे संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि वॉशिंगटन कतर के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। ट्रंप ने इसी सप्ताह अपने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि कतर के साथ एक नया सुरक्षा समझौता आगे बढ़ाया जाए। कतर को पहले से ही मेजर नॉन-नाटो एलाय (प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी) का दर्जा प्राप्त है। हालांकि, नया समझौता होने की स्थिति में अमेरिका द्वारा अतिरिक्त हथियारों की बिक्री या वहां और सैनिकों की तैनाती शामिल हो सकती है।

समुद्री क्षेत्र में 19 करोड़ वर्ष पुराने जीव से जुड़ा एक दुर्लभ भ्रूण मिला

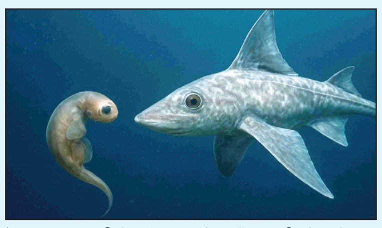

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड के तट से लगे समुद्री क्षेत्र में शोधकर्ताओं को 19 करोड़ वर्ष पुराने जीव से जुड़ा एक दुर्लभ भ्रूण मिला है, जिसे 'घोस्ट शार्क' कहा जाता है। 'घोस्ट शार्क', जिन्हें चाइमेरा भी कहा जाता है, शार्क और रे मछलियों के करीबी रिश्तेदार हैं, लेकिन ये उनसे अलग श्रेणी में आते हैं। यह खोज समुद्री जीवन की प्राचीनता और रहस्यों को उजागर करने में अहम मानी जा रही है। इनका अस्तित्व डायनासोर के समय से है और भी ये गहरे समुद्र की अंधेरी गहराइयों में जीवित हैं। आमतौर पर ये प्रजातियां सतह पर दिखाई नहीं देतीं, इसलिए इनके बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस भ्रूण की खोज से इनके विकास, प्रजनन और जीवन चक्र को समझने में बड़ी मदद मिलेगी। खोजे गए भ्रूण को प्राकृतिक अवस्था में सुरक्षित पाया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि यह अंडे से बाहर आने से ठीक पहले की स्थिति में था। यह दुर्लभ नमूना शोधकर्ताओं को यह जानने का अवसर देगा कि घोस्ट शार्क किस तरह विकसित होते हैं और उनकी शारीरिक संरचना किस प्रकार बदलती है। वैज्ञानिकों ने कहा कि यह खोज समुद्री जैव विविधता को समझने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण कदम है।

अमेरिका के नक्शेकदम पर इजराइल...

यरुशलम। इजराइल ने पिछले 72 घंटों में 6 देशों पर हमला किए हैं। इसमें गाजा (फिलिस्तीन) समेत सीरिया, लेबनान, कतर, यमन और ट्यूनीशिया शामिल हैं। इन हमलों में 200 से ज्यादा लोग मारे गए और 1000 से ज्यादा घायल हुए हैं। ये हमले सोमवार से बुधवार के बीच में किए गए। इजराइल का कहना है कि वो इन देशों में आतंकी ठिकानों को निशाना बना रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसे लेकर इजराइली पीएम नेतन्याहू से नाराजगी जताई है। हालांकि इजराइली पीएम नेतन्याहू ने कतर की राजधानी दोहा में हमास के अधिकारियों पर किए गए हमले का बचाव किया। उन्होंने इस हमले की तुलना 9/11 के हमलों के बाद अमेरिका की कार्रवाई से की। उन्होंने कहा इजराइल ने भी वही किया जो अमेरिका ने उस वक्त किया था। इजराइली सेना ने मंगलवार को कतर की राजधानी दोहा पर हवाई हमला किया था। यह हमला हमास के चीफ खलील अल-हय्या को निशाना बनाकर किया गया था। इसमें अल-हय्या का बेटा, ऑफिस डायरेक्टर, तीन गार्ड और एक कतरी सुरक्षा अधिकारी समेत छह लोग 6 लोगों की मारे गए थे। इस हमले के वक्त हमास नेता अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव पर आपस में चर्चा कर रहे थे। इस हमले के बाद हमास ने युद्ध विराम से इनकार कर दिया। इजराइल ने सोमवार को पूर्वी लेबनान के बेका और हरमेल जिलों में हवाई हमले किए, जिसमें 5 लोगों की जान गई। इजराइली सेना ने दावा किया कि इस हमले में हिजबुल्लाह के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। हालांकि हिजबुल्लाह ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। मंगलवार को इजराइली ड्रोन ने हिजबुल्लाह के एक सदस्य पर हमला किया था। नवंबर 2024 में इजराइल और लेबनान में सीजफायर हुआ था। लेकिन इसके बाद भी इजराइल लेबनान के दक्षिणी हिस्से पर हमले करता रहता है।

नेपाल, इंडोनेशिया, श्रीलंका-बांग्लादेश जेन जी अब खुलकर सरकारों को दे रहे चुनौती

एशिया के युवा असमानता और अन्याय के खिलाफ सड़कों पर उतरे

जकार्ता,12 सितंबर (एजेंसियां)।

एशिया के अलग-अलग कोनों में, चाहे वह हिमालय की गोद में बसा नेपाल हो या फिर इंडोनेशिया हो यहां नई पीढ़ी अपनी आवाज बुलंद कर रही है। इस पीढ़ी को जेनरेशन-जेड यानी जेन-जी के नाम से जाना जाता है। 1995 से 2010 के बीच जन्मी पीढ़ी अब खुलकर सरकारों को चुनौती दे रही है। नेपाल से इंडोनेशिया, श्रीलंका से बांग्लादेश तक, एशिया के युवा असमानता और अन्याय के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। वे अन्याय को अपनी नियति के रूप में स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया बैन के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन हो या इंडोनेशिया में भ्रष्टाचार और नीतिगत असंतोष के खिलाफ प्रदर्शन, जेन-जी का गुस्सा अब केवल चिंगारी नहीं, बल्कि एक ऐसी आग बन चुका है जो सरकारों को सोचने पर मजबूर कर रहा है। आखिर क्या है इस गुस्से की वजह क्यों एशिया के युवा सत्ता के खिलाफ खड़े हो रहे हैं

बता दें मंगलवार को नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली को दो दिनों के हिंसक प्रदर्शनों के बाद इस्तीफा देना पड़ा। यह प्रदर्शन सरकारी भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया बैन के खिलाफ शुरू हुआ था, जिसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों घायल हो गए थे। जेन-जी प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़पों के बाद सरकार ने सोशल मीडिया बैन हटा लिया, लेकिन युवाओं का असंतोष कम नहीं हुआ। सेना ने हस्तक्षेप कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

जानकारी के मुताबिक नेपाल के युवा अपनी सरकार से नाराज हैं, जो उनकी समस्याओं से कटी हुई प्रतीत होती है। सोशल मीडिया उनके लिए अहम है, खासकर उस देश में जहां हर चार में से एक व्यक्ति गरीबी रेखा से नीचे है। ये प्लेटफॉर्म प्रवासियों से धन प्राप्त करने और अपनों से जुड़े रहने का जरिया है। फिलहाल नेपाल के युवाओं ने सरकार को उखाड़ फेंका है। अब वहां एक नए सवेरे की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक अंतरिम सरकार के नेतृत्व के लिए समूह जिन नामों पर विचार कर रहा है, उनमें पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की, काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह और बिजली बोर्ड के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कुलमन घीसिंग के नाम सामने आ रहे हैं। कार्की नेपाल के उच्चतम न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश के रूप में सेवाएं देने वाली एकमात्र महिला हैं।

वहीं इंडोनेशिया में भी हालात इससे अलग नहीं हैं। अगस्त के अंत में, सांसदों को मिलने वाले भारी-भरकम आवास भत्तों के खिलाफ जनता सड़कों पर उतर आई है। ये भत्ते न्यूनतम मासिक वेतन से करीब 10 गुना ज्यादा थे। बढ़ती जीवन लागत से जूझ रही जनता के लिए यह भत्ते अस्वीकार्य थे। एक बाइक चालक की पुलिस वाहन से कुचलकर हुई मौत ने आग में घी डालने का काम किया। प्रदर्शनकारियों ने शीर्ष सांसदों के घरों में लूटपाट की, कारों को आग लगाई और सरकारी इमारतों को नुकसान पहुंचाया। यह दशकों में सबसे हिंसक प्रदर्शनों में से एक था। बढ़ते दबाव के बीच राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने भत्तों को वापस लिया और जवाबदेही का वादा किया। इस सप्ताह, देश के जाने माने वित्त मंत्री मुल्यानी इंद्रावती को हटा दिया गया, जिसे जनता के गुस्से को शांत करने की कोशिश माना जा रहा है।

ये प्रदर्शन देशों में हुए लेकिन इनके पीछे साझा शिकायतें हैं। इंडोनेशिया की आधी आबादी 30 साल से कम उम्र की है, जबकि नेपाल में यह आंकड़ा 56 फीसदी है। दोनों देशों में बेरोजगारी और बढ़ती आय असमानता युवाओं के लिए बड़ी समस्या है। ये प्रदर्शन दर्शाते हैं कि युवाओं की एकजुट कार्रवाई सरकारों को पीछे हटने पर मजबूर कर सकती है।

नेपाल और इंडोनेशिया के प्रदर्शन दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में एक बड़े पैटर्न का हिस्सा हैं। म्यांमार में भी युवाओं ने सत्ता के खिलाफ बगावत की है। पाकिस्तान तो दशकों से युवाओं के गुस्से की आग में जल रहा है लेकिन वहां के अनौपचारिक सैन्य शासन ने दमन के जरिए युवाओं के आक्रोश को कुचलने का काम किया है। कुल मिलाकर इन सभी आंदोलनों में एक बात समान है जेन-जी का नेतृत्व। ये युवा न केवल स्थानीय मुद्दों पर बोल रहे हैं, बल्कि वैश्विक मंचों पर भी अपनी बात रख रहे हैं। सोशल मीडिया ने उन्हें एक-दूसरे से जोड़ रखा है, जिससे वे अपने अधिकारों के लिए लड़ने में पहले से कहीं ज्यादा सक्षम हैं।

लोग खुद तय करते हैं नैरेटिव : एलन मस्क

सैन फ्रांसिस्को,12 सितंबर (एजेंसियां)।

बीते दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एलन मस्क पर प्रोपेगेंडा फैलाने का आरोप लगाया था। इस पर टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने कहा कि उनके प्लेटफॉर्म पर नैरेटिव लोग खुद तय करते हैं, न कि कोई और। यह बयानबाजी भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद को लेकर शुरू हुई थी। नवारो ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत केवल लाभ के लिए रूस से तेल खरीदता है और रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण से पहले भारत ने तेल की कोई खरीद नहीं की थी। उन्होंने भारत सरकार की नीतियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भारत अमेरिकी नौकरियां छीन रहा है और उसे यूक्रेन युद्ध में अपनी भूमिका बदलनी चाहिए। नवारो की इस टिप्पणी को एक्स के फैक्ट-चेक फीचर कम्युनिटी नोट्स ने मिसलीडिंग बताते हुए फ्लैग किया। कम्युनिटी नोट्स के अनुसार, भारत की ऊर्जा खरीद अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करती है और यह उसकी संप्रभुता का हिस्सा है। इसके बाद नवारो ने मस्क की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने तथाकथित क्रैप नोट्स की अनुमति दी है। मस्क ने पलटवार करते हुए जवाब दिया कि इस मंच पर लोग ही नैरेटिव तय करते हैं और हर किसी की आवाज सुनी जाती है। उन्होंने कहा कि कम्युनिटी नोट्स सभी को सही करता है, किसी को अपवाद नहीं बनाया जाता। साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि इसके पीछे का डेटा और कोड सार्वजनिक स्रोतों से लिया गया है और प्लेटफॉर्म का ग्रोक टूल आगे फैक्ट-चेकिंग प्रदान करता है। भारत सरकार ने भी नवारो के बयानों को खारिज किया और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने उन्हें पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया। नवारो इससे पहले भी भारत की विदेश नीति पर सवाल उठा चुके हैं और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस और चीन के नेताओं से हालिया मुलाकातों की आलोचना की थी। वहीं, अमेरिकी राजनीति में भी इस मामले पर प्रतिक्रियाएं आईं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-अमेरिका संबंधों को बेहद खास बताया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने यहां तक कहा कि वह मोदी के हमेशा दोस्त बने रहेंगे। ट्रंप की इस टिप्पणी के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनका आभार जताया।

संभोग के दौरान अपने सिर पर नुकीले दांत उगाते हैं नर घोस्ट शार्क

फ्लोरिडा। हाल ही में वैज्ञानिकों ने समुद्र की गहराई रहने वाली घोस्ट शार्क के बारे में एक चौंकाने वाली जानकारी साझा की है। उसके अनुसार, नर घोस्ट शार्क संभोग के दौरान अपने सिर पर नुकीले दांत उगाते हैं ताकि मादा को काबू में रखा जा सके। वैज्ञानिकों के ताजा अध्ययन के अनुसार, नर घोस्ट शार्क अपने माथे पर टेनकुला नाम की संरचना विकसित करते हैं। यह छड़ जैसी आकृति नुकीले दांतों से बनी होती है और इसका मकसद होता है मादा को मजबूती से पकड़ना ताकि वे संभोग के दौरान भाग न सकें। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह संरचना रीढ़धारी जीवों में प्रजनन के लिए एक बेहद अनोखा और दुर्लभ तरीका है। खास बात यह है कि यह टेनकुला केवल नर मछलियों में ही पाया जाता है। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के डॉ. गैरेथ फ्रेजर के नेतृत्व में की गई इस रिसर्च में जीवाश्म और जेनेटिक विश्लेषण का सहारा लिया गया। अध्ययन के दौरान वैज्ञानिकों को करीब 31.5 करोड़ साल पुराने जीवाश्म में भी टेनकुला के सबूत मिले। यह खोज इस बात की ओर इशारा करती है कि ये दांत जबड़े के दांतों के ही समान हैं और दोनों एक ही जेनेटिक प्रोग्राम के जरिए विकसित हुए हैं। सीटी स्कैन से यह भी सामने आया कि टेनकुला पर मौजूद दांत शार्क के जबड़ों की तरह बिल्कुल साफ पंक्तियों में व्यवस्थित रहते हैं।

नासा ने मंगल की सूखी नदी में चट्टानें खोजीं, खुलेंगे कई रहस्य

वाशिंगटन,12 सितंबर (एजेंसियां)।

नासा के रोवर 'पर्सिवरेंस' ने मंगल की सूखी नदी में चट्टानें खोजी हैं। इनमें अरबों साल पहले के सूक्ष्म जीवन के संकेत हो सकते हैं। वैज्ञानिक मानते हैं, नमूनों की असली जांच धरती की लैब में ही संभव होगी। नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी यह केवल शुरुआती खोज है। जो भी नमूने रोवर ने इकट्ठा किए हैं, उन्हें धरती पर लाकर ही ठीक से जांचा जा सकेगा। मंगल पर मौजूद रोवर सीधा जीवन का पता नहीं लगा सकता। इसके पास एक ड्रिल लगी होती है, जिससे यह चट्टानों और मिट्टी के छोटे-छोटे टुकड़े निकालकर सुरक्षित रखता है। इन नमूनों की भविष्य में धरती की प्रयोगशालाओं में गहन जांच की जाएगी।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का रोवर 'पर्सिवरेंस' मंगल ग्रह पर काम कर रहा है। अब इसने वहां एक ऐसी खोज की है, जिसने वैज्ञानिकों की उम्मीदें और बढ़ा दी हैं। दरअसल, रोवर को मंगल की एक पुरानी सूखी नदी की धारा में चट्टानें मिली हैं। इन चट्टानों में ऐसे संकेत दिख रहे हैं, जिनसे अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि अरबों साल पहले वहां सूक्ष्म जीवन मौजूद रहा हो सकता है।

वैज्ञानिक लंबे समय से यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या कभी मंगल पर जीवन रहा था। सूखी नदियों और झीलों के अवशेषों से यह साफ है कि अरबों साल पहले वहां पानी मौजूद था। और जहां पानी होता है, वहां जीवन की संभावना भी रहती है। ऐसे में पर्सिवरेंस द्वारा मिली ये चट्टानें इस खोज को और दिलचस्प बना देती हैं। मूल योजना ये थी कि रोवर जो नमूने इकट्ठा कर रहा है, उन्हें धरती पर लाया जाएगा। इसके लिए एक बेहद महत्वाकांक्षी मिशन तैयार किया गया था। लेकिन फिलहाल यह योजना अटक गई है, क्योंकि नासा अब ऐसे विकल्पों पर ध्यान दे रहा है जो तेज़ और कम खर्चीले हों। यानी, अभी यह तय नहीं है कि नमूने कब धरती तक पहुंचेंगे।

रूस से भिड़ने को तैयार हो रहे नाटो देश, फ्रांस ने पोलैंड में तैनात किए राफेल

वारसॉ,12 सितंबर (एजेंसियां)।

रूस ने हाल ही कथित तौर पर पौलेंड पर बमबारी की थी। इससे नाराज नाटो देश एकजुटा हुए और रूस को चेतावनी दी। अब फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पोलैंड में तीन राफेल लड़ाकू विमानों की तैनाती की घोषणा की। यह तैनाती रूसी ड्रोनों की घुसपैठ के जवाब में नाटो के पूर्वी मोर्चे को मजबूत करने और यूरोपीय सुरक्षा की रक्षा करने के उद्देश्य से की गई है। मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रूसी ड्रोनों द्वारा पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ के बाद, मैंने हमारे सहयोगियों के साथ मिलकर पोलिश हवाई क्षेत्र और नाटो के पूर्वी मोर्चे की सुरक्षा में योगदान देने के लिए तीन राफेल लड़ाकू विमानों को तैनात करने का फैसला किया है।

फ्रांसीसी नेता ने बताया कि उन्होंने इस फैसले के बारे में पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क से सीधे बात की थी। उन्होंने नाटो महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ भी इस मुद्दे पर चर्चा की। मैक्रों ने कहा कि ये देश भी पूर्वी मोर्चे की रक्षा में समान रूप से सक्रिय हैं। मैक्रों ने जोर देकर कहा कि रूस के बढ़ते खतरे के खिलाफ यूरोप की रक्षा फ्रांस और नाटो की रणनीति का केंद्र बिंदु है। उन्होंने कहा, यूरोपीय महाद्वीप की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम रूस की बढ़ती धमकियों के सामने नहीं झुकेंगे। यह घोषणा तब आई जब पोलैंड की सेना ने कहा कि उसने इस सप्ताह की शुरुआत में रूसी ड्रोनों को मार गिराया, जो पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुस आए थे। इसके बाद, पोलैंड ने नाटो के अनुच्छेद 4 को लागू किया, जिसमें सहयोगी देशों के बीच खतरे पर विचार-विमर्श के लिए परामर्श की मांग की गई है। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद फ्रांस ने पहली बार इतने बड़े स्तर पर नाटो वायु रक्षा के लिए पूर्वी यूरोप में विमान तैनात किए हैं। अनुच्छेद 4 नाटो देशों को यह वचन देता है कि जब कभी भी, उनमें से किसी की राय में, किसी भी पक्ष की क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता या सुरक्षा को खतरा हो, तो वे आपस में परामर्श करेंगे। जब इस अनुच्छेद का इस्तेमाल किया जाता है, तो नाटो के सदस्य उत्तरी अटलांटिक परिषद में परामर्श के लिए मिलते हैं। इस मामले में रूस पर आरोप है कि उसने नाटो देश पोलैंड की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन किया है।

पोलैंड के उपप्रधानमंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की ने कहा कि इस घटना का पैमाना यह दर्शाता है कि यह रूस द्वारा जानबूझकर किया गया कार्य था। उन्होंने कहा कि पोलैंड के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाले ड्रोनों की संख्या इसे एक सुनियोजित कृत्य बनाती है। पोलैंड के आंतरिक मंत्री ने बाद में कहा कि देश भर में 16 ड्रोन देखे गए थे, जिनके मलबे बड़े क्षेत्र में बिखरे हुए थे।पोलिश संसद को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने चेतावनी दी कि भले ही पोलैंड युद्ध की स्थिति में नहीं है, लेकिन यह स्थिति द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से किसी भी समय से अधिक खतरनाक है। उन्होंने कहा, यह कहने का कोई कारण नहीं था कि पोलैंड युद्ध की स्थिति में है, लेकिन यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से किसी भी समय से अधिक संघर्ष के करीब है।टस्क ने कहा कि पोलैंड एक ऐसे दुश्मन का सामना कर रहा है जो अपनी शत्रुतापूर्ण मंशा को छिपाता नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि पोलैंड ने नाटो संधि के अनुच्छेद 4 को लागू किया है, जो गठबंधन को सदस्य देशों की सुरक्षा के लिए खतरे पर चर्चा करने और परामर्श करने की अनुमति देता है।

संत प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंची साइना नेहवाल

नई दिल्ली,12 सितंबर (एजेंसियां)।

अनुभवी महिला बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल संत प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंची हैं। साइना के साथ इस दौरान उनकी मां और बहन भी थीं। साइना ने कहा कि कई बार जब उन्हें किसी इवेंट में जाना होता है तो वह तनाव में आ जाती। जिससे वह मुक्त होना चाहती हैं। इसपर प्रेमानंद जी महाराज ने उनकी शंकाओं का समाधान किया।

साइना की प्रेमानंद जी महाराज के दर्शन करते समय की जो वीडियो आई है इसमें वह महाराज जी के सामने हाथ जोड़कर खड़ी हुई हैं और अपनी परेशानी उन्हें बता रही हैं। साइना के साथ उनकी मां उषा नेहवाल और उनकी बहन भी दिखाई दे रही हैं। साइना ने प्रेमानंद महाराज से पूछा, ', मुझे मंदिर जाना बहुत पसंद है और मैं काफी मंत्र भी जपती हूं पर जब भी मुझे कुछ लोग इवेंट्स में बुलाते हैं, तो उस टाइम का न सोचकर मैं थोड़ा तनाव में आ जाती हूं कि इस कार्यक्रम का क्या होगा।'

साइना के सवाल का जवाब देते हुए प्रेमानंद महाराज ने कहा, 'अज्ञान की वृद्धि जब तक नष्ट नहीं होगी तब तक वह चिंता बनी रहती है। वहीं वर्तमान के समय को यदि हम भगवान के नाम को जपने में लगा दें तो हमारा भूत और भविष्य दोनों ठीक हो जाएगा।' संत ने कहा कि जब हमारी बुद्धि खराब हो जाती है तो नकारात्मकता अधिक फैलने लगती है और जब बुद्धि ज्यादा नकारात्मक हो जाती है तब हम अवसाद में पहुंच जाते हैं। वहीं अगर हमारी बुद्धि सकारात्मक होती है तो हम समस्या के साथ भी खुश रहते हैं।'

हाल में साइना निजी जीवन को लेकर परेशान रही हैं। कुछ समय पहले ही उनका बैडमिंटन स्टार पारुपल्ली कश्यप से अलग होने की बात कही थी हालांकि बाद में फिर दोनो एकसाथ आ गये। दोनों ने अपने रिश्ते को एक ओर मौका दिया।

साइना ने पति कश्यप के साथ तस्वीर शेयर करके जानकारी दी। प्रेमानंद जी महाराज ने आगे कहा कि तनाव नाम जप से आएगा। अगर हम राधा राधा राधा कृष्ण कृष्ण राम राम जो नाम प्रिय है वह नाम जप करें और पवित्र भोजन पावें। तो हमारे अंदर जो चिंता है, जो बेचैनी है यह फिर हमारे अंदर नहीं रहेगी. हर समय प्रसन्न रहेंगे. देखो जो भगवान के भक्तजन होते हैं, वे कैसी भी स्थिति को प्रसन्न रहते हैं, क्योंकि उनकी नकारात्मकता समाप्त हो जाती है। इसलिए नियमित तौर पर जाप करें।

साइना से पहले क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी संत की शरण में पहुंचे थे।

न्यूज़ ब्रीफ

ग्रैंड स्विस में आठवें दौर में गुकेश का सामना दिव्या देशमुख से

समरकंद (उज़्बेकिस्तान)। विश्व शतरंज चैंपियन डी. गुकेश आठवें दौर में महिला वर्ल्ड कप विजेता दिव्या देशमुख का सामना करेंगे। यह मुकाबला खास है क्योंकि दोनों ही 19 वर्षीय भारतीय ग्रैंडमास्टर हैं और पहली बार किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर आमने-सामने होंगे। जुलाई में महिला विश्व कप जीतकर दिव्या देशमुख पहले ही कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बना चुकी हैं। उन्हें फिडे की ओर से पुरुषों के ग्रैंड स्विस (ओपन सेक्शन) में वाइल्डकार्ड एंट्री मिली है। इसी कारण वे यहां शीर्ष पुरुष ग्रैंडमास्टर्स के खिलाफ खेल रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पुरुष वर्ग में मजबूत खिलाड़ियों से मुकाबला करना उनके कैंडिडेट्स की तैयारी को और निखारेगा। गुकेश का अब तक का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा है। उन्होंने शुरुआती चार राउंड में दो जीत और दो ड्रॉ हासिल किए थे, लेकिन इसके बाद लगातार तीन हार झेलनी पड़ी—अभिमन्यु मिश्रा (अमेरिका), निकोलस थियोडोरू (ग्रीस) और एडिज गुरेल (तुर्की) के खिलाफ। उनके खाते में कुल तीन अंक हैं। दूसरी ओर, दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने दो हार और तीन ड्रॉ के अलावा दो बड़े उलटफेर किए—मिस्र के बासेम अमीन और सर्बिया के वेलिमिर इविक को हराकर। उनके पास कुल 3.5 अंक हैं और वे फिलहाल गुकेश से आगे चल रही हैं।

जीत सबसे अहम, रन रेट नहीं: तौहीद हृदॉय

अबू धाबी। गुरुवार को हांगकांग के खिलाफ सात विकेट की जीत के बाद बांग्लादेश के मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज तौहीद हृदॉय ने साफ कहा कि टीम का ध्यान केवल मैच जीतने पर था, रन रेट की चिंता पर नहीं। हृदॉय ने कहा, हम मैच को जल्दी खत्म कर सकते थे लेकिन स्थिति की मांग को समझते हुए हमने सुरक्षित खेलना चुना। हमारी मानसिकता हमेशा जीतने की होती है। हम नहीं चाहते थे कि मैच हमारे हाथ से फिसल जाए। उन्होंने माना कि खुद की बल्लेबाजी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। हमने कोशिश की थी कि जल्दी खत्म करें लेकिन मैं गेंद को अच्छी तरह से कनेक्ट नहीं कर पा रहा था। नतीजा सबसे ज्यादा मायने रखता है, एक-दो ओवर पहले खत्म करने से ज्यादा, उन्होंने कहा। हृदॉय ने आगे कहा कि टीम अभी रन रेट की बजाय बड़ी जीतों पर नजर रखेगी। हमारा लक्ष्य अफगानिस्तान और श्रीलंका को हराना है। इस समय रन रेट पर ध्यान देने के बजाय हमें साझेदारी और स्थिरता को प्राथमिकता देनी होगी। हांगकांग के खिलाफ चुनौती को लेकर उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में कोई भी टीम बड़ा कर सकती है। हांगकांग जैसी टीमें अनजानी होती हैं, इसलिए मुश्किल पेश आती है। विकेट पर गेंद रुक रही थी, लेकिन हमने अच्छी तरह अनुकूलन किया और जीत हासिल की।

एशिया कप में पाकिस्तान से नहीं खेलना चाहिये : हरभजन

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह का कहना है कि वर्तमान हालातों में पाकिस्तान से क्रिकेट मैच नहीं होना चाहिये। हरभजर ने कहा कि जब तक पाक से संबंध तनावपूर्ण हैं तब तक न तो खेल होना चाहिये और न ही व्यापार। हरभजन ने कहा कि जब तब दोनों देशों के बीच संबंध नहीं सुधर जाते

तब तक भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज नहीं खेली जानी चाहिए। भारत और पाक टीम एशिया कप में रविवार को आमने-सामने होंगी। पहलगाम आतंकी हमले को देखते हुए हरभजन सहित कई प्रशंसकों का मानना है कि पाक के साथ खेल नहीं होना चाहिये। उनका कहना है कि पूर्व क्रिकेटरों ने भी वर्ल्ड चैंपियनशिप्स ऑफ लीजेंड्स में पाक के खिलाफ दोनो ही मुकाबलों का बहिष्कार किया था। हरभजन के अनुसार हर किसी की सोच अलग होती है पर मेरा मानना है कि जब तक दोनों देशों के बीच संबंध सुधर नहीं जाते, तब तक क्रिकेट और व्यापार दोनों नहीं होना चाहिए हालांकि अगर सरकार कहती है कि मैच होना चाहिए तो फिर यह खेला जाना चाहिए। मगर दोनों देशों के बीच संबंध बेहतर होने चाहिए। वहीं हरभजन ने भारतीय क्रिकेट टीम की क्षमताओं को लेकर कहा कि सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के बाहर होने के बाद भी टीम मजबूत है।

खेलों को राष्ट्र के लिए सामूहिक और साझा मिशन बनना चाहिए : मांडविया

खेलों को हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बनाना होगा : आईओए अध्यक्ष पीटी उषा

नई दिल्ली,12 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत मंडपम में शुक्रवार से दो दिवसीय सम्मेलन प्लेकॉम2025: बिज़नेस ऑफ स्पोर्ट्स समिट शुरू हुआ है। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने समिट में कहा कि खेलों को राष्ट्र के लिए एक सामूहिक और साझा मिशन बनना चाहिए।उन्होंने केपीएमजी स्पोर्टस्टार इंडिया बिज़नेस ऑफ स्पोर्ट्स रिपोर्ट का अनावरण किया और स्पोर्ट्स टेक एंड मैन्युफैक्चरिंग एक्सपो का उद्घाटन किया, जिसमें खेल उद्योग में नवाचार और सहयोग को प्रदर्शित किया गया।

यह दो दिवसीय सम्मेलन द हिंदू ग्रुप के स्पोर्टस्टार की ओर से केपीएमजी इंडिया के सहयोग से नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। डॉ. मांडविया ने अपने संबोधन में कहा कि खेल एक जन आंदोलन बनना चाहिए, जिसमें हर नागरिक की भागीदारी हो। उन्होंने टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) जैसी सरकारी पहलों का जिक्र किया, जो एलीट खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराती है। उन्होंने कहा कि भारतीय खेलों को आगे बढ़ाने के लिए हमें एक समग्र दृष्टिकोण, एक विज़न डॉक्युमेंट, स्पष्ट योजना और सभी हितधारकों की भागीदारी की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय खेल नीति पर उन्होंने कहा कि यह नीति वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से प्रेरित है, लेकिन हमारे अपने मॉडल में निहित है। हमें दुनिया से सीखना है, लेकिन ढांचा भारत की विशिष्ट ताक़तों को दर्शाना चाहिए। नीति सुशासन, मज़बूत इंफ्रास्ट्रक्चर, खेल विज्ञान के उपयोग और व्यवस्थित प्रतिभा पहचान व पोषण पर ज़ोर देती है। मंत्री ने भारत की विविधता को एक अनूठी ताक़त बताते हुए कहा कि साल के एक ही समय पर, हमारे देश का एक हिस्सा हिमालय में भारी बर्फबारी झेलता है, तो दूसरा हिस्सा राजस्थान के रेगिस्तानों में 45 डिग्री की गर्मी का सामना करता है, जबकि दक्षिण भारत में तमिलनाडु में मानसून की बारिश होती है। दुनिया में कहीं और इतनी विविधता नहीं है। भारत के गांवों, शहरों और जनजातीय इलाकों में प्रतिभा है। हमारी ज़िम्मेदारी है कि ऐसा इकोसिस्टम बनाएं, जो हर प्रतिभाशाली बच्चे को अवसर दे। उन्होंने खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसी जमीनी स्तर की योजनाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि संडेज ऑन साइकिल आंदोलन की शुरुआत सिर्फ 250 क्लबों से हुई थी, लेकिन अब यह पूरे देश में 8,000 से ज़्यादा जगहों पर फैल चुका है। यह साबित करता है कि भारत में न जुनून की कमी है और न ही क्षमता की। हमारे युवाओं को सिर्फ अवसर, सम्मान और सही माहौल की ज़रूरत है। अपने विज़न पर ज़ोर देते हुए उन्होंने कहा कि हर बच्चा खेल के प्रति जुनून लेकर बड़ा हो, हर गली खेल का मैदान बने और हर पोडियम पर भारत का तिरंगा लहराए। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और दिग्गज एथलीट पीटी उषा ने कहा कि भारत को खेलों के दायरे को और विस्तृत करना होगा।

हांगकांग ओपन 2025: सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में

हांगकांग। हांगकांग ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शुक्रवार को सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। सात्विक और चिराग, जिन्होंने पिछले कुछ सप्ताहों में शानदार प्रदर्शन किया है और हाल ही में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता है, ने शानदार समन्वय का प्रदर्शन करते हुए 500,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता में 64 मिनट तक चले मुकाबले में मलेशिया के आरिफ जुनैदी और रॉय किंग याप की जुझारू जोड़ी को 21-14, 20-22, 21-16 से हराया। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने धीमी शुरुआत की, लेकिन 12-12 के स्कोर पर एक बार गति पकड़ते ही, उन्होंने दमदार स्मैश के साथ बढ़त बना ली, अपने विरोधियों को ज़्यादा मौका नहीं दिया और लगातार पाँच अंक हासिल कर लिए। मलेशियाई जोड़ी ने दूसरे गेम में अपनी लय पकड़ी और भारतीय खिलाड़ियों के कोर्ट कवरेज से मेल खाते हुए ज़ोरदार वापसी की। पहले गेम में पिछड़ने के बाद, उन्होंने 6-6 से बराबरी कर ली और उसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी से ज़्यादातर समय आगे रहे, लेकिन सात्विक-चिराग ने 20-20 से बराबरी कर ली। लेकिन मलेशियाई जोड़ी ने गेम अपने नाम कर लिया और स्कोर 1-1 कर दिया। निर्णायक गेम में, भारतीयों ने अपने खेल में कुछ सुधार किया और विरोधियों को एक बार भी बढ़त लेने या अंत में आसान जीत हासिल करने का मौका नहीं दिया। अब इस जोड़ी का सामना चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई से होगा।

विश्व तीरंदाजी 2025: रिकर्व में भारत फिर से खाली हाथ, ओलंपिक चैंपियन लिम से हारीं गाथा खडके

नई दिल्ली,12 सितंबर (एजेंसियां)।

रिकर्व तीरंदाजी में विश्व पदक के लिए भारत का लंबा इंतजार और बढ़ गया, क्योंकि देश की आखिरी उम्मीद 15 वर्षीय गाथा खडके शुक्रवार को विश्व चैंपियनशिप में प्री-क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर एक लिम सी-हियोन से हार गईं, जिससे टूर्नामेंट में उनका अभियान समाप्त हो गया।

पेरिस ओलंपिक की तिहरी स्वर्ण पदक विजेता कोरियाई खिलाड़ी ने घरेलू दर्शकों के सामने आसानी से मैच 6-0 से जीत लिया। हालांकि, एकतरफ़ा हार के बावजूद विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल तक गाथा खडके का निडर प्रदर्शन भविष्य के लिए आशा की किरण जगाता है, जहां भारत लगातार असफल रहा है। भारत ने आखिरी बार 2019 में विश्व चैंपियनशिप में रिकर्व पदक जीता था, जब तरुणदीप राय, अतनु दास और प्रवीण जाधव की पुरुष टीम ने डेन बॉश में रजत पदक जीता था।

लिम ने शुरुआत में तीन परफेक्ट 10 लगाकर नियंत्रण हासिल किया और युवा भारतीय खिलाड़ी केवल दो 9 और एक 8 ही लगा सकीं, जिससे उन्हें पहला सेट 26-30 से हारना पड़ा। शानदार नियंत्रण दिखाते हुए लिम ने दूसरे सेट में गति धीमी करने का फैसला किया, लेकिन फिर भी गाथा से आगे रहीं, जो दो 8 और एक 9 पर सिमट गईं। लगातार तीसरे संस्करण में भारतीय रिकर्व तीरंदाज खाली हाथ लौटे। दीपिका कुमारी के एक और निराशाजनक प्रदर्शन ने इस कहानी को और भी पुख्ता कर दिया, जो पहले ही दौर में बाहर हो गईं।

छह बार विश्व चैंपियनशिप में भाग ले चुकीं और चार बार की ओलंपियन दीपिका अभी भी दोनों स्पर्धाओं में अपने पहले पदक की तलाश में हैं। देश के शीर्ष रिकर्व तीरंदाज ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा का प्रदर्शन भी उतना ही निराशाजनक रहा। क्वालीफिकेशन राउंड में खराब प्रदर्शन के बाद धीरज टोक्यो ओलंपिक चैंपियन मेटे गाज़ोज़ के खिलाफ अपने पहले मुकाबले में हारकर बाहर हो गए। भारत के पदक एक बार फिर केवल कंपाउंड वर्ग में ही आए, जिसमें ऋषभ यादव, प्रथमेश फुगे और अमन सैनी द्वारा जीता गया ऐतिहासिक पहला पुरुष टीम स्वर्ण पदक रहा।

मैड्रिड और वारसॉ में होंगे यूईएफए चैंपियंस लीग 2026-27 के फाइनल मुकाबले

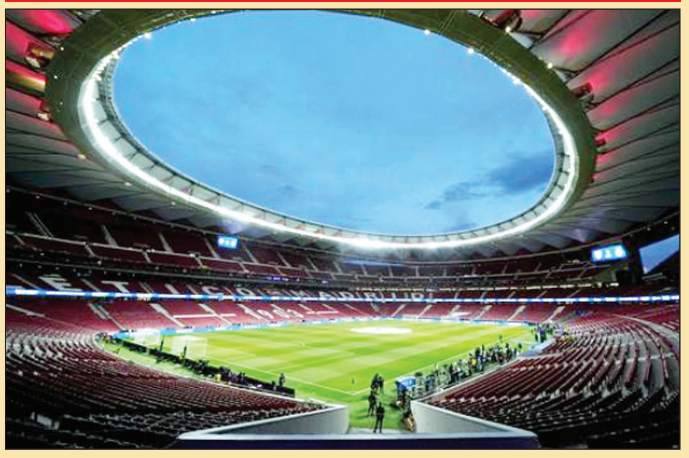

तिराना। यूरोपीय फुटबॉल संघ (यूईएफए) ने घोषणा की है कि 2026-27 सीज़न के पुरुषों और महिलाओं के चैंपियंस लीग फाइनल मुकाबले क्रमश: मैड्रिड और वारसॉ में खेले जाएंगे। यूईएफए की कार्यकारी समिति की गुरुवार को तिराना में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। पुरुषों का फाइनल स्पेन की राजधानी मैड्रिड के एस्टादियो मेट्रोपोलिटानो में होगा, जो एटलेटिको मैड्रिड का घरेलू मैदान है और जहां 2019 में लिवरपूल ने टोटेनहम हॉटस्पर को हराकर खिताब जीता था। महिलाओं का फाइनल पोलैंड की राजधानी वारसॉ के नेशनल स्टेडियम में आयोजित होगा। इसके साथ ही यूईएफए ने यह भी घोषणा की कि अगले साल सुपर कप मुकाबला ऑस्ट्रिया के साल्ज़बर्ग में खेला जाएगा। यूईएफए के मुताबिक, 2026 पुरुषों का चैंपियंस लीग फाइनल बुडापेस्ट के पुश्कास एरेना में और महिलाओं का फाइनल नॉर्वे के ओस्लो स्थित उल्लेवाल स्टेडियम में होगा।

इंडियन ऑयल बना विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का टाइटल स्पॉन्सर

नई दिल्ली,12 सितंबर (एजेंसियां)।

पैरालंपिक समिति ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने शुक्रवार को घोषणा की कि इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड आगामी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का टाइटल स्पॉन्सर होगा। यह प्रतिष्ठित आयोजन 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक नई दिल्ली में होगा। इस साझेदारी के साथ अब यह प्रतियोगिता आधिकारिक रूप से इंडियन ऑयल नई दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के नाम से जानी जाएगी।

यह चैंपियनशिप भारत का अब तक का सबसे बड़ा पैरा खेल आयोजन होगी, जिसमें 104 से अधिक देशों से आए 2,200 से ज्यादा खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में ट्रैक और फील्ड की कुल 186 स्पर्धाओं में पदक दांव पर होंगे। इस आयोजन को 2028 लॉस एंजेलिस पैरालंपिक खेलों के लिए महत्वपूर्ण क्वालिफायर भी माना जा रहा है।

इंडियन ऑयल के चेयरमैन एएस साहनी ने कहा, पीसीआई के साथ हमारी साझेदारी एशियाई पैरा खेलों से लेकर पेरिस पैरालंपिक तक ऐतिहासिक उपलब्धियों से भरी रही है। ये सफलताएं हमारे पैरा खिलाड़ियों के साहस और जज़्बे को दर्शाती हैं। हम 'इंडियनऑयल दिव्याशक्ति' जैसी पहलों से उन्हें और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नई दिल्ली में दुनिया को एकजुट होते देखना भारत की बढ़ती वैश्विक पैरा खेल पहचान का उत्सव होगा। पीसीआई अध्यक्ष और भारत के सबसे सफल पैरा खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया ने कहा, विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का भारत में आयोजन ऐतिहासिक है। 100 से अधिक देशों से आए 2,200 से ज्यादा प्रतिभागियों को राजधानी में प्रतिस्पर्धा करते देखना गर्व की बात है। इंडियन ऑयल के समर्थन से यह आयोजन न सिर्फ विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धा का गवाह बनेगा, बल्कि युवा पैरा खिलाड़ियों को प्रेरणा भी देगा कि कुछ भी असंभव नहीं है।

आईएसएसएफ विश्व कप: भावेश फाइनल की दौड़ में बरकरार, प्रभावित नहीं कर सकीं मेहुली और मानिनी

निंगबो (चीन),12 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत के भावेश शेखावत ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल के चौथे दिन दमदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को यहां पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल क्वालीफिकेशन के पहले चरण में चौथा स्थान हासिल किया।

इस प्रदर्शन की बदौलत भावेश फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बने हुए हैं, लेकिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में भारतीय चुनौती कमजोर पड़ गई और कोई भी निशानेबाज फाइनल राउंड तक नहीं पहुंच सका।

आरपीएफ स्पर्धा में, भावेश ने 97, 99 और 97 के स्कोर के साथ 293-9× का स्थिर स्कोर बनाया और तीसरे स्थान पर रहे।

जर्मनी के इमानुएल म्यूलर 295-12× के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि फ्रांस के क्लेमेंट बेसागेट 294-11× के साथ दूसरे स्थान पर हैं। अन्य भारतीयों में, प्रदीप सिंह शेखावत 288-8× (98, 95, 95) के साथ 24वें स्थान पर हैं, जबकि मंदीप सिंह 272-5× (93, 91, 88) के साथ 43वें स्थान पर हैं। महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन फाइनल में, विश्व की नंबर 1 नॉर्वे की जीनेट हेग डुएस्टैड ने 466.2 के स्कोर के साथ प्रतियोगिता का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता, इससे पहले उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में स्वर्ण पदक जीता था। डुएस्टैड, जिन्होंने इस वर्ष म्यूनिख में विश्व कप में स्वर्ण और लीमा में रजत पदक जीता है, के बाद डेनमार्क की रिक्की मेंग इबसेन ने 463.3 अंकों के साथ रजत और चेक गणराज्य की बारबोरा दुबस्का ने 451.4 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। भारत के लिए, मेहुली घोष ने कुल 583-23× (नीलिंग में 194, प्रोन में 196, स्टैंडिंग में 193) अंक हासिल करके 23वां स्थान हासिल किया, जबकि मानिनी कौशिक ने 580-22× (191, 197, 192) अंक हासिल करके 45वां स्थान हासिल किया। सुरभि भारद्वाज रापोले ने 578-23× (193, 196, 189) अंक हासिल करके 52वां स्थान हासिल किया। 2023 बाकू विश्व चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक जीतने वाली मेहुली ने नीलिंग पोज़िशन में 98 अंक के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन अगली सीरीज़ में लड़खड़ा गईं और 96 अंक बनाकर कुल 194 अंक बनाए। उन्होंने प्रोन पोज़िशन में शानदार वापसी की और 99 और 97 अंक बनाकर कुल 196 अंक बनाए, लेकिन स्टैंडिंग पोज़िशन में फिर से लड़खड़ा गईं और 95 अंक बनाए।

कुलदीप मामले को लेकर मांजरेकर ने गंभीर पर निशाना साधा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने एक बार फिर भारतीय टीम के मुख्य मुख्य कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। एशिया कप के पहले ही मैच में चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव ने एक ही ओवर में तीन विकेट लेकर एक बार फिर दिखाया है कि उनका जवाब नहीं है। इसी को लेकर मांजरेकर ने कहा कि कुलदीप ने महीने भर के बाद भारत के लिए कोई मैच खेला और करीब करीब 15 महीने बाद टी20 मुकाबला खेला है। उसके बाद भी कुलदीप का प्रदर्शन असाधारण रहा है। पिछले कुछ समय में कुलदीप ने कहा था कि अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से वह निराश हो गये थे। ये उनके लिए काफी कठिन था। इसी को लेकर मांजरेकर ने गंभीर पर कटाक्ष किया है। मांजरकेकर ने कहा कि अब कुलदीप शायद ही अगला मैच खेलें। मांजरेकर ने कहा, अब कुलदीप ने एक ओवर में 3 विकेट ले लिए हैं, ऐसे में उन्हें शायद ही अगले मैच में जगह मिलेक्योंकि टीम प्रबंधन ऐसा ही करता है। जब वह अच्छा खेलते हैं तो उन्हें बाहर कर दिया जाता है। उन्होंने 4 विकेट लिए और अब वह अगला मैच खेलेंगे इसकी कोई उम्मीद नहीं है। मांजरेकर ने भले ही ये बात मजाकिया अंदाज में कही पर ये वास्तविकता भी रही है। उन्होंने कहा, मैं मजाक कर रहा हूं लेकिन कुलदीप का करियर तो यही कहता है। बाहर किये जाने के बाद वह कुछ जादुई करते हैं। अगर आप उनके आंकड़ों पर गौर करेंगे तो चाहे टेस्ट हो या एकदिवसीय या टी20 अंतरराष्ट्रीय उनके आंकड़े अविश्वसनीय हैं रहे हैं फिर भी उनकी जगह टीम में पक्की नहीं हुई है।

सर्राफा बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी जारी, नए शिखर पर सोना और चांदी

नई दिल्ली,12 सितंबर (एजेंसियां)।
घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी ने एक बार फिर मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया है। 24 कैरेट सोना पहली बार उछल कर 1.11 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1.02 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार करके कारोबार कर रहा है। चांदी की कीमत भी 2,100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी के साथ मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गई है।

कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,11,280 रुपये से लेकर 1,11,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना 1,02,000 रुपये से लेकर 1,02,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,32,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,11,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,11,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,02,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,11,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,11,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,02,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,11,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,02,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,11,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,02,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,02,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,11,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,02,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,11,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

इंफोसिस ने 18,000 करोड़ का बायबैक किया ऐलान, बाजार भाव से 19 फीसदी प्रीमियम पर होगा बायबैक

नई दिल्ली। आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इंफोसिस ने अपने निवेशकों को बड़ा तोहफा देते हुए 18,000 करोड़ रुपए के बायबैक का ऐलान किया है। इस बायबैक के तहत कंपनी लगभग 10 करोड़ शेयरों को 1,800 रुपए प्रति शेयर की दर से खरीदेगी, जो कि गुरुवार के बंद भाव 1,509.50 रुपए से करीब 19.3 फीसदी अधिक है। यह बायबैक कंपनी की कुल चुकता पूंजी का 2.41 फीसदी होगा। विश्लेषकों का मानना है कि इंफोसिस का यह कदम आईटी सेक्टर में बायबैक की नई लहर को जन्म दे सकता है। एक विश्लेषक के अनुसार यह एक सिग्नल की बजाय निवेशकों को फ्री कैश फ्लो लौटाने की रणनीति है। इंफोसिस ने भी स्पष्ट किया है कि अगले 5 वर्षों में वह अपने 85 फीसदी फ्री कैश फ्लो को डिविडेंड और बायबैक के माध्यम से लौटाएगी। ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए और मॉर्गन स्टेनली का मानना है कि अब टीसीएस और विप्रो जैसी कंपनियां भी इसी राह पर चल सकती हैं। टीसीएस अगले साल की तीसरी तिमाही में लगभग 2,000 करोड़ रुपए का बायबैक ला सकती है। गौरतलब है कि साल 2025 में अब तक इंफोसिस, टीसीएस और विप्रो के शेयरों में क्रमशः 20, 24 और 16 फीसदी की गिरावट आई है। वहीं आईटी सेक्टर का इंडेक्स करीब 17 फीसदी टूटा है, जबकि निफ्टी में 5.5 फीसदी की तेजी देखी गई है।

जीएसटी दर कटौती के बाद बिना बिके स्टॉक की कीमतें संशोधित करने की अनुमति

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने 9 सितंबर को जारी परिपत्र के तहत विनिर्माताओं और आयातकों को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती के बाद 22 सितंबर से लागू होने वाले नियमों के तहत बिना बिके स्टॉक के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) संशोधित करने की अनुमति दी है। यह निर्णय उद्योग जगत की प्रस्तुतियों के बाद लिया गया है। परिपत्र में कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे जीएसटी दर कटौती या बढ़ोतरी के अनुसार कीमतों को घटाएं या बढ़ाएं। हालांकि, कंपनियों के लिए यह कठिनाई भरा है क्योंकि उनके पास मौजूद स्टॉक पर पहले से उच्च इनपुट टैक्स चुकाया गया है, जिसका रिफंड नहीं मिलेगा। ऐसे में पूरी कटौती के आधार पर कीमतें घटाना उनके लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। वित्त मंत्रालय और उपभोक्ता मामलों का विभाग इस मुद्दे पर विचार कर रहे हैं, खासकर वितरकों और डीलरों के संचित इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के समाधान के लिए। संभावना है कि सरकार 31 दिसंबर तक कीमतों में इस लागत को समायोजित करने पर फैसला ले सकती है।

महीने के अंत तक होने लगेगी हीरो के स्कूटर जूम 160 डिलेवरी

नई दिल्ली। दो पहिया वाहन निर्माता हीरो मोटोकॉर्प कंपनी ने स्कूटर जूम 160 की बिक्री और डिलीवरी का ऐलान कर दिया है। इस महीने के अंत तक स्कूटर ग्राहकों तक पहुंचने लगेगा। इसे सिर्फ हीरो की प्रीमिया डीलरशिप्स से बेचा जाएगा।

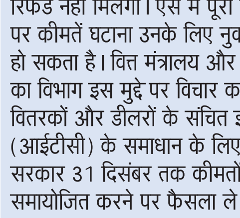

भारतीय बाजार में इसका मुकाबला यामाहा एरोक्स 155, अप्रिलिया एसआर 175 और हाल ही में लॉन्च हुए टीवीएस एनटॉर्क 150 से होगा। स्कूटर की शुरुआती कीमत रुपए 1.48 लाख (एक्स-शोरूम) रखी गई है। जूम 160 युवाओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है और इसमें कई एडवांस फीचर्स जोड़े गए हैं। इसमें आई3एस साइलेंट स्टार्ट टेक्नोलॉजी, डुअल-चेंबर एलईडी हेडलैंप, एडीवी-स्टाइल फ्रंट बीक, स्टेप-अप सीट, अपस्वेप्ट एग्जॉस्ट, स्मार्ट-की और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन वाला डिजिटल कंसोल दिया गया है। स्कूटर चार रंगों—मैट रेनफॉरेस्ट ग्रीन, समिट व्हाइट, कैन्यन रेड और मैट वॉल्केनिक ग्रे—में उपलब्ध है। हीरो जूम 160 में 156सीसी का लिक्विड-कूल्ड इंजन लगा है, जो 14.6 बीएचपी पावर और 14 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसमें सीवीटी ट्रांसमिशन और सिंगल-चैनल एबीएस स्टैंडर्ड फीचर के तौर पर दिया गया है। स्कूटर की सीट ऊंचाई 787एमएम, व्हीलबेस 1,348एमएम और ग्राउंड क्लीयरेंस 155एमएम है। इसमें 7-लीटर फ्यूल टैंक और 142 किलो का कर्ब वेट है। कंपनी का दावा है कि बड़े टायर और मजबूत सस्पेंशन के कारण यह स्कूटर शहर की सड़कों और उबड़-खाबड़ रास्तों दोनों पर बेहतरीन परफॉर्मेंस देगा।

एसयूवी टाटा पंच अब पहले से ज्यादा किफायती

नई दिल्ली,12 सितंबर (एजेंसियां)।
जीएसटी की दरें कम होने के बाद लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी टाटा पंच अब पहले से ज्यादा किफायती हो गई है। कंपनी ने पंच के सभी वैरिएंट्स की कीमतों में भारी कमी की है। पहले जहां इसका बेस वैरिएंट रुपए 6.20 लाख में उपलब्ध था, वहीं अब यह घटकर प्रतिशत 5.48 लाख हो गया है। यह नई कीमतें 22 सितंबर 2025 से लागू हो गई हैं। दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए जीएसटी 2.0 के तहत छोटे इंजनों और कॉम्पैक्ट गाड़ियों पर टैक्स स्लैब घटा दिया गया है। इस बदलाव का सीधा असर टाटा मोटर्स की कीमतों पर पड़ा है। नई जीएसटी व्यवस्था के तहत 1,200 सीसी इंजन और 4 मीटर तक लंबाई वाली गाड़ियों पर टैक्स 28प्रतिशत से घटाकर 18प्रतिशत कर दिया गया है। इसके चलते ग्राहकों को लगभग 8.5 प्रतिशत तक की सीधी बचत हो रही है। टाटा पंच के अलग-अलग वैरिएंट्स में कीमतों में कटौती रुपए 58,000 से लेकर रुपए 88,000 तक दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा फायदा क्रिएटिव प्लस स कैमो पेट्रोल-ऑटोमैटिक वैरिएंट पर मिल रहा है, जिसकी कीमत करीब रुपए 88,000 कम हुई है। वहीं बेस वैरिएंट में रुपए 71,000 तक की कटौती दर्ज की गई है।

टाटा पंच अपनी दमदार बिल्ड क्वालिटी और आकर्षक डिजाइन के लिए जानी जाती है। इसे भारत एनकैप से 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग भी मिल चुकी है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे सुरक्षित एसयूवी बनाती है। यह गाड़ी पेट्रोल और सीएनजी दोनों विकल्पों में उपलब्ध है। बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस और आरामदायक ड्राइविंग अनुभव के कारण यह शहर और हाईवे दोनों के लिए बेहतरीन मानी जाती है। कंपनी का कहना है कि यह प्राइस कट फेस्टिव सीजन से पहले ग्राहकों को एक बड़ा आकर्षण देगा।

स्कोडा ऑटो ने अपना नया विज़न ओ कॉन्सेप्ट पेश किया

नई दिल्ली। कार निर्माण क्षेत्र की अग्रणी कंपनी स्कोडा ऑटो ने अपना नया विज़न ओ कॉन्सेप्ट पेश किया है। यह इलेक्ट्रिक तकनीक, टिकाऊ सामग्रियों और एडवांस्ड ऑटोनॉमस फीचर्स के साथ भविष्य की एस्टेट कारों का नया मानक तय करने का प्रयास है। स्कोडा ऑटो कंपनी का कहना है कि यह पहला कॉन्सेप्ट मॉडल है जिसे पूरी तरह इंटीरियर से एक्सटीरियर की सोच के साथ डिजाइन किया गया है।

इसमें 1.2 मीटर चौड़ा होराइजन डिस्प्ले, सहज एचएमआई आर्किटेक्चर और बायो-एडेप्टिव लाइटिंग दी गई है, जो प्राकृतिक प्रकाश चक्र के अनुसार तालमेल बिठाती है। गाड़ी में 650 लीटर से अधिक का बूट स्पेस है और सिम्पली क्लेवर सुविधाओं के तहत पोर्टेबल ब्लूटूथ स्पीकर, इंटीग्रेटेड फ्रिज और वायरलेस चार्जिंग पॉड्स दिए गए हैं। टिकाऊपन पर ध्यान देते हुए इसमें रीसाइकल्ड प्लास्टिक, प्लांट-बेस्ड अल्ट्रासुएड, लेदर वेस्ट से बनी अपसाइकल्ड सामग्री और मोनो-मटीरियल्स का इस्तेमाल किया गया है। यहां तक कि इसके 3 डी प्रिंटेड हनीकॉम्ब हेडरेस्ट भी आराम और रीसाइक्लिंग को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। टेक्नोलॉजी के मामले में यह कॉन्सेप्ट एडवांस्ड ऑटोनॉमस ड्राइविंग फीचर्स से लैस है। इसका ट्रांक्यूल मोड केबिन को रिलैक्सिंग स्पेस में बदल देता है। यह असिस्टेंट विजन ओ ऐप और अपडेटेड मायस्कोडा ऐप से जुड़ा है, जिसमें गूगल जेमिनी आधारित एआई रूट प्लानिंग शामिल है। डिज़ाइन के लिहाज से इसमें नया टेक-लूप फेस मास्क, एक्टिव कूलिंग वेंट्स, रिट्रैक्टेबल डोर हैंडल्स और मिका-पर्ल पेंट दिया गया है, जो रोशनी के अनुसार टोन बदलता है। इसकी लंबाई 4,850 एमएम, चौड़ाई 1,900एमएम और ऊंचाई 1,500एमएम है। स्कोडा ने 1998 से अब तक अपनी ओक्टिविया और सुपर्ब कॉम्बी गाड़ियों के जरिए 3.6 मिलियन से अधिक एस्टेट बेचे हैं। विज़न ओ इसी विरासत को आगे बढ़ाता है और कंपनी आने वाले दशक में इसे प्रोडक्शन मॉडल के तौर पर उतारने की योजना बना रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए इसमें स्कोडा की एआई-पावर्ड डिजिटल असिस्टेंट लाउरा दी गई है, जो रूट प्लान करने के साथ-साथ कहानियां सुनाने और मीटिंग नोट्स लेने जैसे काम भी करती है।

निसान की मैग्नाइट एसयूवी की कीमतों में की 1 लाख रुपए की कमी

नई दिल्ली,12 सितंबर (एजेंसियां)।
केंद्र सरकार द्वारा यात्री वाहनों पर जीएसटी कम करने के बाद निसान मोटर इंडिया ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी मैग्नाइट की नई रेंज की कीमतों में 1 लाख रुपए तक की कमी की है। निसान ने स्पष्ट किया कि कर कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया जाएगा। एंट्री-लेवल नई निसान मैग्नाइट विसिया एमटी अब 6 लाख रुपए से कम में उपलब्ध होगी, जबकि एन-कनेक्टा सीवीटी और कुरो स्पेशल एडिशन सीवीटी की कीमत अब 10 लाख रुपए से नीचे आ गई है। वहीं, टॉप-एंड सीवीटी टेक्ना और टेक्ना प्लस वेरिएंट्स भी करीब 1 लाख रुपए सस्ते हो गए हैं। निसान ने ग्राहकों को और राहत देते हुए मैग्नाइट के लिए सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट की कीमत भी घटा दी है। यह किट अब 71,999 रुपए में उपलब्ध होगी, जिससे खरीदारों को अतिरिक्त 3,000 रुपए की बचत होगी। सरकार द्वारा अनुमोदित विक्रेता मोटोजेन द्वारा विकसित यह किट तीन साल या 1 लाख किमी की वारंटी के साथ आती है और कार के 336 लीटर बूट स्पेस को बरकरार रखती है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि जीएसटी में कटौती ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए समय पर लिया गया महत्वपूर्ण कदम है और इससे ग्राहकों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि त्योहारी सीजन में मांग और अधिक बढ़ेगी और कंपनी की बिक्री में मजबूती आएगी। नई कीमतें 22 सितंबर, नवरात्रि के पहले दिन से सभी डिलीवरी पर लागू होंगी, हालांकि ग्राहक पहले से ही नई दरों पर डीलरशिप से मैग्नाइट बुक कर सकते हैं। हाल ही में निसान ने ऑल-ब्लैक थीम के साथ मैग्नाइट कुरो स्पेशल एडिशन लॉन्च किया है और टेक्ना, टेक्ना प्लस तथा एन-कनेक्टा वेरिएंट्स में नया मेटैलिक ग्रे विकल्प जोड़ा है। स्टाइलिश डिजाइन, प्रीमियम फीचर्स और 55 से अधिक सेफ्टी एलिमेंट्स के चलते मैग्नाइट अब वैश्विक स्तर पर 65 से अधिक देशों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है। बता दें कि मैग्नाइट को भारत की सबसे सुरक्षित कॉम्पैक्ट एसयूवी में गिना जाता है। इसमें मानक के रूप में छह एयरबैग दिए गए हैं और इसे जीएनसीएपी से वयस्क यात्री सुरक्षा के लिए 5-स्टार रेटिंग मिल चुकी है। कंपनी ने इसके लिए अपनी तरह की पहली 10 साल की एक्सटेंडेड वारंटी योजना भी पेश की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वोट चोरी का...

लगातार विवादों में घिरी रहती हैं। कांग्रेस का चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समझौता करना हो या फिर राहुल गांधी की रहस्यमय विदेशी यात्राएं, उनकी संदिग्ध गतिविधियां हमेशा देश की नजरों में गंभीर सवालों की तरह चुभ रही हैं। राहुल गांधी की विदेशी अधिकारियों से गुप्त मुलाकातें, कजाकिस्तान, रूस और इंडोनेशिया से चलाए गए बॉट्स के जरिए सोशल मीडिया पर असर डालने वाले कैंपेन इन सबने कांग्रेस पार्टी के प्रति जनता का शक और गहरा कर दिया है। इसके अलावा भारत के दुश्मन माने जाने वाले देश तुर्की में कांग्रेस के दफ्तर खोलने की योजना, संदिग्ध सोशल मीडिया गतिविधियां और बिना किसी सबूत के बार-बार भारत की चुनावी प्रणाली पर सवाल खड़े करना वाकई चिंताजनक है। राहुल गांधी की ताजा मलेशिया यात्रा के दौरान राहुल गांधी की संदेहास्पद विदेशी तत्वों से हुई मुलाकात भी उजागर हो चुकी है। इन राष्ट्र विरोधी गतिविधियों पर भारत सरकार की चुप्पी भी देश के लोगों को काफी खल रही है।

सीपी राधाकृष्णन...

और उनके एक बेटा और एक बेटी है। उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए के प्रत्याशी चुने जाने से पहले तक वह महाराष्ट्र के राज्यपाल थे। वह पिछले साल जुलाई में महाराष्ट्र के राज्यपाल बने थे। इससे पहले, फरवरी 2023 में उन्हें झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। झारखंड के राज्यपाल रहते उन्होंने तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उप राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार संभाला था। राधाकृष्णन ने दक्षिण भारत में भाजपा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।सार्वजनिक जीवन में उनका प्रवेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक के रूप में हुआ था। वह 1974 में भारतीय जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी समिति के सदस्य बने। 1996 में उन्हें तमिलनाडु में भाजपा का सचिव नियुक्त किया गया। इसके बाद वह कोयंबटूर से 1998 और 1999 में दो बार लोकसभा के लिए चुने गए। हालांकि, 2004, 2014 और 2019 में लगातार तीन बार कोयंबटूर से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। सांसद रहते हुए वह संसदीय स्थायी समिति (कपड़ा मंत्रालय) के अध्यक्ष रहे। इसके अलावा, वह स्टॉक एक्सचेंज घोटाले की जांच के लिए बनी विशेष संसदीय समिति के सदस्य थे।वर्ष 2004 में संसदीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में राधाकृष्णन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया था। वह ताइवान जाने वाले पहले संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भी थे। वर्ष 2016 में उन्हें कोच्चि स्थित कॉयर बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया था, जहां उन्होंने चार साल तक काम किया। उनके नेतृत्व में भारत से नारियल रेशे के निर्यात रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई थी।

सीआरपीएफ ...

ताकि खतरे का आकलन कर उन्हें सुरक्षित रखा जा सके। अलग-अलग खतरे की स्थिति को देखते हुए एक्स, वाई, जेड और जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी जाती है। इतिहास गवाह है कि अगर सुरक्षा नियमों को गंभीरता से न लिया जाए तो इसके भयानक परिणाम हो सकते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी अपनी सुरक्षा एजेंसियों की सलाह और प्रोटोकॉल की अनदेखी की थी, जिसका नतीजा उनकी हत्या के रूप में सामने आया। यही वजह है कि सीआरपीएफ बार-बार राहुल गांधी को नियमों का पालन करने की सलाह दे रही है।

कांग्रेस सांसद गौरव...

असम के लोग जानते हैं कि उन्होंने सिर्फ आरोपों के आधार पर एक बनावटी कहानी बनाई है ताकि अपनी सरकार के भ्रष्ट शासन को छिपा सकें और यह दिखा सकें कि उन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी का इस्तेमाल अपने परिवार को अमीर बनाने, भारी संपत्ति और अवैध धन इकट्ठा करने के लिए किया।जैसा कि पहले भी यह सामने आ चुका है कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोल्बर्न दिल्ली के क्लाइमेट एंड डेवलपमेंट नॉलेज नेटवर्क में प्रोजेक्ट मैनेजर हैं। हैरानी की बात है कि पाकिस्तानी मूल का अली तौकीर शेख सीडीकेएन के एशिया के लिए रीजनल डायरेक्टर है। वह भारत के खिलाफ खासकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए फेक न्यूज फैलाता रहा है। उसने दिल्ली दंगों का मुद्दा संसद में उठाने के लिए गोगोई का समर्थन भी किया था। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने भी गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न पर गंभीर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि कोलबर्न 2011-15 के बीच क्लाइमेट एंड डेवलपमेंट नॉलेज नेटवर्क (सीडीकेएन) और लीड जैसे संगठनों के लिए काम करते हुए अधिकतर समय पाकिस्तान में रहीं। सरमा ने दावा किया था कि कोलबर्न पाकिस्तान सरकार की एक टास्क फोर्स में शामिल थीं, जो कथित तौर पर आईएसआई का मुखौटा थी।सरमा ने इस साल फरवरी में दावा किया था कि आईएसआई से संबंधों के आरोप, युवाओं को पाकिस्तान दूतावास में ले जाकर ब्रेनवॉश और कट्टरपंथी बनाने, पिछले 12 सालों से भारतीय नागरिकता न लेने, धर्म परिवर्तन के कार्टेल में हिस्सा लेने और जॉर्ज सोरोस जैसे बाहरी स्रोतों से राष्ट्रीय सुरक्षा को अस्थिर करने के लिए फंड लेने जैसे गंभीर सवालों का उन्हें जवाब देना होगा। ये चिंताएं नजरअंदाज नहीं की जा सकतीं। सरमा ने कोलबर्न की ब्रिटिश नागरिकता और उनके सुपरवाइजर अली तौकीर शेख के भारत विरोधी प्रोपेगेंडा का भी जिक्र किया था। सरमा ने यह भी सवाल उठाया था कि क्या गौरव गोगोई के पिता और पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के कार्यकाल में आईएसआई का असम के मुख्यमंत्री कार्यालय तक दखल था। गृह मंत्री अमित शाह ने 29 जुलाई को ऑपरेशन सिंदूर पर संसदीय चर्चा के दौरान यही बात कही थी। उन्होंने गोगोई की ओर मुखातिब होते हुए कहा था, आप कई बार पाकिस्तान गए हैं, लेकिन क्या कभी बॉर्डर वाले इलाकों में गए हैं। क्या आप समझते हैं कि हमारे सैनिक किस परिस्थितियों में काम करते हैं।

विकास के लिए...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शनिवार को संभावित मणिपुर दौरे से पहले इंफाल और चुराचांदपुर में सुरक्षा इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री के मणिपुर दौरे को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन उनके मिजोरम यात्रा के बाद मणिपुर पहुंचने की संभावना है। राज्य में प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर तैयारियां काफी तेजी से चल रही हैं। इंफाल में करीब 237 एकड़ में फैले कांगला किले और चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड के आसपास बड़ी संख्या में राज्य और केंद्रीय बलों के जवान तैनात किए गए हैं। वहां पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए एक भव्य मंच का निर्माण भी किया जा रहा है। इसी क्रम में राज्य में कई बैठकें भी आयोजित की जा चुकी हैं। मई 2023 में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद मोदी की यह पहली मणिपुर यात्रा होगी। राज्य में महीनों जारी रही हिंसा में 250 से ज्यादा लोग मारे गए और हजारों बेघर हो गए।राज्य कर्मचारियों के साथ केंद्रीय सुरक्षा दल कांगला किले का चौबीसों घंटे निरीक्षण कर रहे हैं और राज्य आपदा प्रबंधन बल की नौकाओं को किले के चारों ओर की खाइयों में गश्त के लिए लगाया गया है। 1891 में रियासत के विलय से पहले कांगला किला तत्कालीन मणिपुरी शासकों की सत्ता का प्राचीन केंद्र हुआ करता था। तीन तरफ खाइयों और पूर्वी तरफ इंफाल नदी से घिरा यह किला एक बड़े पोलो मैदान, जंगल, मंदिरों के खंडहर और राज्य पुरातात्विक कार्यालयों से घिरा है। केंद्रीय सुरक्षा अधिकारियों का एक दल पहले ही चुराचांदपुर पहुंच चुका है। पुलिस व अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है और पीस ग्राउंड की ओर जाने वाले मार्ग पर बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं। यहां पर प्रधानमंत्री के एक जनसभा को संबोधित करने की उम्मीद है। राज्य के अन्य हिस्सों में भी संवेदनशील और सीमांत क्षेत्रों में तलाशी अभियान जारी है। सीआरपीएफ ने पहाड़ी और घाटी दोनों जिलों में असामाजिक तत्वों की आवाजाही पर रोक लगाने के लिए अस्थायी चौकियां स्थापित की हैं।पीएम मोदी के दौरे से पहले गुरुवार शाम को कुकी बहुल चुराचांदपुर जिले में दो स्थानों पर उपद्रवियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हुई। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी। उपद्रवियों ने सड़कों पर लगे बैनर और कटआउट फाड़ दिए। वहीं, पियर्सनमुन गांव और फिलियन बाजार में प्रधानमंत्री के दौरे के लिए लगाए गए बैरिकेड्स को भी तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि बदमाशों ने फटे हुए टुकड़ों में आग लगा दी और भागने से पहले सुरक्षाकर्मियों पर पत्थर फेंके। एक जिला अधिकारी ने बताया कि चुराचांदपुर में व्यवस्था और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए अर्धसैनिक बलों द्वारा फ्लैग मार्च और गश्त जारी है।

2024 चुनावों में...

मद्रास हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि इस याचिका में कोई ठोस सामग्री या विस्तृत जानकारी नहीं है। यह एक अस्पष्ट और सामान्य शिकायत है, जिसमें कोर्ट से गहन जांच की मांग की गई, जो उचित नहीं है। हाईकोर्ट ने यह भी माना कि चुनाव आयोग को अपनी स्थिति स्पष्ट करने का कोई आदेश नहीं दिया जा सकता, क्योंकि यह उसकी जिम्मेदारी है कि वह अपनी जांच और फैसले खुद करे। इसके बाद हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जो तमिलनाडु स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी को एक महीने के अंदर जमा करना होगा। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस फैसले में मेरिट पर कोई राय नहीं दी गई है और चुनाव आयोग को अपने फैसले लेने की आजादी बरकरार रहेगी।

यह फैसला कांग्रेस के वोट चोरी के दावे पर एक बड़ा सवालिया निशान लगाता है। भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने ट्वीट करके इस फैसले को कांग्रेस के झूठे प्रचार का पर्दाफाश बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन विदेश में तैयार किया गया था, जिससे इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं। अमित मालवीय ने कहा कि कोर्ट ने याचिका को भ्रामक, अस्पष्ट और सबूतों से खाली करार दिया है। साथ ही 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाकर कोर्ट ने यह संदेश दिया कि राजनीतिक हितों के लिए चुनाव प्रक्रिया को बदनाम करने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह फैसला 2024 के लोकसभा चुनावों की निष्पक्षता और भाजपा की ऐतिहासिक जीत की वैधता को मजबूत करता है। उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पार्टी बेकार की कानूनी लड़ाइयों और प्रचार में समय बर्बाद कर रही है, जबकि भाजपा सरकार, स्थिरता और विकास पर ध्यान दे रही है।

नेपाल की अंतरिम...

शुक्रवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति भवन में उन्हें शपथ दिलाई। इससे पहले नेपाल की संसद को भंग कर दिया गया था। सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला अंतरिम प्रधानमंत्री बन गई हैं। उन्हें राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति भवन शीतल निवास में शपथ दिलाई। सुशीला कार्की के शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति रामसहाय यादव, काठमांडू के मेयर बालेन शाह, मुख्य न्यायाधीश प्रकाश सिंह रावत उपस्थित थे। राष्ट्रपति ने यह नियुक्ति संविधान की धारा 61 का हवाला देते हुए की। धारा 61 (4) के अनुसार राष्ट्रपति का मुख्य कर्तव्य संविधान का पालन और संरक्षण करना तथा राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करना है।इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रपति के कार्यालय शीतल निवास में दोपहर दो बजे से शाम साढे सात बजे तक चली उच्च स्तरीय बैठक में संसद को भंग करने और कार्की को शपथ दिलाने पर सहमति बनी। जेन-जी के प्रतिनिधियों ने दो दिन से चल रही वार्ता में स्पष्ट किया था कि संसद भंग किए बिना वे नई सरकार का गठन स्वीकार नहीं करेंगे। शुक्रवार को दिन भर हुए विचार-विमर्श के बाद पौडेल ने शाम को सुशीला कार्की को निर्णायक वार्ता के लिए शीतल निवास बुलाया। इस बैठक में अधिवक्ता ओमप्रकाश अर्याल, रमण कर्ण और जेन-जी समूह की ओर से सुदन गुरुंग उपस्थित थे।अंतरिम सरकार के नए प्रधानमंत्री का कार्यालय सिंह दरबार में निर्माणाधीन गृह मंत्रालय के भवन में बनाया जाएगा। नेपाल के मुख्य सचिव एकनारायण अर्याल के नेतृत्व में सचिवों की टोली ने विभिन्न भवनों का दौरा कर इस भवन का चयन किया। एक सचिव ने बताया, कई विकल्पों पर विचार किया गया लेकिन अधिकांश भवन आंदोलन के दौरान क्षतिग्रस्त कर दिए जाने के कारण गृह मंत्रालय के निर्माणाधीन भवन को ही प्रधानमंत्री कार्यालय के लिए सही पाया गया।

मंगल आज करेंगे तुला राशि में गोचर

मंगल 13 सितंबर को रात 08:21 मिनट पर कन्या राशि की यात्रा को खत्म करते हुए तुला राशि में गोचर करेंगे। मंगल को ज्योतिष शास्त्र में अग्नि तत्व का प्रतिनिधि और क्रूर ग्रह माना जाता है, जो साहस, ऊर्जा, जुझारूपन और संघर्ष का प्रतीक है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि मंगल 13 सितंबर को मंगल रात 08:21 मिनट पर कन्या राशि से तुला राशि में गोचर करेंगे। मंगल तुला राशि में 27 अक्टूबर तक रहेगा। यह ग्रह जीवन में सक्रियता और पराक्रम लाता है, लेकिन इसकी कमजोर या अशुभ स्थिति व्यक्ति के स्वास्थ्य, संबंधों और वित्तीय स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। मंगल ग्रह की स्थिति व्यक्ति की कुंडली में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यदि मंगल कमजोर हो या अशुभ स्थिति में हो, तो इसके कारण कई प्रकार की परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं, जैसे तनाव, पारिवारिक झगड़े, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और आर्थिक नुकसान।

ज्योतिष शास्त्र में मंगल ग्रह को ऊर्जा, साहस, पराक्रम और दृढ़ संकल्प का कारक ग्रह माना जाता है। मंगल ग्रह का संबंध भूमि से भी होता है। जिन जातकों की कुंडली में मगंल ग्रह शुभ स्थान पर होते हैं वह व्यक्ति साहसी, नेतृत्व करने में योग्य और बहुत ही उत्साही स्वभाव का होता है, वहीं दूसरी तरफ मंगल के कुंडली में पीड़ित होने पर व्यक्ति व्यक्ति में आक्रामकता,संघर्ष और आतुरता से भरा हुआ होता है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में मंगल को ऊर्जा, साहस, आक्रामकता और दृढ़ संकल्प का प्रतीक होता है। मंगल के गोचर करने से देश दुनिया पर विशेष तरह का प्रभाव देखने को मिलता है। इसके साथ ही सभी 12 राशियों के जातकों के ऊपर भी प्रभाव देखने को मिलता है।

ग्रहों के सेनापति हैं मंगल

ज्योतिष शास्त्र में मंगल को सभी ग्रहों का सेनापति होने का दर्जा प्राप्त है। मंगल मेष राशि और वृश्चिक राशि के स्वामी माने गए हैं। मकर राशि में मंगल उच्च के हो जाते हैं वहीं कर्क राशि में मंगल को नीच का माना जाता है। सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति से इनकी मित्रता है। बुध से मंगल की नहीं बनती है। जबकि शुक्र और शनि इनके सम संबंध हैं। मंगल देव पराक्रम, स्फूर्ति, साहस, आत्मविश्वास, धैर्य, देश प्रेम, बल, रक्त, महत्वकांक्षा एवं शस्त्र विद्या के अधिपति माने गए है। यहां आपको विशेष रूप से बताना चाहता हूं कि अग्नि तत्व होने से मंगल सभी प्राणियों को जीवन शक्ति देता है। यह प्रेरण, उत्साह एवं साहस का प्रेरक होता है।

मंगल का शुभ-अशुभ प्रभाव

रोजगार के क्षेत्रों में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। सब्जियां, तिलहन और दलहन की कीमतें कम होंगी। व्यापार में तेजी रहेगी। सोने चांदी के भाव में वृद्धि होगी। राजनीति में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। मंगल की वजह से दुर्घटना होने की आशंका है। देश के कुछ हिस्सों में हवा के साथ बारिश रहेगी। भूकंप या अन्य तरह से प्राकृतिक आपदा आने की भी आशंका है।

करें पूजा-पाठ और दान

मंगल के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। तांबे के बर्तन में गेहूं रखकर दान करने चाहिए। लाल कपड़ों का दान करें। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं।

मंगल का तुला राशि में गोचर का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

मेष राशि –कार्यक्षेत्र में उन्नति के प्रबल योग हैं और धन लाभ की भी संभावना बन रही है। जिन लोगों का व्यापार है, उन्हें नए अवसर मिल सकते हैं, लेकिन पार्टनरशिप में सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि गलतफहमी से नुकसान हो सकता है। वैवाहिक जीवन में प्रेम और अपनापन बढ़ेगा, परंतु आपका गुस्सा कभी-कभी रिश्ते में दूरी भी ला सकता है, इसलिए वाणी में संयम रखें।

वृषभ राशि –रोग, ऋण और शत्रुओं से छुटकारा मिलने के संकेत हैं। यदि आपके ऊपर कर्ज है तो इस समय उसे चुकाने की स्थिति बन सकती है। पेट से संबंधित परेशानी या गैस्ट्रिक इश्यू से सावधान रहें। विदेशी कंपनियों से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा। पारिवारिक स्तर पर चाचा के साथ विवाद संभव है। जमीनी कार्यवाही या संपत्ति से जुड़े कामों में तेजी आएगी।

मिथुन राशि –आपकी रचनात्मकता और कला के क्षेत्र से जुड़े कार्य अच्छा लाभ देंगे। शेयर मार्केट या सट्टा जैसी गतिविधियों में सोच-समझकर कदम उठाएं। गर्भवती महिलाओं को विशेष सावधानी बरतनी होगी, चोट-चपेट से बचें। विज्ञान, शोध या नए प्रयोग करने वालों को सफलता मिल सकती है। संपत्ति और धन लाभ के योग भी बन रहे हैं।

कर्क राशि–घर-परिवार में वातावरण तनावपूर्ण हो सकता है। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता हो सकती है, विशेषकर पेट दर्द या पाचन से जुड़ी समस्या। यदि बड़े भाई या चाचा के साथ पहले से विवाद चल रहा था तो इस समय वह और गहरा सकता है। वैवाहिक जीवन और पारिवारिक तालमेल में उतार-चढ़ाव रहेगा, इसलिए धैर्य रखें।

सिंह राशि–यात्रा योग विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों में बन रहे हैं। छोटे भाई-बहनों से विवाद हो सकता है, इसलिए व्यवहार में संयम रखें। आपकी वाणी कभी-कभी कठोर हो सकती है, जिससे बहस का माहौल बन सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन आपके साहसिक प्रयास आपको नए अवसर देंगे।

कन्या राशि–खानपान में लापरवाही आपकी सेहत बिगाड़ सकती है, मसालेदार और बाहर का खाना अवॉइड करें। खर्च ज्यादातर कपड़े, आभूषण या फल-फूल जैसी वस्तुओं पर हो सकता है। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल नहीं है, तनाव बना रहेगा। अचानक किसी मेहमान का आगमन संभव है। आंखों में चोट या परेशानी से सावधान रहें।

तुला राशि–स्वास्थ्य को लेकर विशेष सतर्क रहें, माता के स्वास्थ्य की भी अनदेखी न करें। विवाहित लोगों के रिश्तों में तनाव आ सकता है, लेकिन नए विवाहित जोड़ों के लिए यह समय प्रेम और गहराई बढ़ाने वाला है। मेडिकल चेकअप करवाते रहें और गुस्से पर काबू रखें।

वृश्चिक राशि–पहाड़ी क्षेत्र में छोटी यात्राओं के योग हैं। मित्रों के साथ संबंधों में खटास आ सकती है, जिससे आप थोड़ा मानसिक तनाव महसूस करेंगे। शत्रु अचानक सक्रिय हो सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। आर्थिक मामलों में संयम बरतें, अन्यथा खर्चा हाथ से निकल सकता है।

धनु राशि–आय के नए स्रोत खुलेंगे। परिवार में चल रहा विवाद दोबारा उभर सकता है, वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक है। मित्रों से तनाव हो सकता है। संतानोत्पत्ति के लिए समय अच्छा है। सामाजिक दायरे का विस्तार होगा और आपके प्रयासों से मान-सम्मान मिलेगा।

मकर राशि–यह गोचर आपके लिए उन्नति लेकर आएगा। नौकरी या व्यवसाय में नए अवसर मिलेंगे। पराक्रम से सफलता मिलेगी और अधिकारी वर्ग से प्रशंसा प्राप्त होगी। जो लोग नेवी, आर्मी या पुलिस विभाग में हैं, उनके लिए समय अत्यंत लाभकारी है। करियर ग्रोथ के लिहाज से यह गोचर बहुत अच्छा है।

कुंभ राशि–धार्मिक यात्राओं या किसी पवित्र स्थल की यात्रा योग में है। धन खर्च अधिक होगा, खासकर धार्मिक कार्यों में। कार्यक्षेत्र में तनाव रहेगा और मित्रता संबंधों में भी खटास संभव है। छोटे भाई से विवाद की स्थिति बन सकती है। माता के स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

मीन राशि–अचानक चोट या दुर्घटना से सावधान रहें। यदि कोई कोर्ट केस या विवादित मामला चल रहा था तो वह आपके पक्ष में आ सकता है। संतानोत्पत्ति के लिए यह समय अनुकूल है। पेट्रोलियम, केमिकल या कंस्ट्रक्शन क्षेत्र से जुड़े जातकों को लाभ मिलेगा।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

पितृपक्ष में घर के इन स्थानों पर जलाकर देखें आटे का दीपक, पितर होंगे प्रसन्न और कंगाली होगी दूर

पितृपक्ष की हिंदू धर्म में विशेष मान्यता होती है, जिसका आरंभ 7 सितंबर से हो चुका है। इस अवधि में लोग अपने पूर्वजों के लिए तर्पण, श्राद्ध और पिंड दान करते हैं। ऐसा करने से पितर प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा जातक पर बनी रहती है। वहीं, अगर आप पितृपक्ष के दौरान अपने पूर्वजों को याद करते हुए घर के कुछ स्थानों पर रोज आटे का दीपक जला दें, तो इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, पितृदोष से छुटकारा मिलता है और घर की समस्याएं भी धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं।

मुख्य द्वार पर जलाएं आटे का दीपक

पितृपक्ष के दौरान अपने घर के मुख्य द्वार पर रोजाना आटे का दीपक रखना बेहद शुभ माना जाता है। यह उपाय शाम के वक्त जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है। अगर आप पितृपक्ष में मुख्य द्वार पर आटे का दीपक जलाते हैं, तो इससे पूर्वज बेहद प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा परिवार के सभी सदस्यों पर बनी रहती है। साथ ही, पितृपक्ष में हमेशा मेन गेट को साफ सुथरा रखना चाहिए।

इस दिशा में जरूर जलाएं आटे का दीपक

वास्तुशास्त्र के अनुसार, दक्षिण दिशा को पितरों और यमराज की दिशा माना जाता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान अपने पूर्वजों को याद करते हुए एक आटे का दीपक घर की दक्षिण दिशा में जरूर जलाना चाहिए। मान्यता है कि इसके लिए चौमुखी दीपक का प्रयोग करना सबसे उत्तम होता है। ऐसा करने से आपको पितृदोष से छुटकारा मिल सकता है और घर में आने वाली समस्याएं भी दूर होने लगती हैं। दक्षिण दिशा में चौमुखी दीपक में सरसों का तेल डालकर दीपक जलाने से पूर्वजों की राह में कोई बाधा नहीं आती है और घर से दरिद्रता भी दूर होने लगती है।

पितरों की तस्वीर के नीचे जलाएं आटे का दीपक

माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान एक दीपक उस स्थान पर अवश्य जलाना चाहिए, जहां आपने अपने पूर्वजों की तस्वीर लगाई हो। ऐसा करने से घर से कंगाली दूर होने लगती है और पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अगर आप आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो पितृपक्ष में इस उपाय को जरूर करके देखें। इससे घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और परिवार के सदस्यों को कभी भी पैसों की तंगी का सामना नहीं करना पड़ता है।

उत्तर-पूर्व दिशा में जलाएं आटे का दीपक

पितृपक्ष के दौरान अपने घर की उत्तर दिशा जिसे ईशान कोण भी कहा जाता है। वहां आटे का दीपक जरूर जलाना चाहिए। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों पर माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और जीवन की समस्याओं से भी छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, शाम को अपनी रसोई में पानी रखने वाले स्थान पर एक दीया जरूर रखें। इससे पितर प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा सदैव घर के सदस्यों पर बनी रहती है। इस उपाय से घर जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

घर में कछुए की मूर्ति रखने से मिलते हैं कई फायदे

माना जाता है कि जिस घर में वास्तु शास्त्र के नियमों का ध्यान रखा जाता है, वहां हमेशा सुख-समृद्धि का माहौल बना रहता है। वहीं वास्तु नियमों की अनदेखी करने पर व्यक्ति को वास्तु दोष का सामना करना पड़ता है, जिससे कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किस तरह अपने घर में कछुए की मूर्ति रख सकते हैं, जिससे आपको लाभ होगा।

मिलते हैं ये फायदे

वास्तु शास्त्र में माना गया है कि घर में कछुए की मूर्ति रखने से जीवन में धन-समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है। साथ ही इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी बढ़ता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर बनी रहती है। इतना ही नहीं वास्तु के अनुसार, घर में कछुए की मूर्ति रखने से वास्तु दोष भी दूर होता है।

किस दिशा में रखना है शुभ

कछुए की मूर्ति को हमेशा घर की उत्तर या फिर उत्तर-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। इससे आपको अच्छे परिणाम मिलने लगते हैं। इस दिशा में पीतल, सोना या फिर चांदी से बनी कछुए की मूर्ति रखना शुभ माना जाता है।

वहीं अगर आप क्रिस्टल से बनी कछुए की मूर्ति रख रहे हैं, तो इसे ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। इसके साथ ही वास्तु शास्त्र में कछुए की इस तरह की मूर्ति घर में रखना शुभ माना गया है, जिसमें कछुआ पानी के अंदर हो। इस पानी को रोजाना बदलना चाहिए।

कहां रखें कछुएं की मूर्ति

बच्चों की पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ाने के लिए भी कछुए की मूर्ति रखना काफी शुभ माना जाता है। ऐसे में आप इसे बच्चों के कमरे में रख सकते है। इसके साथ ही कछुए की मूर्ति को मुख्य द्वार के पास रखना भी लाभकारी माना जाता है। मूर्ति को कुछ इस तरह से रखें कि कछुए का मुंह घर के अंदर की तरफ हो।

तुलसी की गंध से क्यों प्रसन्न होते हैं पितृदेव

धर्मशास्त्रों में श्राद्ध में तुलसी दल की महिमा का बखान मिलता है, तुलसी दल की गंध से पितृ प्रसन्न होकर गरुड़ पर आरूढ़ हो विष्णु लोक को चले जाते हैं। तुलसी दल से पिण्डार्चन किए जाने पर पितृ लोग प्रलय पर्यन्त तृप्त रहते हैं। इस विषय में धम शास्त्रों का प्रमाण है,

तुलसीगन्धमाघ्राय पितरस्तुष्टमानसाः। प्रयान्ति गरुडारूढ़ास्तत्पदं चक्रपाणिनः।।

(प्रयोगपारिजात क0)

पितृपिण्डार्चनं श्राद्धै यैः कृतं तुलसीदलैः। प्रीणिताः पितरस्तेन यावच्चन्द्रार्कमेदिनी।।

श्राद्ध करते समय इन बातों का भी रखें ध्यान

तिल को देव अन्न कहा गया है, काला तिल ही वह पदार्थ है जिससे पितृगण संतुष्ट होते हैं, इसलिए काले तिल से ही श्राद्धकर्म करने का विधान है।

श्राद्ध क्रिया दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके ही करनी चाहिए।

श्राद्ध बिना आसन के नहीं करना चाहिए, कुशा के आसन को श्रेष्ठ माना गया है, लकड़ी के पट्टे को आसन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है लेकिन उसमें लोहे की कील नहीं लगी होनी चाहिए, ऊन, रेशम के आसन का भी प्रयोग किया जा सकता है, ऐसा श्राद्धकल्पलता में विवरण प्राप्त होता है।

श्राद्ध में प्रशस्त अन्न-फलादि- श्राद्ध में तिल, जौ, सांवां, चावल, गेहूं, गाय के दूध एवं उससे बनी हुई वस्तुएं, मधु, चीनी, महाशाक, बेल, आंवला, अंगूर, कटहल, अनार, अखरोट, कसेरू, नारियल, खजूर, नारंगी, बेर, सुपाड़ी, अदरक, जामुन, परवल, गुड़, कमलगट्टा, नींबू, पीपल आदि शाक श्राद्ध में प्रशस्त कहे गए हैं, जिनका प्रमाण वायु पुराण, श्राद्धचन्द्रिका, श्राद्धविवेक, श्राद्धप्रकार, श्राद्धकल्प में मिलता है।

श्राद्ध में निषेध अन्न- कोदो, चना, मसूर, बड़ा उड़द, कुलथी, सत्तू, मूली, काला जीरा, टेंटी, कैथ, खीरा, काला नमक, लौकी, कुम्हड़ा, बड़ी सरसों, काली सरसों की पत्ती, शतपुष्पी और कोई भी बासी, गला-सड़ा, कच्चा, अपवित्र फल या अन्न निषिद्ध है।

भोजन पात्र- धर्मशास्त्रों के अनुसार सोने, चांदी, कांसे और ताम्बे के पात्र उत्तम हैं, इनके अभाव में पीतल से काम लेना चाहिए, पर केले के पत्ते में श्राद्ध भोजन सर्वथा निषेध है। श्राद्ध में पितरों को भोजन सामग्री देने के लिये हाथ से बने हुए मिटटी के बर्तनों का प्रयोग करना चाहिए। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार मिट्टी के बने हुए बर्तनों के अलावा लकड़ी के बर्तन, पत्तों के दोने (केले के पत्ते का नहीं हों) का भी प्रयोग किया जा सकता है। श्राद्ध में पितरों को भोजन सामग्री देने के लिये चांदी के बर्तनों का प्रयोग विशेष महत्वपूर्ण माना गया है, सोने, ताम्बे और कांसे के बर्तनों का भी प्रयोग किया जा सकता है लेकिन लोहे के बर्तनों का प्रयोग कदापि नहीं करना चाहिए।

पितृकर्म और मोक्ष मार्ग से जुड़े हैं, प्रयागराज, काशी और गया तीर्थ

प्रयागराज में ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना से पहले यहां 100 अश्वमेघ यज्ञ किए इसलिए प्रयाग में तर्पण करना विशेष फलदायी है। प्रयागराज में भगवान विष्णु बारह रूपों में विराजमान हैं, जिन्हें द्वादश माधव कहा जाता है। त्रिवेणी संगम में पिंड दान करने से भगवान विष्णु के साथ ही प्रयाग में वास करने वाले तैंतीस करोड़ देवी-देवता भी पितरों को मोक्ष प्रदान करते हैं। धर्मग्रंथों में इस स्थल को तीर्थ राज प्रयागराज की संज्ञा दी गई है।

पहला प्रयागराज, काशी मध्य और गया अंतिम द्वार- धर्मशास्त्रों में कहा गया है कि काशी में शरीर का त्याग, कुरूक्षेत्र में दान एवं गया में पिण्डदान का महत्व, प्रयागराज में मुंडन संस्कार किए बिना अधूरा रहा जाता है। गया, नैमीशारण्य, बद्री धाम, हरिद्वार, काशी, प्रयागराज, पुष्कर, त्रयम्बकेश्वर इत्यादि तीर्थ स्थल पितृकर्म एवं पितृदोष निवारण के लिए सर्वश्रेष्ठ पितृ तीर्थ माने गए हैं।

पितृकर्म करने के निमित्त स्थान और तीर्थों का वर्णन पुराण सहित अनेक धार्मिक ग्रंथों में वर्णित है। सतयुग में गयासुर नाम के दैत्य ने विष्णु भगवान से वरदान प्राप्त किया कि अनन्तकाल तक सभी देवी-देवता उसके शरीररूपी तीर्थ पर निवास करें और वह सभी का उद्धार कर सके जिसके कारण ब्रह्मा जी का विधान और मर्यादा टूटने लगी। विधि के विधान को बचाने के लिए ब्रह्मा जी ने गयासुर से उसका पवित्र शरीर यज्ञ के निमित्त मांग लिया। विराट शरीरवाले गयासुर ने वहीं भूमि पर शयन किया और भगवान विष्णु ने उसपर अपने चरण रखकर उसे वहीं स्थिर कर दिया।

भगवान विष्णु के वरदान अनुसार जो मनुष्य गयासुर रूपी स्थल पर आकर अपने पूर्वजों का श्राद्ध करता है, उसके कुल का उद्धार होता है, तभी से गयासुर का शरीर यज्ञ स्थल को गयाजी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। एक अन्य मान्यता के अनुसार भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से उसके शरीर के तीन भाग किए, उसका सिर बद्रीधाम में गिरा, नाभि नैमीषारण्य में और चरण गया में गिरे जिससे ये सभी तीर्थ श्राद्ध, तर्पण, पिण्डदान इत्यादि पितृकर्मों से पितरों का उद्धार करने लगे।

अनुष्का शेट्टी ने सोशल मीडिया से लिया ब्रेक, कहा

जल्द मिलेंगे प्यार और कहानियों के साथ

मशहूर अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक लेने जा रही हैं।अनुष्का ने इंस्टाग्राम पर एक लेटर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, ब्लू लाइट छोड़कर अब मोमबत्ती की रोशनी की ओर जा रही हूं। थोड़े समय के लिए सोशल मीडिया से दूर रहूंगी ताकि स्क्रॉलिंग की दुनिया से दूर रहूं और वहां जा सकूं, जहां से हम सबने शुरुआत की थी। दुनिया से फिर से जुड़ने और अपने काम पर ध्यान देने के लिए, जल्द ही आप सबसे फिर मिलूंगी, ढेर सारी कहानियों और प्यार के साथ। हमेशा के लिए मुस्कुराते रहिए। प्यार, अनुष्का शेट्टी।

अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया, प्यार जो कभी खत्म न हो।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुष्का की हालिया रिलीज फिल्म 'घाटी' है, जिसका निर्देशन कृष जगरलामुदी ने किया है। फिल्म में अनुष्का के साथ विक्रम प्रभु मुख्य भूमिका में हैं।फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। पहले यह 11 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसके प्रोडक्शन से जुड़ा कुछ काम बाकी था, जिस वजह से मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी थी।

तमिल अभिनेता विक्रम प्रभु ने फिल्म में देसी राजू का किरदार निभाया है। उन्होंने दिए इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के लिए आठ किलो वजन कम किया था।अनुष्का शेट्टी ने इस फिल्म से करीब दो साल बाद स्क्रीन पर वापसी की थी। इससे पहले वह साल 2023 में फिल्म 'मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी' में नजर आई थीं। 'घाटी' फिल्म में उनका अंदाज एकदम अलग है।

फिल्म में अनुष्का ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है, जो नशे के कारोबार में उलझ जाती है और हर कदम उसके लिए खतरा बन जाता है। इसमें अपराध की दुनिया के साथ-साथ संघर्ष, हिम्मत और जीने की जद्दोजहद को भी दिखाया गया है।

अंजना सिंह के लिए डबल धमाका, एक फिल्म रिलीज के लिए तैयार, दूसरी का पोस्टर आउट

भोजपुरी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री अंजना सिंह की मानो पांचों ऊंगलियां घी में हैं। जहां उनकी फिल्म 'अवैध' सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। वहीं, उनकी दूसरी फिल्म 'आपन कहाये वाला के बा' का पहला पोस्टर रिलीज हुआ है।अंजना ने फैंस को जानकारी देते हुए इंस्टाग्राम पर दोनों फिल्म के पोस्टर जारी किए।

पहली पोस्ट में उन्होंने फिल्म 'अवैध' का पोस्टर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी फिल्म 26 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।पोस्टर में वह दुल्हन के लिबास में घूंघट हल्का ऊपर किए हुए, भावुक अंदाज में नजर आ रही हैं। उन्होंने पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा, 26 सितंबर।इस फिल्म के निर्माता आदित्य कुमार झा और निर्देशक नीरज रणधीर हैं। पटकथा और डायलॉग प्रवीण चंद्र ने लिखे हैं, जबकि गाने संदीप नाथ, ब्रजकिशोर दुबे, इरशाद खान सिकंदर, कृष्णा बेदर्दी और अभिषेक चौहान ने लिखे हैं। वहीं, फिल्म में संगीत बापी टूटूल, कृष्णा बेदर्दी और पप्पू श्रीवास्तव का है।वहीं, दूसरी पोस्ट में उन्होंने फिल्म 'आपन कहाये वाला के बा' का पहला पोस्टर रिलीज किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, फर्स्ट लुक।पोस्टर में अंजना और सह-कलाकारों के गंभीर भाव देख फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि फिल्म किसी सामाजिक या गंभीर मुद्दे पर आधारित हो सकती है।

अभिनेत्री कावेरी प्रियम ने बताया, क्यों आकर्षक लगा उन्हें 'दूरियां' का किरदार

अभिनेत्री कावेरी प्रियम ये रिश्ते हैं प्यार के और जिद्दी दिल माने ना जैसे धारावाहिकों में यादगार अभिनय के लिए मशहूर हैं। इन दिनों वो यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रहे शो दूरियां में सोनिया का किरदार निभाती दिखाई दे रही हैं।कावेरी प्रियम ने यह किरदार क्यों चुना और यह उनके दूसरे किरदारों से कैसे अलग है, उन्होंने एक इंटरव्यू में इसके बारे में बताया।

अभिनेत्री इस शो में एक ऐसी महिला का रोल प्ले कर रही हैं, जो प्रोफेशनल लाइफ में तो बड़ी मजबूत है, लेकिन पर्सनल लाइफ में काफी संघर्ष करती है। कावेरी प्रियम ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, सोनिया के किरदार की जटिलता ने मुझे इसकी तरफ तुरंत आकर्षित किया। वह न सिर्फ एक मजबूत महिला है, बल्कि एक तरीके से कमजोर भी है। पेशेवर तौर पर वह महत्वाकांक्षी और आत्मविश्वासी है, लेकिन निजी जिंदगी में वह असुरक्षित और बेहद भावुक है। इस किरदार का यही द्वंद्व उसे मेरे लिए आकर्षक बनाता है।

कावेरी मानती हैं कि सोनिया के किरदार के लिए तैयारी करने का मतलब था कि उन असली महिलाओं को देखना जो

काम पर अपनी ताकत और घर पर अपनी कमजोरी के बीच संतुलन बनाए रखती हैं।उन्होंने बताया कि इस तरह के किरदार निभाना उन्हें पसंद हैं, जो उन्हें कुछ नया करने की चुनौती दे।

कावेरी ने कहा, मैं जानबूझकर स्क्रीन पर खुद को दोहराने से बचती हूं। सोनिया ने मुझे एक ही भूमिका में महत्वाकांक्षा, जुनून, कमजोरी और दिल टूटने का अहसास दिखाने का मौका दिया। मैं कई परतों वाली खामियों से भरे किरदारों और ऐसी कहानियों को तलाशना पसंद करती हूं, जो मुझे चुनौती दें, फिर चाहे वो फिल्म, ओटीटी, या टीवी किसी से भी जुड़े क्यों न हों। आगे भी मैं खुद को चुनौती देने वाले किरदार निभाना चाहूंगी।

दूरियां एक यूट्यूब सीरीज है, जिसे जार पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। यह यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रही है। इसमें कावेरी प्रियम के किरदार को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। इसके निर्देशक मोहित झा हैं।

अनीता हसनंदानी ने पति रोहित को लिखा प्यार भरा खत, बोलीं

उन पर कम ध्यान दिया

बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेर चुकी अभिनेत्री अनीता हसनंदानी इन दिनों रियलिटी शो 'छोरियां चली गांव' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह बेटे आरव और पति रोहित रेड्डी को बहुत मिस कर रही हैं।वीडियो में अभिनेत्री कह रही हैं कि मां बनने के बाद वह रोहित पर कम ध्यान दे पाईं। इस बात का एहसास उन्हें इस शो में आने के बाद हुआ। इसलिए वह अपने पति को एक प्यारा-सा लव लेटर लिख रही हैं।

अनिता ने वीडियो में कहा, शादी को 10 साल से ज्यादा हो गए, और अब जब से आरव हमारे जीवन में आया, तो मेरा सारा ध्यान उसी पर रहता है। मैं दिन-रात बस आरव के बारे में सोचती हूं। लेकिन शो में आने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मैंने रोहित पर इस दौरान थोड़ा ध्यान दिया। इसलिए मैंने सोचा कि अब समय है उनके लिए एक रोमांटिक खत लिखने का। मुझे याद भी नहीं कि मैंने आखिरी बार कब उनके लिए ऐसा कुछ लिखा था। इस एक महीने में मुझे रोहित की कमी बहुत महसूस हुई और मैंने महसूस किया कि मैं उनसे कितना प्यार करती हूं।अभिनेत्री ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, कुछ लव स्टोरी समय के साथ और भी प्यारी हो जाती है। उन्हें हमेशा यह बताते रहें कि आप उनसे प्यार करते हैं... भले ही इसमें 10 साल और एक रियलिटी शो क्यों न लगे। 10 साल, एक बच्चा, और फिर भी मैं तुमसे प्यार करती हूं कहने के नए तरीके ढूंढ रहे हैं।

बता दें कि अनीता और रोहित ने कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद साल 2013 में शादी की थी। 9 फरवरी 2021 को इस कपल ने अपने बेटे आरव का स्वागत किया। रोहित पहले एक निवेश बैंकर थे, लेकिन अब वह विज्ञापन और डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करते हैं और अपनी एक क्रिएटिव एजेंसी चलाते हैं। वहीं, अनीता इन दिनों 'छोरियां चली गांव' में नजर आ रही हैं।

अभिनेत्री सबा आज़ाद ने अपनी फिल्म बन्दर की वर्ल्ड प्रीमियर पर पूरी टीम के साथ दिखाया जलवा

अपनी अनोखी और अलग हटकर परियोजनाओं के चुनाव के लिए मशहूर सबा ने दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित महोत्सवों में से एक पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और अपने कलात्मक सफ़र में नया मील का पत्थर छुआ। रॉकेट बॉयज़ और सॉन्स ऑफ़ पैराडाइज़ जैसे प्रोजेक्ट्स से पहचान बनाने वाली सबा को TIFF ने दिया इंटरनेशनल स्पॉटलाइट और पहुंचा दिया ग्लोबल मंच पर।सबा आज़ाद बोलीं, TIFF पर 'बन्दर' के साथ होना मेरे लिए बेहद खास है। एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा ऐसी कहानियों का हिस्सा बनने का सपना देखते हैं जो सरहदों से परे जाकर गूंजे। यह फ़िल्म बिल्कुल वैसी ही है – लोगों, उनके चुनावों और उन पिंजरों की परतें खोलती है जो हम खुद अपने लिए बना लेते हैं। मेरे लिए यह सिर्फ़ रेड कार्पेट पर चलना नहीं, बल्कि ईमानदारी और सच्चाई से बनी कहानी दुनिया के सामने रखना है। इतने बड़े मंच पर इसे जगह मिलना बेहद प्रेरणादायक है।

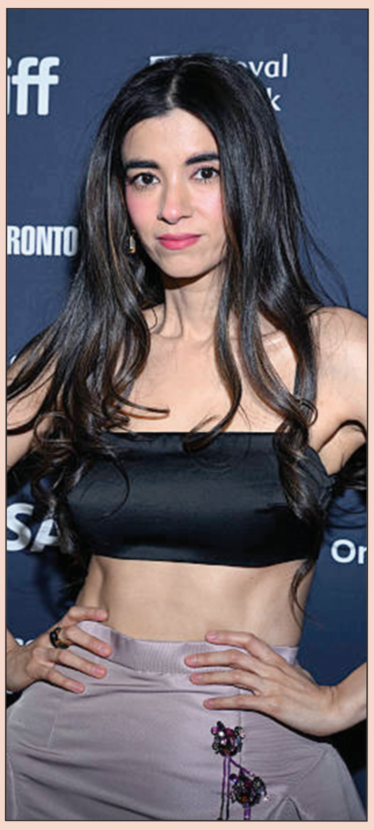

निर्माता निखिल द्विवेदी और निर्देशक अनुराग कश्यप की यह फ़िल्म बन्दर मज़बूत दृष्टि और गहरी परतों वाली कहानी है। इसमें सबा के साथ बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा और सपना पब्बी भी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। TIFF पर वर्ल्ड प्रीमियर ने फ़िल्म को दिया अंतरराष्ट्रीय मंच और खोल दिए दर्शकों के लिए नए दरवाज़े।

शादी के करीब एक दशक बाद शोबिज में लौटना आसान नहीं था : गीता बसरा

अभिनेत्री गीता बसरा ने करीब एक दशक के लंबे अंतराल के बाद, पंजाबी फिल्म मेहर से दमदार वापसी की। राकेश मेहता ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। यह फिल्म 5 सितंबर को रिलीज हो चुकी है।गीता बसरा ने कई सालों बाद फिल्म इंडस्ट्री में अपनी वापसी के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने इस बीच फिल्म इंडस्ट्री में आए बदलावों पर भी बात की।

गीता ने कहा, सेट पर होना मेरा सपना है, और मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे एक और मौका मिला। यहां आकर मुझे बहुत खुशी मिलती है। पंद्रह साल पहले, शादी के बाद महिलाओं के लिए वापसी करना मुश्किल था, लेकिन अब समय बदल गया है। पीढ़ी बदल गई है, और अब यह कोई मायने नहीं रखता।

गीता ने अपने पति और क्रिकेटर हरभजन सिंह के साथ एक मैगजीन के कवर पेज पर आने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, बड़ी हस्तियों के साथ शामिल होना वाकई गर्व की बात है। एंड्रिया जी और उनकी टीम ने बहुत अच्छा काम किया है और यह हमारे लिए सम्मान की बात है। हमें उम्मीद है कि भविष्य में हम और आगे भी साथ काम करेंगे।

हरभजन सिंह को मैगजीन के कवर पेज पर दिखाने का फैसला कैसे लिया गया? इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, एंड्रिया, शिवेंद्र और टीम इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि कवर पर किसे दिखाया जाए। शिवेंद्र ने हरभजन का नाम सुझाया और तुरंत सभी को लगा कि यह सही फैसला है। जल्द ही हम दोनों से संपर्क किया गया और सब कुछ बहुत अच्छा हुआ। समय भी बिल्कुल सही था, मेरी फिल्म अभी-अभी रिलीज हुई थी, मैंने प्रोडक्शन में कदम रखा और हम इस खूबसूरत शो का हिस्सा थे, जिसकी लोग सराहना कर रहे हैं। पंजाबी फिल्म 'मेहर' से बिजनेसमैन और शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा ने डेब्यू किया है। इस फिल्म से पहले गीता बसरा ने परिवार की देखभाल करने के लिए काम से ब्रेक लिया था। 'मेहर' से पहले 2016 में उनकी लास्ट फिल्म आई थी, जिसका नाम 'लॉक' था।

हिसार से अहमदाबाद और जम्मू तक हवाई सेवाओं का होगा शुभारंभ : सैनी

चंडीगढ़, 12 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा, हिसार से जयपुर के लिए हवाई सेवाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने चंडीगढ़ से वर्चुअल माध्यम से हवाई सेवाओं का शुभारंभ करते हुए कहा कि आज यह नई उड़ान की शुरुआत नहीं, बल्कि हरियाणा के विकास, क्षेत्रीय समावेशन और आधुनिक कनेक्टिविटी की दिशा में एक अहम कदम है। हवाई सेवाओं में बढ़ती हरियाणा की पहचान राज्य के आत्मनिर्भर, प्रगतिशील और समावेशी भविष्य की नींव का पत्थर साबित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि प्रधान प्रदेश होने के साथ अब हरियाणा ने नागरिक उड्डयन का विकास करके एयर कनेक्टिविटी में भी अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में सरकार बनने के समय से ही नागरिक उड्डयन का विकास सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि इसी साल 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से अयोध्या में स्थित महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक हवाई उड़ानों का शुभारंभ किया था। उन्होंने उसी दिन इस एयरपोर्ट के दूसरे टर्मिनल के भवन का शिलान्यास भी किया था। गत 9 जून 2025 को हिसार-चंडीगढ़-हिसार हवाई सेवाओं का शुभारंभ भी किया गया। जल्द ही हिसार से अहमदाबाद और जम्मू तक हवाई सेवाओं का भी शुभारंभ करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिसार हवाई अड्डे को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आधुनिक तकनीकों और सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। यह एयरपोर्ट आज क्षेत्रीय संपर्क के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। हिसार हवाई अड्डे पर डॉपलर वीओआर प्रणाली की स्थापना की है। इससे हवाई अड्डे पर उड़ानों के संचालन के लिए न्यूनतम दृश्यता 5,000 मीटर से घटकर 2800 मीटर हो गई है। यह एक अभूतपूर्व तकनीकी उपलब्धि है। इससे अब खराब मौसम में भी उड़ानों का संचालन सुगमता से हो सकेगा। साथ ही, इस हवाई अड्डे पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम भी स्थापित किया जा रहा है। इससे एयरपोर्ट पर रात के समय में भी हवाई जहाज लैंडिंग कर सकेंगे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि भविष्य की दृष्टि से सरकार महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा हिसार को एक पूर्ण, आधुनिक और अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट बनाने की दिशा में प्रतिबद्ध है।

आने वाले समय में यहां नये टर्मिनल भवन, आधुनिक एटीसी टावर, कार्गो कॉम्प्लेक्स, अग्निशमन केंद्र, प्रशासनिक भवन, पार्किंग एवं अन्य सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आगामी कुछ वर्षों में हिसार को दिल्ली एयरपोर्ट के विकल्प के रूप में विकसित करेंगे। इससे हिसार एयरपोर्ट के विकास और विमान सेवा आरंभ होने से आम आदमी, छोटे व्यापारी और अन्य हितधारकों को बहुत अधिक लाभ होगा।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि केवल हवाई सेवा ही नहीं, हिसार को एक औद्योगिक, लॉजिस्टिक और निवेश केंद्र के रूप में विकसित करने का सरकार का सपना अब साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि 28 अगस्त 2024 को हिसार को अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का हिस्सा बनाया गया। 20 अगस्त 2025 को इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग कलस्टर, हिसार के लिए स्टेट स्पोर्ट एग्रीमेंट और शेयरहोल्डर एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना का क्षेत्र 2 हजार 988 एकड़ है, जिसकी अनुमानित लागत 4 हजार 680 करोड़ रुपये है और इससे 1 लाख 25 हजार रोजगार पैदा होंगे। यह परियोजना, पूर्वी और पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़कर हरियाणा को उद्योगों का प्रवेश द्वार बनाएगी। इस अवसर पर लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर गंगवा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, नागरिक उड्डयन विभाग की आयुक्त एवं सचिव अमनीत पी कुमार, नागरिक उड्डयन विभाग के सलाहकार नरहरि सिंह बांगड़, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) वर्षा खांगवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कई दिनों से रुके काम भी पूरे हो सकते हैं. पारिवारिक संबंध मधुर रहेंगे. अपनी इमेज सुधारने का मौका भी आपको मिल सकता है. सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके लिए दिन उत्साहवर्धक है और मनोरंजन भी होता रहेगा. परिवार से जुड़े मामलों पर आपको ध्यान देना होगा. कुछ घरेलू उलझे हुए मामले सुलझ सकते हैं. शादीशुदा लोगों को सुख मिल सकता है. प्रेम बढ़ेगा. पुरानी बीमारियों में थोड़ा आराम मिल सकता है.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे. और इसी ऊर्जा के चलते जो भी काम आप हाथ में लेंगे वो समय पर जरूर पूरा होगा. और इस बात को लेकर आपकी तारीफ भी होगी. इस राशि के इंजीनीयर्स आज अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे, तो उन्हें सफलता जरूर मिलेगी. आज जीवन में तरक्की के कुछ मौके आपके सामने आएंगे, जिसमें आप अपने जीवनसाथी की सलाह जरूर लें, उनकी सलाह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगी.आज शिवलिंग का दही से अभिषेक करें, आपके सारे काम पूरे होंगे.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ महंगी वस्तुओं की खरीदारी भी कर सकते हैं. भूमि में निवेश भी संभव है. व्यावसायिक रूप से दिन शुभ है. जिस प्रोजेक्ट और असाइनमेंट पर आप वर्तमान में काम कर रहे हैं, वह भविष्य में नई संभा-वनाओं को खोल सकता है. कार्य स्थल को पुनर्गठित करना या घर पर को पुन: व्यवस्थित करने की योजना पर आप कम कर सकते हैं. कुछ तनाव होने के कारण पारिवारिक माहौल तनावग्रस्त रह सकता है. किसी पारिवारिक सदस्य की अकस्मात बिगडती स्वास्थ्य स्थिति आपको परेशानी में डाल सकती है.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको अपने बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिल सकते हैं. आपके बच्चे समाज में आपका नाम रोशन करेंगे. प्यार दरकिनार हो सकता है क्योंकि कुछ छोटे-मोटे मतभेद अचानक उभरेंगे. आज जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. अपने प्रयासों में सफलता पाने के लिए आपको मेहनत के साथ-साथ अपनी बुद्धि से भी काम लेना होगा तभी जाकर सकारात्मक परिणाम मिलने के आसार बनेंगें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार में सुख-शांति बढ़ेगी. कार्यक्षेत्र में नए एग्रीमेंट और समझौते होने की संभावना है. सामाजिक कामकाज में सम्मान मिल सकता है. किसी अच्छे दोस्त से मुलाकात के योग बन रहे हैं. आपका ध्यान किसी दूर स्थान पर ज्यादा रहेगा. ऑफिस में कोई व्यक्ति गुप्त रूप से आपकी मदद कर सकता है. रोमांस के अच्छे अवसर मिलने के योग हैं. पार्टनर आपको आर्थिक मदद कर सकता है. आज आप साथ काम करने वाले की तरफ आकर्षित हो सकते हैं.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा. आज आप किसी काम में बेहतरीन परफॉर्मेंस देने के लिए कुछ नया एक्सपेरीमेंट करेंगे जिसमें आपको सफलता भी जरूर हासिल होगी. आपका आर्थिक पक्ष भी मजबूत रहेगा. वहीं अगर कुछ दिनों से स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी है तो उसनें आपको सुधार नज़र आएगा. आज लवमेट के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच का प्रोग्राम बना सकते हैं जिससे रिश्तों में आपको ताज़गी महसूस होगी. आज के दिन गाय को गुड खिलाए व्यापार में नए मार्ग खुलेंगे.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कुछ नया काम आरंभ हो सकता हैं । महत्वाकांक्षी उपक्रमों में निवेश करके आप अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं. व्यवसाय विस्तार की योजनाएं बनाई जाएंगी और यदि बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की इच्छा है तो वह भी आपको प्राप्त हो जायेगा. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप दोस्तों और परिवार के साथ आनंदमय समय व्यतीत करेंगे. कुछ जातकों के लिए नवीन प्रेम सम्बन्ध नई आशाओं को जन्म देगा.दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको बच्चों की तरफ से खुशखबरी मिलने के योग नजर आ रहे हैं. परिजनों के साथ उग्र वाद-विवाद होने की संभावना है. छाती में दर्द या अन्य किसी विकार से व्यग्रता का अनुभव हो सकता है. जरूरत से ज्यादा काम अपने सिर पर लेने से टेंशन हो सकती है. आपको मेहनत भी ज्यादा करनी होगी. विरोध में आ रही सभी परेशानियां दूर होगी तथा इन्हें नए कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे. आप पैसा बना सकते हैं बस नये तरीकों को आजमाना होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके काम बनते चले जाएंगे. सोच-समझकर फैसले लेने से ही फायदा हो सकता है. पैसों की स्थिति में अच्छे खासे बदलाव के मौके मिल सकते हैं. परिवार, समाज में आपका महत्व बढ़ेगा. प्रेम संबंधों में सफलता मिलेगी. जीवनसाथी के साथआपके संबंध और गहरे हो सकते हैं. पार्टनर के साथ आज अच्छा समय बीतेगा. सेहत में उतार-चढ़ाव आने की संभावना है. आज सादा और हल्काफुलका भोजन ही करना बहतर रहेगा

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको सफलता पाने के लिए थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी होगी. साथ ही आज आप मानसिक अशांति से भी ग्रस्त हो सकते हैं. जीवनसाथी से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता हैं आज आपको खुद में एनर्जी की कमी महसूस होगी. जिसके चलते आप बेमन से कार्यों को पूरा करेंगे. आपके स्वास्थ्य में भी गिरावट आ सकती है. हालांकि आज आपको किसी की मदद भी मिल सकती है आज आप अपने विचारों और भावनाओं को नियंत्रित रखना ही फायदेमंद होगा. आज के दिन आपको जरुरतमंद की मदद करनी चाहिए

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यदि आप अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं तो यह एक नए गठबंधन में प्रवेश करने के लिए यह अच्छा समय है. कुछ महत्वपूर्ण कार्य से संबंधित यात्रा पर जाना पड़ सकता है. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करने में मदद करेगा. पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए आप कुछ नई बचत योजनाओं को लागू करेंगे. आप राजनीति से जुड़े हुए हैं तो नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपके वैवाहिक जीवन के साथ-साथ अपने करियर को अनदेखा न करें, इन दोनों को आपकी देखभाल की ज़रूरत है. आपको कुछ महत्व-पूर्ण निर्णय लेने होंगे जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है. आज अपना आपा न खोएँ, नहीं तो परिवार में कभी न मिटने वाली दरार पड़ सकती है. नुकसान हो सकता है. मेहमानों का आगमन होगा. पारिवारिक सुखों को भोगने का समय आ गया है. अपने हाथों से गौ सेवा करें ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 सितंबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी प्रातः 07:25 तक
नक्षत्र : कृतिका प्रातः 10:12 तक
योग : हर्षण प्रातः 10:32 तक
करण : वणिज प्रातः 07:25 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:19 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:22 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:15 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 ,सूर्यास्त 06:11 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सप्तमी का श्राद्ध , सप्तमी तिथि का क्षय , भद्रा प्रातः 07:25 से रात्रि 08:12 तक , उत्तराफाल्गुनी में रवि सायं 03:41 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण बने सीपीए जोन-2 के संयोजक

चंडीगढ़, 12 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण को राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के भारतीय क्षेत्र के जोन-2 का संयोजक (कॉन्विनर) नियुक्त किया गया है। यह घोषणा सीपीए के 11वें भारतीय क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने की। बिरला सीपीए भारतीय क्षेत्रीय सम्मेलन के अध्यक्ष भी हैं। सीपीए के भारतीय क्षेत्र में भारतीय संसद तथा 31 विधान मंडल शामिल हैं। गौरतलब है कि सीपीए भारतीय क्षेत्र के 9 जोन हैं। इनमें से हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण को जिस जोन-2 का संयोजक नियुक्त किया गया है, उसमें हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के विधान मंडल शामिल हैं। कल्याण की यह नियुक्ति सितंबर 2025 से अगस्त 2026 तक की अवधि के लिए की गई है। बता दें कि बेंगलुरु में आयोजित सम्मेलन में देश भर के विधान मंडलों के पीठासीन अधिकारी शिरकत कर रहे हैं। हरियाणा का प्रतिनिधित्व विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण और उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा कर रहे हैं।

हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में जल्द भर्ती किए जाएंगे 500 डॉक्टर: आरती सिंह राव

चंडीगढ़, 12 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राजकीय अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी नहीं रहने दी जाएगी। इन अस्पतालों में सरकार द्वारा जल्द ही 500 चिकित्सकों की भर्ती की जाएगी। इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है और भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र ही शुरू किया जाएगा। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव शुक्रवार को कुरुक्षेत्र स्थित एलएनजेपी अस्पताल में निरीक्षण करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री ने एलएनजेपी अस्पताल की फार्मेसी, शौचालयों व अस्पताल के प्रत्येक कक्ष की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। अस्पताल में जगह-जगह मलबे के ढेर लगे होने के कारण मरीजों खासकर बच्चों के वार्ड में हो रही परेशानी तथा शौचालयों की खस्ता हालत को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई।

स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों से बातचीत की और फार्मेसी में सभी दवाइयां पर्याप्त मात्रा में मिलीं। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों और चिकित्सकों से बातचीत कर मरीजों को तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए। यहां पर सीएमओ डॉ. सुखबीर सिंह ने अस्पताल के नए भवन के निर्माण कार्य के साथ-साथ दवाइयों और अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में बारीकी से जानकारी भी दी।

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि एलएनजेपी अस्पताल के नए भवन का निर्माण चल रहा है, इसलिए अधिकारियों को निर्माण कार्य चरणबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए हैं ताकि सफाई व्यवस्था बनी रहने के साथ-साथ मरीजों को भी परेशानी का सामना ना करना पड़े। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल की फार्मेसी का निरीक्षण किया गया है और यहां पर मरीजों के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाइयां तो उपलब्ध थी, लेकिन अस्पताल में स्वच्छता को लेकर काफी कमियां पाई गई हैं। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल में स्वच्छता पर विशेष फोकस रखने के निर्देश दिए हैं और सभी शौचालयों को बेहतर करने के आदेश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हर चुनावी वादे को पूरा कर रहे हैं : बड़ौली

चंडीगढ़, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा युवा मोर्चा हरियाणा की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक शुक्रवार को युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा 'योगी' की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में चार स्तरों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर चल रहे सेवा पखवाड़ा, पंच परिवर्तन जैसे विषय प्रमुख रहे। बैठक में बतौर मुख्य वक्ता प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बडौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी अभिनव प्रकाश, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पुनिया तथा सेवा पखवाड़ा प्रदेश संयोजक एवं असंध विधायक योगेंद्र राणा उपस्थित रहे। कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने में युवा मोर्चा की भूमिका निर्णायक रही है। युवा मोर्चा की तारीफ करते हुए बड़ौली ने कहा कि युवा ऊर्जा के केंद्र होते हैं। युवा जोश जिस तरफ चलता है उस तरफ परिणाम निकलते हैं और विजय मिलती है। युवाओं को पार्टी की रीढ़ बताते हुए उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत ही आज भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। पार्टी को इस मुकाम तक पहुंचाने में युवाओं का योगदान सर्वोच्च रहा।

भाजपा की जिला कार्यशाला के मुख्य वक्ता होंगे, राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी

भीलवाड़ा, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के केंद्र एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भाजपा जिला संगठन द्वारा सेवा पखवाड़ा, आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं नेक्स्ट - जेन - जीएसटी रिफॉर्म्स अभियान को लेकर जिला कार्यशाला का आयोजन टंकी के बालाजी स्थित जिला कार्यालय पर 13 सितंबर शनिवार को प्रातः 11.30 बजे किया जाएगा। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि कार्यशाला के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी होंगे। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा करेंगे। कार्यशाला में वक्ता तीनों कार्यक्रमों के संबंध में विस्तृत जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इस अवसर पर जिलेभर से जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष एवं तीनों अभियानों से जुड़ी जिला टोली, मंडल संयोजक, सहसंयोजक आदि उपस्थित रहेंगे।

जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण कार्यशाला : विभागीय पोर्टलों की समीक्षा करने पर है प्रशासन का जोर

भरतपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग में चल रहे विभिन्न पोर्टलों की कार्यप्रणाली की समीक्षा और उनके अपडेशन पर चर्चा के लिए शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक संभागीय स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विभाग के कार्यों को और अधिक सुचारू और प्रभावी बनाना था। कार्यशाला का शुभारंभ जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी मृदुल सिंह और निदेशालय जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण के अतिरिक्त निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने किया। राजेंद्र प्रसाद ने कार्यशाला की पूरी रूपरेखा प्रस्तुत की और विभागीय पोर्टलों के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद, उपनिदेशक जलग्रहण नवीन वशिष्ठ ने एमआईएस पोर्टल की विस्तृत जानकारी दी, जबकि डीओआईटी के विकास कुमार ने स्टेट पोर्टल पर एक व्यापक प्रस्तुति दी।

सत्र के दौरान, विभिन्न जिलों से आए अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए और पोर्टलों के संचालन में आने वाली समस्याओं पर भी चर्चा की। इस दौरान, जिलेवार फीडबैक लिया गया और समस्याओं के निवारण के उपायों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

इस कार्यशाला में अधीक्षण अभियंता करतार सिंह, डीग के संजय माथुर, सवाईमाधोपुर के लाखन सिंह, धौलपुर के कालीचरण लहरी, सहित अन्य जिलों के अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह आयोजन विभाग के कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

कांग्रेस का नया सियासी हथियार: गोविन्द सिंह डोटासरा ने की घोषणा

आज से शुरू होगा वोट चोर-गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान

जयपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा तथा एआईसीसी के राजस्थान प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा ने प्रदेश कांग्रेस द्वारा नियुक्त किए जा रहे बीएलए के कार्य की समीक्षा की तथा जिन विधानसभा क्षेत्रों में बीएलए नियुक्ति शेष है उन विधानसभा क्षेत्रों के विधायक, विधायक प्रत्याशी तथा विधानसभा प्रभारियों से प्रगति का फीडबैक लेकर अगले सात दिवस में कार्य पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए। बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, एआईसीसी सचिव व राजस्थान सह प्रभारी चिरंजीव राव, ऋत्विक मकवाना भी शामिल रहे।

इस अवसर पर उपस्थित मीडिया को सम्बोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि राजस्थान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा सभी विधानसभा क्षेत्र के सभी बूथों पर बीएलए की नियुक्तियां की जा रही है और इस कार्यक्रम में अब तक भारतीय जनता पार्टी से अधिक बीएलए कांग्रेस द्वारा प्रदेश में बनाए जा चुके है तथा शेष रहे विधानसभा क्षेत्रों में अगले 7 दिवस में बीएलए की नियुक्तियां पूर्ण कर ली जाएगी एवं समस्त 52000 बूथों पर कांग्रेस पार्टी के बीएलए की नियुक्ति पूर्ण हो जाएगी। उन्होंने कहा कि वोट चोर, गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान के लिए प्रदेश कांग्रेस द्वारा जिला एवं विधानसभा क्षेत्र स्तर पर अभियान प्रभारी नियुक्त किए है। कल दिनांक 13 सितम्बर, 2025 को प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय इन्दिरा गांधी भवन में प्रातः 11.00 बजे कांग्रेस के अभियान वोट चोर, गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान की तैयारियों के लिए प्रदेश कांग्रेस के जिला प्रभारियों, जिला कांग्रेस अध्यक्षों एवं अभियान की सफलता को सुनिश्चित करने हेतु नियुक्त अभियान प्रभारियों की बैठक ली जाएगी जिसमें जिले स्तर पर हस्ताक्षर अभियान चलाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाकर हस्ताक्षर अभियान के लिए तयशुदा फार्मेट प्रभारियों को दिए जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी का मणिपुर दौरा और पहले होना चाहिए था : गहलोत

जयपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर जा रहे हैं, जिसे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने औपचारिक करार दिया।

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री को काफी पहले ही मणिपुर जाकर वहां के लोगों की सुध लेनी चाहिए। लेकिन, अफसोस, उन्होंने आज तक ऐसा करना जरूरी नहीं समझा और अब वो मणिपुर जा रहे हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि उनका दौरा कुछ नहीं, सिर्फ औपचारिकता भर है। मैं समझता हूं कि इस तरह के दौरे को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सिर्फ चार घंटे के लिए मणिपुर जा रहे हैं। मैंने दो महीने पहले गृह मंत्री अमित शाह को कहा भी था कि वे मणिपुर जाएं और वहां की स्थिति के बारे में समझने का प्रयास करें।

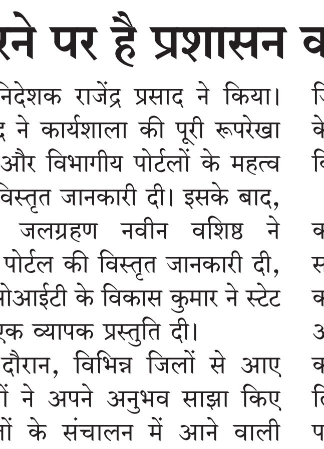

कांग्रेस नेता ने कहा कि सबसे पहले आपको यह समझना होगा कि किसी भी राज्य में प्रधानमंत्री के दौरे का बहुत ही महत्व होता है। आज मणिपुर की स्थिति वैश्विक मोर्चे पर चर्चा का विषय बनी हुई है। अब वहां की स्थिति किसी से छुपी हुई नहीं है। वहीं, अब अगर मणिपुर से हिंसा की खबर सामने आई है, तो इससे यह साफ जाहिर होता है कि यह प्रधानमंत्री मोदी के दौरे का जवाब है। मैं कहता हूं कि अगर प्रधानमंत्री मोदी काफी पहले ही मणिपुर दौरे पर जाते, तो आज इस तरह की स्थिति ही पैदा नहीं होती। लेकिन, यह दुख की बात है कि आज तक प्रधानमंत्री ने कभी भी मणिपुर की स्थिति की सुध लेने की जरूरत नहीं समझी। शायद इसी वजह से वहां के लोगों में प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर गुस्सा है।साथ ही, अशोभनीय टिप्पणी के संबंध में सवाल किए जाने पर कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि सभी लोग एक-दूसरे की माता का सम्मान करते हैं। मैं कहता हूं कि निसंदेह राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी की मां का सम्मान करते हैं। विपक्ष के नेता पक्ष के नेताओं की मां का सम्मान करते हैं और पक्ष के नेता भी विपक्ष के नेताओं का सम्मान करते हैं। हर माता का सम्मान इस देश में होना चाहिए। मां तो मां होती है। मां की जगह इस दुनिया में कोई भी नहीं ले सकता है। मैं समझता हूं कि अब मां जैसे विषय को राजनीतिक विषय बनाना उचित नहीं है।

दारू नहीं चुआएंगे तो क्या ईटा पारने जाएं...

रंगेहाथ पकड़ी गई बिहार की लीकर क्वीन

लखीसराय (एजेंसियां)। बिहार में इन दिनों पुलिस एक 'भूत' के पीछे पड़ी है। ये भूत कोई और नहीं, बल्कि शराब है। शराबबंदी के बावजूद हर जगह आसानी से उपलब्ध होने वाली शराब को लेकर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। लखीसराय जिले में पुलिस ने छापेमारी के दौरान एक महिला को महुआ शराब बनाते हुए रंगेहाथों पकड़ा। इस दौरान महिला ने पुलिस के सामने अपनी मजबूरी बयां करते हुए कहा कि शराब नहीं बनाएं तो क्या करें?

बिहार पुलिस ने 'लीकर क्वीन' को पुलिस ने रंगेहाथ दारू चुआते पकड़ लिया। घर की छत पर रसोई घर में दारू फक्ट्री चलाती थी और लोकल में सप्लाई करती थी। हद तो तब हो गई जब पुलिस ने पूछा कि दारू क्यों चुआती थी? इसके बाद उसने तपाक से जवाब दिया कि दारू नहीं चुआएंगे तो क्या ईटा पारने जाएं? घर बनाने में बहुत ज्यादा कर्ज हो गया है, कर्ज चुकाने के लिए दारू बनाती और बेचती हूं। दारू और ताड़ी के अलावा और क्या काम बचा है।

दरअसल, लखीसराय जिले के रामगढ़ चौक प्रखंड के कामता नगर गांव में पुलिस को महुआ शराब बनाए जाने की गुप्त सूचना मिली।

सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष मंटू कुमार के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम गांव में छापेमारी करने पहुंची। पुलिस ने एक घर में छापा मारा और देखा कि वहां भट्ठी लगाकर शराब बनाई जा रही थी। पुलिस ने मौके पर एक महिला को रंगेहाथों पकड़ा।

ये 'भूत' वाली उपमा बिहार में शराब के लिए इसलिए दी जा रही है क्योंकि वो दिखती कहीं नहीं, लेकिन मिलती हर जगह है। शराब के अवैध कारोबार से जुड़े लोग इसे छिपकर बेचते हैं, लेकिन इसकी उपलब्धता में कोई कमी नहीं है।

लखीसराय का यह मामला दिखाता है कि इस धंधे के पीछे आर्थिक मजबूरियां भी एक बड़ा कारण हैं। कई गरीब परिवार अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए इस अवैध काम में लिप्त हैं। पुलिस ने एक घर में छापेमारी की, लेकिन यह भी पता चला कि सिर्फ एक ही घर में नहीं, बल्कि अन्य घरों में भी शराब बनाई जा रही थी। पुलिस ने सभी भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया।

गोपालगंज में किशोरी को अगवा कर की हैवानियत

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के बरौली थाना क्षेत्र के एक गांव में बीते सात सितंबर को शौच करने निकली एक किशोरी को कुछ युवक उठाकर ले गए और एक बगीचे में सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। दुष्कर्म की घटना का वीडियो बनाकर उसे इंटरनेट में वायरल करने की धमकी दी गई। मामला प्रकाश में आने के बाद बुधवार को किशोरी की मां के बयान पर पुलिस ने चार युवकों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी कर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

बताया जाता है कि बरौली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 17 वर्षीय किशोरी अपने घर के पीछे सात सितंबर की रात को शौच के लिए गई तो वहां पूर्व से मौजूद चार युवकों ने उसे उठा लिया। साथ ही पास में स्थित एक बगीचे में ले जाकर वहां दो आरोपियों ने उसके साथ बारी-बारी से सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। साथ ही दो आरोपियों ने सामूहिक दुष्कर्म का वीडियो बना लिया। सामूहिक दुष्कर्म के बाद वीडियो को इंटरनेट पर वायरल करने की धमकी देते हुए किशोरी को मौके पर छोड़कर सभी फरार हो गए।

वहीं, किशोरी रोते हुए अपने घर पहुंची। किशोरी की मां ने लोकलाज के डर से इस बारे जानकारी पुलिस को नहीं दी। घटना के तीन दिन बीतने के बाद कुछ जगहों पर गांव में इसकी चर्चा होने लगी। इसके बाद किशोरी की मां ने हिम्मत कर बरौली थाना में पहुंचकर घटना की जानकारी थानाध्यक्ष अणिमा राणा को दी।

वहीं, पुलिस ने किशोरी की मां के बयान पर गांव के ही कुंदन कुमार, सूरज कुमार पर सामूहिक दुष्कर्म करने और विशाल कुमार और धर्मेंद्र कुमार पर वीडियो बनाने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी कराई। घटना के बाद गुरुवार की शाम को एसपी अवधेश दीक्षित ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली। साथ ही सभी आरोपियों की गिरफ्तारी का आदेश दिया। वहीं, पुलिस ने धर्मेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है।

वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व में बाघ का महिला पर अटैक, घसीटते हुए जंगल में ले गया

बगहा (एजेंसियां)। बिहार के इकलौते वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में फिर एक बार बाघ ने महिला को अपना निवाला बनाया है। बाघ के हमले में महिला की दर्दनाक मौत हो गई है। इसके बाद ग्रामीणों में दहशत व आक्रोश है। बताया जा रहा है कि मवेशी चराने गई महिला को जंगल से बाहर निकले बाघ ने दबोच कर उसे जंगल की ओर खींच लें गया।

वीटीआर जंगल से बाहर निकले बाघ से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लिहाजा लाठी डंडे के साथ ग्रामीण पूरी रात जाग रहे हैं। खबर लिखे जाने तक ग्रामीणों के सहयोग से मृत महिला का एक पैर बरामद कर वन विभाग के अधिकारी और कर्मी आगे की कार्रवाई में जुटे हैं।

सूचना पाकर मौके पर पहुंचे रेंजर सत्यम सोनू के नेतृत्व में महिला के शव की तलाश जारी है। अनुमान है कि शव जंगल की ओर हो सकता है।

घटना की पुष्टि करते हुए रेंजर ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद ही आश्रितों को मुआवजा दिलवाने का भरोसा दिलाया है। वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व के सीएफ डॉ. नेशामनी के ने गोबर्धना के सोनवर्षा इलाके की घटना होनें की जानकारी दी है। पश्चिमी चंपारण जिले के गोबर्धना रेंज में वीटीआर के एक बाघ ने करीब 60 वर्षीय महिला उमछी देवी पति खेलावन महतो पर एकाएक हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई।

महिला अपने गांव सोनबरसा के पास मवेशी चरा रही थी, तभी जंगल से निकलकर बाघ ने उन पर हमला किया। घटना स्थल पर महिला के फटे हुए कपड़े और शरीर के एक पैर का टुकड़ा मिला है। वन विभाग की टीम घटना स्थल पर पहुंच गई है और मामले की जांच की जा रही है। जबकि बाघ के हमले से ग्रामीणों में दहशत का माहौल क़ायम है, क्योंकि बार बार इन इलाकों में बाघ की चहलकदमी और हमला आम बात हो गई है, लिहाजा किसानों के जान माल का नुकसान हो रहा है।

छत पर पत्नी के साथ था उसका प्रेमी

गुस्साए पति ने दोनों को मार डाला और सिर लेकर पहुंच गया सीधे जेल, मचा हड़कंप

चेन्नई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और उसके प्रेमी की हत्या कर दी। उसने वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों के सिर धड़ से अलग कर दिए और उन्हें लेकर पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। पुलिस ने फिलहाल उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस की मानें तो लकड़ी काटने वाले कोलांजी नाम के इस व्यक्ति को शक था कि उसकी पत्नी लक्ष्मी का थंगारासु के साथ प्रेम-संबंध है। इसके चलते ही उसने दोनों का कत्ल कर दिया।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, घटना मंगलवार रात की है। घर से बाहर होने का नाटक करने के बाद वह व्यक्ति वापस लौटा और अपनी पत्नी और उसके प्रेमी को छत पर एक साथ पाया। फिर उसने उन पर दरांती से हमला किया। उनकी हत्या कर दी और उनके सिर धड़ से अलग कर दिए। उनकी हत्या करने के बाद कोलांजी ने उनके सिर अपने दोपहिया वाहन से बांध दिए और वेल्लोर सेंट्रल जेल पहुंच गया। वहां उसने आत्मसमर्पण कर दिया।

बंजाराम पुलिस ने घर से सिर कटे शव बरामद किए और उसे गिरफ्तार कर लिया। इस बीच दंपती की तीन बेटियों को उनके रिश्तेदारों के पास भेज दिया गया है क्योंकि कोलांजी को गिरफ्तार कर लिया गया है और वह अभी भी न्यायिक हिरासत में है।

इसी तरह की एक घटना में जून में बेंगलुरु में सामने आई थी। एक व्यक्ति को अपनी पत्नी की कथित तौर पर हत्या करने और उसके कटे हुए सिर के साथ सूर्यनगर पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी करने वाले आरोपी को बाद में पता चला कि उसकी पत्नी का किसी और पुरुष के साथ संबंध है। उसने उन पर हमला किया और बाद में अपनी पत्नी का सिर काट दिया। हत्या के बाद शंकर अपनी बाइक से सिर लेकर पुलिस स्टेशन गया और आत्मसमर्पण कर दिया।

अलौली के आरजेडी विधायक के ड्राइवर का मर्डर, तेजस्वी यादव का आरोप-

डेप्युटी सीएम आवास से गढ़ी जा रही अपराध की गाथा

खगड़िया (एजेंसियां)। बिहार के खगड़िया जिले के अलौली थाना क्षेत्र के मेघौना गांव के पास बाइक सवार युवक की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। युवक का नाम लक्ष्मण सदा बताया जा रहा है। वह अलौली के राजद बिधायक रामबृक्ष सदा का ड्राइवर थे। ग्रामीणों की मानें तो ड्राइवर लक्ष्मण सदा विधायक रामबृक्ष सदा के घर पर ही रहता था। उसकी पत्नी की तबियत खराब होने की सूचना मिलने के बाद वह बाइक से अपने ससुराल जाने के लिए निकला। इसी दौरान अज्ञात

अपराधियों ने मघौना गांव के पास बाइक रोकने को कहा। जब वह बाइक नहीं रोका तो पीछे से गोली मार दी, जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस पूरे मामले की पड़ताल में जुट गई है। इस हत्या पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दुख जताया है। तेजस्वी यादव ने पटना में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मौजूदा सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है। अभी निकल ही रहे थे कि सूचना मिली हमारे अलौली के विधायक के ड्राइवर की हत्या हो गई है। इससे पता चलता है कि बिहार में अपराध चरम पर है। बिहार में अपराध सुनियोजित ढंग से हो रही हैं। तेजस्वी यादव ने बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर पूर्व में भी सवाल उठाते रहे हैं। एक बार फिर उन्होंने सत्ता पक्ष पर हमला बोला है।

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि डेप्युटी सीएम के आवास से अपराध की गाथा गढ़ी जा रही है। इस सरकार में कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। यह सरकार भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी है।

जरा सोचिए कैसे लोगों के हाथों में सत्ता है जो राघोपुर की हत्या पर कैसी मानसिकता दिखा रहे हैं। अपराध कोई भी करे उसपर न्याय मिलना चाहिए। उधर, सत्ता पक्ष की ओर से लगातार हमले किए जा रहे हैं। बीजेपी नेता संजय जायसवाल ने मुजफ्फरपुर में एनडीए कार्यकर्ता की सम्मेलन में विपक्ष को गिद्ध बताते हुए तेजस्वी यादव पर प्रहार किया है।

देश में बिहार का विकास सबसे अच्छा, निराश है विपक्ष : मंत्री विजय चौधरी

पटना (एजेंसियां)। बिहार के जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा है कि बिहार का विकास देश में सबसे अच्छा है। उन्होंने नेशनल स्टेटिस्टिकल आर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के हवाले से यह बात कही। रिपोर्ट में बिहार की आर्थिक तरक्की को सराहा गया है। मंत्री ने राज्य सरकार की नीतियों और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर निष्पक्ष जांच करती है। साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को समर्पित रहने की सलाह दी। बिहार में आने वाले विधानसभा चुनाव से पहले विपक्ष बिहार के विकास में पिछड़ने का आरोप सरकार पर लगा रहा है।

मंत्री विजय कुमार चौधरी ने शुक्रवार को एनएसओ की रिपोर्ट पर खुशी जताई। एनएसओ ने देश की तरक्की के आंकड़े जारी करता है। चौधरी ने कहा कि बिहार की तरक्की तमिलनाडु को छोड़कर बाकी सभी राज्यों से बेहतर है। हर बिहारी को इस पर गर्व होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बिहार में आर्थिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसका सीधा असर लोगों की आमदनी पर दिख रहा है। लोगों की आमदनी बढ़ी है। अब यह 76,000 रुपये से ज्यादा हो गई है। साल 2023-24 में यह 68,690 रुपये थी। यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में लगातार हो रहे विकास कार्यों का नतीजा है। इतिहास में पहली बार बिहार की अर्थव्यवस्था में उद्योग क्षेत्र ने कृषि को पीछे छोड़ दिया है। मंत्री चौधरी ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को लेकर गलत बातें कर रही है। यह विपक्ष की निराशा को दिखाता है।

आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की बात कही थी। इस पर चौधरी ने कहा कि तेजस्वी अब स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का महत्व समझ गए हैं। यह अच्छी बात है कि वह सहयोग कर रहे हैं। यह एक अच्छी शुरुआत है। तेजस्वी यादव ने यह भी कहा था कि उपमुख्यमंत्री के आवास से अपराध हो रहे हैं। इस पर चौधरी ने कहा कि जहां भी अपराध होते हैं, जांच से सच्चाई सामने आ जाती है। हमारी सरकार कभी भी जांच को नहीं दबाती है। जरूरी यह है कि असली अपराधी पकड़े जाएं, गिरफ्तार हों और उन्हें सजा मिले।

चौधरी ने 'माई बहिन मान योजना' के फॉर्म में गड़बड़ी की खबरों को भी गलत बताया। उन्होंने कहा कि कोई भी योजना सरकार जारी करती है, न कि राजनीतिक कार्यकर्ता। अगर पार्टी कार्यकर्ता फॉर्म बांट रहे हैं, तो यह धोखा है।

चुनाव नजदीक हैं। ऐसे में कई लोग टिकट चाहते हैं। इस पर मंत्री ने कहा कि यह स्वाभाविक है। चुनाव के समय हर पार्टी के कार्यकर्ता चुनाव लड़ना चाहते हैं या पद पाना चाहते हैं। यह हमेशा होता है। हमारी पार्टी हमेशा अपने समर्पित कार्यकर्ताओं को मौका देगी।

एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

समस्तीपुर में बैंक ऑफ महाराष्ट्र डकैती मामले में दो दुकानदार हिरासत में

वैशाली (एजेंसियां)। वैशाली जिला के बिदुपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मायाराम हाट के निकट दो आभूषण दुकान में छापेमारी कर दो आभूषण दुकानदार को हिरासत में लिया है। एसटीएफ की टीम ने सोना दुकान से लूट के सोना और कीमती सामान बरामद किया है। एसटीएफ की टीम ने मायाराम हाट स्थित न्यू सौरव ज्वेलर्स के दुकानदार सौरभकुमार को उठाया है। दुकान से सोना और कीमती सामान बरामद किया।

वहीं, 100 मीटर की दूरी पर स्थित कृष्णदेव ज्वेलर्स एवं बर्तन भंडार दो दुकानों पर एसटीएफ की टीम ने छापेमारी किया। इस दौरान कृष्णदेव ज्वेलर्स के मालिक देवेंद्र शाह को उठाया।

दोनों को उठा कर एसटीएफ की टीम वहां से निकल गई। हालांकि इस संबंध में एसटीएफ की टीम ने कुछ बताने से मना कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि अभी कार्रवाई चल रही है।

मिली जानकारी के अनुसार बीते मई महीने में समस्तीपुर जिले के काशीपुर में बैंक ऑफ महाराष्ट्र से करीब साढ़े चार करोड़ के सोना और 15 लाख रुपये नकद बदमाशों ने दिनदहाड़े लूट लिया था। सोना और रुपये लूट के मामले में पूर्व में बिदुपुर थाना क्षेत्र के एक सोना दुकानदार के पुत्र बिट्टू कुमार की गिरफ्तारी हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बाजार समिति के निकट एक मैरिज हॉल से गिरफ्तार कर ले गई थी। एसटीएफ की टीम ने बिट्टू की मैरिज हॉल में बहन की शादी के दौरान उसे गिरफ्तार किया था। लूट कांड मामले में बिदुपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खिलवत गांव के कर्मवीर और मथुरा गोपालपुर के राबीस हिस्ट्री सीटर बदमाश की गिरफ्तारी और 500 ग्राम सोना लूट कांड का बिट्टू के घर से मिला था। इस संबंध में पुलिस कुछ भी बताने से बच रही है।

पटना में बोले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल : बिहार में विकास की लहर दिखाई दे रही, विपक्ष पूरी तरह फेल

पटना (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आज बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास की ओर बढ़ रहा है। एक समय था जब बिहार में भ्रष्टाचार सुर्खियों में था और आज आधारभूत संरचनाओं की योजनाएं, औद्योगिक विकास दिखाई दे रहा है। एक प्रकार से यहां विकास की लहर दिखाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि एक बार फिर से बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार स्थापित करने के लिए हमलोग मैदान में उतरे हैं। दावा करते हुए कहा कि आने वाले चुनाव में जनता के आशीर्वाद से एनडीए ऐतिहासिक विजय प्राप्त करेगी। उन्होंने कहा कि कल बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बिहार के दो नए बड़े प्रोजेक्टों को मंजूरी दी गई है। इसमें मोकामा मुंगेर चार लेन हाईवे 4500 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा और भागलपुर दुमका रामपुर हाट की रेलवे लाइन में दूसरा ट्रैक बनाना है। उन्होंने कहा कि बिहार की राजधानी पटना में मेट्रो का निर्माण हो रहा है। एनडीए का संकल्प बिहार को विकसित बनाना है, बिहार को सुख-समृद्ध बनाना है। आज जो प्रगति दिख रही है, वह बिहार के उज्ज्वल भविष्य की प्रतीक है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एनडीए सरकार ने 11 वर्षों में अपने संकल्प को पूरा किया है। पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। पीएम मोदी ने कहा था कि समावेशी विकास के बिना भारत विकसित नहीं हो सकता। इस कारण उनका पूरा जोर उत्तरी पूर्वी राज्यों के विकास पर लगा है। बिहार इस दौरान नई योजनाओं के कारण आगे बढ़ा है।

उन्होंने कई योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि नए मेडिकल कॉलेज खुले, गरीब लोगों को मकान मिले, एक प्रकार से देखें तो समाज मे ऐसा कोई वर्ग नहीं है जिसकी चिंता पीएम मोदी ने नहीं की। उन्होंने इस दौरान जीएसटी में बदलाव की चर्चा करते हुए कहा कि सभी उपयोगी चीजों में करों की कटौती कर मूल्यों में कमी की गई है। इससे मूल्य कम होंगे तो मांग बढ़ेगी और फिर उत्पादन बढ़ेगा। इससे रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत नए विकास की ओर जा रहा है, यह सकारात्मक सोच का परिणाम है। मोदी जी और नीतीश जी के नेतृत्व में बिहार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष पूरी तरह फेल हो चुका है। विपक्ष चुनाव हारने के कारण ढूंढने में लगा है। जिस तरह से विपक्ष पीएम मोदी की माताजी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया, उसकी निंदा करता हूं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव जान लें कि आप जितना भला-बुरा बोलें, गाली दें, बिहार की जनता गुमराह नहीं होगी। यहां की जनता समझदार है। यहां के लोग विकास चाहते हैं। बिहार सुशासन चाहता है। इस कारण फिर से एक बार नीतीश कुमार की सरकार बनेगी और बिहार के लोगों की सेवा करेगी। इस दौरान एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि महागठबंधन किसी को सीएम उम्मीदवार घोषित कर दे लेकिन नीतीश कुमार के फेस के सामने कोई नहीं टिकता। अमेरिका के द्वारा टैरिफ लगाए जाने को लेकर उन्होंने कहा कि इस पर बातचीत चल रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com